हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, रविवार 7 दिसंबर 2025

ई-केवाइसी नहीं कराने वाले 30 लाख से ज्यादा सदस्यों के नाम हुए ब्लॉक, राशन मिलना बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ में ई-केवाइसी नहीं कराने वाले 30 लाख से ज्यादा उचित मूल्य कार्ड के सदस्यों के नाम ऑनलाइन साफ्टवेयर में ब्लॉक कर दिए गए हैं। इन सदस्यों के नाम पर अब उचित मूल्य की दुकानों में राशन मिलना भी बंद हो गया है। जिन सदस्यों के नाम ब्लॉक हुए हैं, उनमें हजारों की संख्या में कार्ड धारक भी शामिल हैं, जिनके नाम पर कार्ड जारी हुए थे। हरिभूमि लगातार आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी पर केवाइसी नहीं कराने वाले सदस्यों के नाम ब्लॉक होने की खबर प्रकाशित करता रहा है। इस खबर पर अब मुहर भी लग गई है। जिला खाद्य नियंत्रक अधिकारी भूपेंद्र मिश्रा ने बताया कि रायपुर जिले में ही लगभग 3 लाख सदस्यों के नाम ब्लॉक हो गए हैं। इन सदस्यों के नाम पर अब राशन मिलना भी बंद हो गया है।

10 अक्टूबर की स्थिति में प्रदेश में 3316778 ने नहीं कराया था केवाइसी

प्रदेशभर में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत लगभग 82 लाख राशन कार्ड जारी किए गए थे। इन कार्डों में पंजीकृत सदस्यों की संख्या 2.73 करोड़ से अधिक है। 10 अक्टूबर की स्थिति में इन पंजीकृत सदस्यों में से 2.29 करोड़ सदस्यों का ही ईकेवाइसी पूर्ण हुआ था, वहीं शेष 44 लाख सदस्यों का केवाइसी नहीं हुआ था। हालांकि केवाइसी नहीं कराने वाले सदस्यों में लगभग 10 लाख सदस्यों की मृत्यु सहित अन्य कारणों से नाम काटे गए थे। शेष 33 लाख 16 हजार 778 सदस्यों के केवाइसी कराने के लिए अंतिम तारीख कई बार बढ़ाई गई। इसके बाद भी इन सदस्यों ने केवाइसी नहीं कराया।

मृत्यु और अन्य कारणों से काटे गए दस लाख सदस्यों के नाम

25 अक्टूबर के बाद नहीं बढ़ी तारीख

बचे हुए सदस्यों को केवाइसी कराने के लिए अंतिम बार 10 अक्टूबर को नई तारीख तय की थी। इस बार 25 अक्टूबर तक का समय निर्धारित किया था। सूत्रों के अनुसार इस दौरान भी प्रदेशभर में एक से दो लाख सदस्यों ने ही केवाइसी कराया। इस तरह शेष 30 लाख से अधिक सदस्यों का अब तक केवाइसी नहीं हुआ है। सूत्रों के अनुसार वन नेशन वन कार्ड योजना के तहत केवाइसी नहीं कराने वाले राशन कार्ड सदस्यों के नाम ब्लॉक करने का आदेश नवंबर में जारी होना था, लेकिन आखरी मौका देते हुए एक माह का और अतिरिक्त समय दिया गया, लेकिन इसके बाद भी सदस्यों ने केवाइसी नहीं कराया।

नाम ब्लॉक कर दिए गए

केवाइसी नहीं कराने वाले सदस्यों के नाम ब्लॉक कर दिए गए हैं। जिले में लगभग 3 लाख सदस्यों के नाम ब्लॉक हुए हैं। ब्लॉक होने के बाद अब इन सदस्यों के नाम पर राशन मिलना बंद हो गया है।

– भूपेंद्र मिश्रा, खाद्य नियंत्रक रायपुर

फैक्ट फाइल

दो लाख सस्पेक्टेड सदस्यों के नाम सितंबर में किए गए थे निरस्त

प्रदेश में सितंबर की स्थिति में 46 लाख सदस्यों ने केवाइसी नहीं कराया था, जिसके कारण इन सदस्यों का भौतिक सत्यापन किया गया था। इस दौरान लगभग दो लाख सदस्य सस्पेक्टेड पाए गए थे। इन सभी सदस्यों के नाम निरस्त किए गए थे।

82 हजार कार्ड भी संदेह के दायरे में

प्रदेशभर में 82 हजार 2 सौ राशन कार्ड संदेह के दायरे में हैं। ई-केवाइसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह चौंकाने वाले आंकड़े भी विभाग की रिपोर्ट में सामने आ चुके हैं। इस रिपोर्ट के आधार पर जिन-जिन जिलों में डुप्लिकेट आधार से राशन कार्ड बनाए गए, उनका दोबारा भौतिक सत्यापन कराया गया है। सूत्रों की मानें तो सस्पेक्टेड राशन कार्ड भी थोक में निरस्त किए गए हैं। हालांकि इसका आंकड़ा अभी मिल नहीं पाया है।

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट* (75.00%)	₹96043/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	₹117300/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	₹128044/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

aNaND Jewels Pandri, Raipur

*Conditions apply

इंडिगो संकट : बेलगाम किराए पर रोक, तत्काल रिफंड के दिए निर्देश

सरकार ने हवाई किराया किया फिक्स अब 500 किमी के लिए 7500 रुपए

इंडिगो की उड़ान बाधित होने के कारण हवाई टिकटों की बढ़ती कीमतों के बीच सरकार ने शनिवार को दूरी के आधार पर हवाई किराए की सीमा 7,500 रुपए से 18,000 रुपए तक सीमित कर दी। नागर विमानन मंत्रालय ने एक आदेश में कहा कि किराया सीमा, लागू शुल्कों को छोड़कर, बिजनेस श्रेणी और उड़ान श्रेणी के लिए लागू नहीं है। हालांकि आदेश में स्पष्ट नहीं किया गया कि यह सीमा केवल इकोनॉमी श्रेणी पर है या प्रीमियम इकोनॉमी श्रेणी पर भी लागू होगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सीमा के तहत, 500 किलोमीटर तक की उड़ान के लिए किराया 7,500 रुपए और 500-1,000 किलोमीटर के लिए टिकट की कीमत 12,000 रुपए तय की गई है। वहीं 1,000 से 1,500 किलोमीटर तक चलने वाली उड़ानों के लिए, किराया 15,000 रुपए तक सीमित है तथा 1,500 किलोमीटर से अधिक के लिए अधिकतम सीमा 18,000 रुपये तय की गई है। उदाहरण के लिए, दिल्ली–मुंबई उड़ान, जिसकी दूरी लगभग 1,300 किलोमीटर है, में कम से कम इकोनॉमी श्रेणी का किराया 18,000 रुपए तक सीमित होगा। यह सीमा तब तक लागू रहेगी जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती। इसमें उपयोगकर्ता विकास शुल्क (यूडीएफ), यात्री सेवा शुल्क (पीएसएफ) और हवाई टिकटों पर कर शामिल नहीं हैं। इंडिगो के उड़ान संचालन में कम से ▶▶| शेष पेज 7 पर

■ किराए की अधिकतम सीमा 18 हजार रुपए तय

कितनी दूरी का कितना किराया

500 किमी तक	500-1000 किमी	1000-1500 किमी	1500 किमी से अधिक
अधिकतम 7500 रुपए	अधिकतम 12000 रुपए	अधिकतम 15000 रुपए	अधिकतम 18000 रुपए

सरकार करेगी निगरानी

मंत्रालय ने बयान में कहा कि वह वास्तविक समय डेटा और एयरलाइन तथा ऑनलाइन यात्रा मंचों के साथ सक्रिय समन्वय के माध्यम से किराया स्तर की बारीकी से निगरानी करना जारी रखेगा। बयान में कहा गया है कि निर्धारित नियमों से कोई भी अमान्य बदलाव होने पर जनहित हित में तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। हवाई किराए की सीमा तय करने पर दो पेज के आदेश में मंत्रालय ने कहा कि ये किराया सीमाएं सभी प्रकार की बुकिंग पर लागू ▶▶| शेष पेज 7 पर

चार प्रमुख हवाई अड्डों पर 800 से अधिक उड़ानें रद्द

घरेलू विमानन कंपनी इंडिगो ने अपनी संचालन संबंधी समस्याओं के बीच शनिवार को चार प्रमुख हवाई अड्डों पर 800 से अधिक उड़ान रद्द कर दीं। 124 उड़ान बेंगलुरु हवाई अड्डे पर जबकि 109 उड़ानें मुंबई हवाई अड्डे पर रद्द की गईं।

कुछ दिनों में सामान्य हो जाएंगी स्थिति

इंडिगो ने कहा कि एयरलाइन पूरे नेटवर्क में अपने परिचालन को पटरी पर लाने के लिए पूरी लगन से काम कर रही है। हमारी टीमें शेड्यूल को स्थिर करने, देरी को कम करने और ग्राहकों की मदद करने पर केंद्रित हैं।

सरकार द्वारा जारी नए दिशा-निर्देश

सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि किराया सीमाएं लागू उपयोगकर्ता विकास शुल्क, यात्री सेवा शुल्क और करों को छोड़कर हैं। ये किराया सीमाएं बिजनेस क्लास और आरसीएस उड़ानों पर लागू नहीं होंगी। सरकार की ओर से कहा गया है कि ▶▶| शेष पेज 7 पर

रेलवे ने 89 विशेष रेलगाड़ियां चलाने की घोषणा की

विमानन कंपनी इंडिगो द्वारा बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द किए जाने के कारण लोगों को रही परेशानी को दूर करने के लिए रेलवे ने शनिवार को सभी जोन में 89 विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की। रेलवे मंत्रालय की समन्वित योजना के तहत, इन रेलगाड़ियों के कुल 100 फेरों की सबसे कम समय में व्यवस्था की गई। इसके लिए नयी दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, पटना और हावड़ा जैसे प्रमुख शहरों में यात्रा भार का विश्लेषण किया गया। पश्चिम रेलवे मुंबई सेंट्रल-नयी दिल्ली, मुंबई सेंट्रल-भिवानी, मुंबई सेंट्रल-शकूरबस्ती, बांद्रा टर्मिनस-दुर्गापुरा, वलसाड-बिलासपुर, साबरमती-दिल्ली और साबरमती-दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन के बीच सात विशेष ट्रेन का परिचालन करेगा।

सनावल थाना का मामला

चाची-भतीजी से गैंगरेप महिला ने लगाई फांसी

शिकायत के बाद भी नहीं लिखी एफआईआर, आईजी ने थाना प्रभारी को किया लाइन अटैच, एएसआई निलंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

महिला और उसकी नाबालिग भतीजी से सामूहिक दुष्कर्म करने और महिला द्वारा आत्महत्या करने के बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं करने को आईजी ने गंभीरता से लिया है। शिकायत की जांच के बाद आईजी ने जांचकर्ता एएसआई को निलंबित और थाना प्रभारी को लाइन अटैच कर दिया है। इसके साथ ही एएसपी बलरामपुर को इस मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। पूरा मामला बलरामपुर जिले के ▶▶| शेष पेज 7 पर

पति लौटा तो खुला मामला

परिजन का कहना है कि महिला का पति काम करने के लिए मध्यप्रदेश के जबलपुर गया हुआ था। पत्नी की मौत की जानकारी मिलने के बाद वह घर लौटा। इसके बाद महिला का अंतिम संस्कार हुआ। इधर, बाद में पता चला कि महिला और नाबालिग के साथ तीन युवकों ने गैंगरेप किया था जिसके बाद परिजन ने मामले की जानकारी सनावल पुलिस को दी लेकिन इतने गंभीर मामले को पुलिस ने गंभीरता से नहीं लिया और एफआईआर भी दर्ज नहीं की गई।

जांच के बाद होगी कार्रवाई

सनावल थाना क्षेत्र का प्रकरण है जिसमें 3 माह पूर्व महिला ने आत्महत्या की थी। इस मामले में जांचकर्ता अधिकारी ने लापरवाही की है। सामूहिक दुष्कर्म के साथ ही आत्महत्या के मामले में अपराध कायम किया गया है। प्रथम दृष्टया थाना प्रभारी और जांचकर्ता अधिकारी की लापरवाही पाई गई है। एएसआई को लाइन अटैच व थाना प्रभारी को लाइन अटैच किया गया है। एएसपी इस मामले की जांच कर रहे हैं। जांच के बाद आगे और भी कार्रवाई होगी।

-दीपक झा, आईजी

खबर संक्षेप

नड्डा ने बाबा बैद्यनाथ मंदिर में किए दर्शन

देवघर। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने शनिवार को झारखंड के देवघर में स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर में दर्शन किए। पंडा धर्मरक्षिणी सभा ने मंदिर में उनका स्वागत किया। नड्डा ने मंदिर के गर्भगृह में भगवान शिव के दर्शन किए। पार्टी अध्यक्ष देवघर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघके शताब्दी समारोह में शामिल होंगे और नव निर्मित पार्टी कार्यालय का उद्घाटन करेंगे।

11 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त

गुवाहाटी। राज्य में कई अभियानों के तहत 11 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए जाने के साथ संदिग्ध तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि नशीले पदार्थों के खिलाफ यह कार्रवाई कार्बी आंगलोंग और कछार जिले में की गई। असम पुलिस लगातार ऐसे अभियान चला रही है जो असल जिंदगी के मादक पदार्थ आधारित धारावाहिक या वेब सीरीज जैसे लगते हैं।

थाना प्रभारी ने स्वयं को गोली मारी, इलाज के दौरान मौत

जालौन। यूपी के जालौन जिले के थाना कुठौंद के प्रभारी निरीक्षक ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से कथित तौर पर स्वयं को गोली मार ली जिससे उनकी मौत हो गई।थाना प्रभारी को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। कुठौंद थाने के प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार राय ने थाना परिसर के अपने आवास पर सरकारी रिवाल्वर से कथित रूप से स्वयं को गोली मार ली।

अभिनेता अनिर्बान हादसे में बाल-बाल बचे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में लोकप्रिय बांग्ला अभिनेता अनिर्बान चक्रवर्ती की कार एक बस से टकरा गई। यह दुर्घटना दक्षिण कोलकाता के चारु मार्केट के पास उस समय हुई, जब चक्रवर्ती की कार उनका चालक चला रहा था। वह और उनका वाहन चालक दोनों सुरक्षित हैं लेकिन कार को काफी नुकसान हुआ है। दक्षिण-उत्तर मार्ग पर चल रही बस में यात्री सवार थे।

पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर ने पीएमओ, सीबीआई के पास पत्र लिखकर सीबीआई जांच की मांग की थी

500 करोड़ के डीएमएफ घोटाले की होगी जांच सीबीआई ने मांगे दस्तावेज

डीएमएफ घोटाला : 6 हजार पन्नों की चार्जशीट पेश, रानू-सौम्या, सूर्यकांत समेत 9 आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य के चर्चित पांच सौ करोड़ रुपए की डीएमएफ घोटाले की जांच सीबीआई कर सकती है। खनिज विभाग के डायरेक्टर रजत बंसल ने बिलासपुर कमिश्नर को विस्तृत जांच रिपोर्ट तैयार करने और सभी संदिग्ध परियोजनाओं की जांच के निर्देश जारी किए हैं। यह कार्रवाई पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर द्वारा पीएमओ और सीबीआई में की गई शिकायतों के बाद तेज हुई है।

निदेशक रजत बंसल ने 12 नवंबर को कमिश्नर को जो पत्र भेजा है, उसमें डीएमएफ मद में व्यापक प्रक्रियागत उल्लंघन, मनमाने अनुमोदन, प्राथमिकताओं की अनदेखी और संभावित वित्तीय गड़बड़ियों की जांच किए जाने की बात का उल्लेख किया है। शिकायतों के अनुसार डीएमएफ का मूल उद्देश्य स्वास्थ्य, ▶▶| शेष पेज 7 पर

कंवर ने लगाया यह आरोप

पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर ने पीएमओ, सीबीआई में जो शिकायत दर्ज कराई है, उसके अनुसार राज्य के कई जिले विशेषकर कोरबा में, ऐसे कार्यों को डीएमएफ से स्वीकृति दी गई, जो न तो प्राथमिकता की श्रेणी में आते थे और न ही स्थानीय जरूरतों पर आधारित थे। कंवर ने दावा किया कि अनुमोदन प्रक्रिया में निर्धारित नियमों का पालन नहीं हुआ और कई स्वीकृतियां विवेकाधीन आधार पर दी गईं। पूर्व गृहमंत्री की शिकायत पर सीबीआई ने राज्य सरकार से बड़े पैमाने पर दस्तावेज मांगे हैं, जिनमें अनुमोदन फाइलें, तकनीकी स्वीकृतियां, वित्तीय उपयोग विवरण, परियोजना प्रगति रिपोर्ट और लाभार्थी मूल्यांकन से जुड़े रिकॉर्ड शामिल हैं। इसके बाद खनन निदेशालय ने संभागीय स्तर पर जांच का आदेश जारी किया।

सीबीआई तीन बड़े मामलों की कर रही जांच

राज्य में सीबीआई से बैन हटाने के बाद सीबीआई तीन बड़े मामलों की जांच कर रही है। इनमें प्रमुख रूप से महादेव सट्टा एप, सीजीपीएससी घोटाला, बिरनपुर हत्याकांड की जांच कर रही है। इसके साथ ही सीबीआई अब डीएमएफ फंड घोटाले की जांच करेगी।

ब्लू टिक से जुड़ा है आरोप

मस्क के 'एक्स' पर 1080 करोड़ रुपए का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

यूरोपीय संघ ने एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डिजिटल नियमों के उल्लंघन को लेकर बड़ा कदम उठाया है। ईयू के डिजिटल सर्विस एक्ट (डीएसए) के नियम तोड़ने पर 'एक्स' पर 120 मिलियन यूरो यानी लगभग 1,080 करोड़ रुपये का भारी जुर्माना लगाया गया है। यूरोपीय आयोग के मुताबिक एक्स के प्लेटफॉर्म ने पारदर्शिता और यूजर सुरक्षा से जुड़े तीन मुख्य नियमों का उल्लंघन किया है, जिससे यूजर्स ब्लू टिक मार्क और विज्ञापन डाटाबेस को लेकर गुमराह हो सकते थे।

रिसर्चर्स के लिए डेटा एक्सेस में बाधा

जांच में यह भी सामने आया कि एक्स प्लेटफॉर्म रिसर्चर्स को डेटा एक्सेस करने में अनावश्यक बाधाएं खड़ी करता है। यह कदम पारदर्शिता और सार्वजनिक हित की भावना के खिलाफ है। ईयू के कार्यकारी उपाध्यक्ष ने कहा कि धोखे, विज्ञापन छिपाना और रिसर्च बाधित करना यूरोपीय डिजिटल कानूनों में स्वीकार्य नहीं है और डीएसए इसी से सुरक्षा देता है।

कुलदीप, कृष्णा का कमाल और यशस्वी के शतक ने दिलाई जीत

एजेंसी ▶▶| विशाखापत्तनम

कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद यशस्वी जायसवाल (नाबाद 116) की शतकीय पारी के बूते भारतीय टीम ने तीसरे और निर्णायक वनडे में शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 61 गेंद शेष रहते नौ विकेट से हराकर श्रृंखला 2-1 से जीत ली। कुलदीप (10 ओवर में 41 रन) और कृष्णा (9.5 ओवर में 66 रन) ने चार-चार विकेट लिए जिससे क्विंटन डिकॉक (106) की शतकीय पारी के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की टीम 47.5 ओवर में 270 रन पर आउट हो गई। भारत ने 39.5 ओवर में एक विकेट ▶▶| शेष पेज 7 पर

नौ दिसंबर से टी-20 सीरीज

भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें अब नौ दिसंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भिड़ेंगी।

हरिभूमि-आईएनएच-जनता टीवी के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पिताजी को दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

छत्तीसगढ़, मप्र और हरियाणा की कई हस्तियों ने किया याद, कैप्टन अभिमन्यु ने कहा- स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी जी का सामाजिक दायरा बहुत बड़ा था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ग्वालियर

हरिभूमि- आईएनएच- जनता टीवी के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पिताजी श्री कीर्ति नारायण द्विवेदी का 25 नवंबर को देवलोक गमन होने के बाद से उनके यहां श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा हुआ है। शनिवार को भी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा सहित कई राज्यों की बड़ी हस्तियां डॉ. हिमांशु द्विवेदी के यहां ग्वालियर स्थित चैंबर्स ऑफ कॉमर्स भवन में आयोजित त्रयोदशी, पूजा व गंगा प्रसादी में शामिल हुईं। इस मौके पर स्व. श्री कीर्ति नारायण द्विवेदी का स्मरण करते हरियाणा सरकार के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि स्व. पंडित कीर्ति नारायण एक महान समाजसेवी थे। उनका समाज सेवा का दायरा काफी बड़ा था। जो भी उनके संपर्क में आया, वो उनका सेवाभाव देखकर हैरान ▶▶| शेष पेज 7 पर

मप्र के डिप्टी सीएम, विधानसभा अध्यक्ष समेत कई मंत्री पहुंचे

मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पुण्यात्मा को नमन करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की है। इसके साथ पूर्व मंत्री माया सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता आशीष अग्रवाल भी लंबे समय तक मौजूद रहे। ग्वालियर के चैंबर्स ऑफ कॉमर्स भवन में पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना सभा एवं गंगा प्रसादी के साथ ब्राह्मणों को भोजन कराया गया और परंपरानुसार हवन पूजन किया गया। इस दौरान देर रात तक शुभचिंतकों, जनप्रतिनिधि एवं समाज सेवियों का तांता लगा रहा।

GRAND LAUNCHING

TODAY TIME 11:00 AM TO 6:00 PM

ANANDAM

LOGISTICS & INDUSTRIAL PARK

सुगम व्यापार की नई शुरुआत-यहीं से!

सुनहरा मौका नये व्यापार के साथ...

बेहतरीन लोकेशन, बेहतरीन कनेक्टिविटी

NH-53 और NH-30 के जंक्शन के पास स्थित यह प्रोजेक्ट

TOWN & COUNTRY APPROVED

- 44 एकड़ का प्रीमियम इंडस्ट्रियल लॉजिस्टिक पार्क
- लॉजिस्टिक्स + वेयर हाउस हेतु प्लॉट
- 6-लेन बाईपास रोड से सीधी पहुँच
- सेंट्रल इंडिया का सबसे कनेक्टेड बिज़नेस लोकेशन

AMENITIES

- 30mts, 18mts, 9mts concrete roads
- External lightings in Roads
- Public Toilet
- Drainage system
- Common Parking Space
- Commercial Plot for future Office space
- Amenities Space

ATUL PUBLICITY

Anandam Logistics & Industrial Park, Near 6 Lane Bypass Road, Guma, Raipur (C.G.)

RERA NO. PCGRERA281125002011 www.rera.cgstate.gov.in

SCAN FOR LOCATION

9302399000 Anil, 8223072000 Rupesh, 9826134367 Abhishek, 9300631000 Yogesh, 9406550111 GS

रायपुर
रविवार, 7 दिसंबर 2025
पौष कृष्ण पक्ष तृतीय
वर्ष : 24, अंक : 139
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 27.6
न्यून. 12.9

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

9 भारत की गलतियों से सबक लेकर जर्मनी...

आज कल
4 पुतिन के दौरे का सामरिक-आर्थिक...

रबी सीजन में चार फसलों का बीमा, प्रीमियम दर 1.5% निर्धारित, ओटीपी से होगा वेरीफिकेशन

देवीलाल साहू ⏭ भिलाई

खास खबर

धान कटाई अंतिम चरण में है। इसी के साथ ही रबी फसल के लिए दलहन-तिलहन की बुआई शुरू हो गई है। इसी के साथ केंद्र सरकार ने किसानों के लिए रबी सीजन फसल बीमा योजना भी शुरू की है। जिसमें चार फसलों को अधिसूचित किया गया है। किसान इस सीजन में गेहूं, सरसों, चना, अलसी का बीमा करवा सकेंगे। प्रति हेक्टेयर ऋणमान, प्रीमियम दर, प्रीमियम राशि निर्धारित किया गया है। खास बात यह है कि इन निर्धारित फसलों का प्रीमियम दर 1.5 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। फसल बीमा कराने पर मोबाइल में ओटीपी के माध्यम से वेरिफिकेशन किया जाएगा। धान फसल भी रबी सीजन में किसानों ने ली है, लेकिन इसका बीमा इस बार भी नहीं होगा। कृषि विभाग के अनुसार गेहूं सिंचित के लिए ऋणमान 38 हजार रुपए और प्रीमियम दर 1.5% निर्धारित है। प्रीमियम राशि 570 रुपए तय है। गेहूं असिंचित के लिए ऋणमान 25 हजार रुपए और प्रीमियम दर 1.5% निर्धारित है। प्रीमियम राशि 370 रुपए तय है। चना के लिए ऋणमान 42 हजार रुपए और प्रीमियम दर 1.5% निर्धारित है। प्रीमियम राशि 630 रुपए तय है। सरसों के लिए ऋणमान 28 हजार रुपए और प्रीमियम दर 1.5% निर्धारित है। प्रीमियम राशि 420 रुपए तय है। अलसी के लिए ऋणमान 17 हजार रुपए और प्रीमियम दर 1.5% निर्धारित है। प्रीमियम राशि 255 रुपए तय है। ⏭|शेष पेज 7 पर

पीएम फसल बीमा : चना के लिए प्रीमियम राशि 630, सरसों के लिए 420 रुपए निर्धारित

रबी सीजन में धान का बीमा नहीं

रबी सीजन में किसान धान फसल का बीमा नहीं करवा सकेंगे। पिछले साल की तरह इस बार भी रबी सीजन में चना, गेंहू के अलावा सरसों, अलसी फसल का बीमा कराने प्रीमियम राशि तय किया गया है। किसानों को स्पष्ट सूचना दी गई है कि धान फसल के लिए बीमा नहीं होगा। इस बार कृषि विभाग की ओर से रबी सीजन के तहत धान का लक्ष्य निर्धारित नहीं किया है। विभाग के हिसाब से दलहन-तिलहन फसल पर जोर दिया जा रहा है।

31 दिसंबर के पहले कराएं बीमा: जिले के अऋणी किसान रबी फसल के लिए पीएम बीमा योजना का लाभ ले सकते हैं। 31 दिसंबर तक किसान अपने दस्तावेजों के साथ बीमा करवा लें। इससे क्षति की स्थिति में नुकसान उठाना नहीं पड़ेगा। -**संदीप कुमार भोई**, उपसंचालक, कृषि जिला दुर्ग

किसानों के लिए यह दस्तावेज अनिवार्य

कृषि विभाग के मुताबिक अऋणी किसान अपने अधिसूचित फसल का बीमा कराने के लिए स्वयं का बोआई प्रमाण पत्र, बीमा प्रस्ताव पत्र, खसरा बी-1, पी-2, आधार कार्ड, नवीनतम बैंक पासबुक एवं किसान का वैध मोबाइल नं बटाईदार/कास्तकार/साझेदार के लिए साझा/ कास्तकार का घोषणा पत्र प्रस्तुत कर लोक सेवा केंद्र, सहकारी समिति, बैंक या कृषक स्वयं मोबाइल नंबर में क्रॉप इंश्योरेंस एप के माध्यम से फसल बीमा करा सकते है। फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

कार खाई में गिरी, एक ही परिवार के चार की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में शनिवार को एक कार के खाई में गिर जाने से उसमें सवार एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। यह दुर्घटना किश्तवाड़ शहर से लगभग 25 किलोमीटर दूर द्राबशल्ला संपर्क मार्ग पर उस समय हुई, जब परिवार सरथल माता मंदिर में दर्शन करने के बाद डोडा के देस्सा गांव स्थित अपने घर लौट रहा था। पुलिस के अनुसार, स्थानीय लोग पीड़ितों को बचाने के लिए दौड़े और एक लड़की सहित तीन लोगों को मौके पर मृत पाया।

लोकसभा में पेश हुआ राइट टू डिस्कनेक्ट बिल 2025,कई सांसदों ने पेश किया प्राइवेट मेंबर बिल

राइट टू डिस्कनेक्ट बिल, ऑफिस के बाद बॉस का फोन न उठाने का हक

एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने लोकसभा में ‘राइट टू डिस्कनेक्ट बिल, 2025’ पेश किया। इस बिल का मकसद भारत में वर्कर्स और एम्प्लॉइज के लिए वर्क-लाइफ बैलेंस को बढ़ावा देना है। एक प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया गया। खास बात यह है कि लोअर हाउस और अपर हाउस दोनों के मेंबर उन मुद्दों पर बिल पेश कर सकते हैं जिनके बारे में उन्हें लगता है कि उन पर सरकारी कानून की जरूरत है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

एक तरफ तो देश में 70 घंटे काम करने को लेकर बहस चल रही है। कुछ लोग इसके पक्ष में हैं तो वहीं जेनजी वर्ग इसके खिलाफ है। इस डिबेट में वो ‘पर्सनल लाइफ, मी टाइम, वर्क लाइफ बैलेंस’ जैसे तर्कों का इस्तेमाल करता है। इन सब के बीच लोकसभा में एक बिल पेश हुआ है, जो ऑफिस के बाद या छुट्टी के दिन बॉस का फोन ना उठाने और काम से संबंधित किसी मेल का जवाब ना देने के अधिकार ⏭|शेष पेज 7 पर

राइट टू डिस्कनेक्ट बिल में क्या है?

बिल में प्रावधान है कि किसी भी नॉन-कम्प्लायंस के लिए एंटिटीज (कंपनियों या सोसाइटीज) पर उनके एम्प्लॉइज की टोटल सैलरी का 1 परसेंट का जुर्माना लगाया जाना चाहिए। यह बिल हर एम्प्लॉई को काम से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन से डिस्कनेक्ट करने का अधिकार देता है। इसका मतलब है कि कर्मचारी ऑफिस टाइम के बाद बॉस के फोन या ईमेल से मुक्त रहने का अधिकार देता है। सामान्य शब्दों में कर्मचारियों को ऑफिस टाइम के बाद बॉस के फोन या ईमेल का जवाब देने से कानूनी रूप से फ्री हो जाएंगे।

मेंसुरेशन को लेकर पेश किए गए बिल: एक अन्य प्राइवेट मेंबर बिल, ‘मेनस्ट्रुअल बेनिफिट्स बिल, 2024’ कांग्रेस सांसद कडियम काव्या की ओर से पेश किया गया, जिसमें महिलाओं को मेंसुरेशन के दौरान वर्कप्लेस पर सुविधाएं और आवश्यक सहायता सुनिश्चित करने का प्रावधान है। लोजपा सांसद शंभवी चौधरी ने भी प्रस्तावित कानून पेश किया, जिसमें कामकाजी महिलाओं और छात्राओं के लिए पेड पीरियड लीव, मेंसुरेशन से जुड़ी हाइजीन सुविधाएं और स्वास्थ्य लाभ की व्यवस्था शामिल है।

तमिलनाडु को नीट से छूट देने की मांग

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने तमिलनाडु को मेडिकल अंडरग्रेजुएट एडमिशन के लिए राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) से छूट देने वाला बिल पेश किया। पिछले महीने, राष्ट्रपति की ओर से तमिलनाडु को नीट से छूट देने वाले राज्य कानून को मंजूरी न देने के बाद, राज्य सरकार ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने भारत में मृत्युदंड समाप्त करने का बिल पेश किया।

नौवें संस्करण की तैयारी

‘परीक्षा पे चर्चा’ के लिए 11 जनवरी तक पंजीयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चर्चा कार्यक्रम ‘परीक्षा पे चर्चा’ का नौवां संस्करण जनवरी 2026 में आयोजित किया जाएगा जिसके लिए पंजीकरण 11 जनवरी तक खुले हैं। शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, परीक्षा पे चर्चा अपने 9वें संस्करण के साथ वापस आ गया है। भारत और विदेश के छात्र, अभिभावक और शिक्षक परीक्षा के तनाव पर चर्चा करने और परीक्षाओं को एक उत्सव ⏭|शेष पेज 7 पर

2025 में बना था वर्ल्ड रिकॉर्ड

परीक्षा पे चर्चा ने 2025 में 245 से अधिक देशों के छात्रों, 153 देशों के शिक्षकों और 149 देशों के अभिभावकों की भागीदारी के साथ एक उल्लेखनीय गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। 2018 के पहले संस्करण में केवल 22,000 प्रतिभागियों से बढ़कर 2025 के आठवें संस्करण में 3.56 करोड़ पंजीकरणों तक पहुंच गई है। इसके साथ ही, परीक्षा पे चर्चा 2025 से संबंधित राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन गतिविधियों में 1.55 करोड़ लोगों ने भाग लिया जिससे इसमें कुल भागीदारी लगभग पांच करोड़ हो गई।

स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी जी

स्मृति शेष

प्रार्थना सभा व गंगा प्रसादी आयोजन

भावपूर्ण अश्रुओं और जीवन दर्शन के 'भजनों से स्मृतियां' संजोई

एक भावपूर्ण दिन.... स्वर्गीय पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी जी का त्रयोदशी संस्कार, प्रार्थना सभा और गंगा प्रसादी का आयोजन ग्वालियर स्थित चैंबर ऑफ कॉमर्स के भवन में सुबह 11:30 बजे से रखा गया था। इसमें मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सभी गणमान्य लोगों ने पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके सामाजिक अवदान को याद किया। इस दौरान भजन संगीत के माध्यम से जीवन की सार्थकता का संदेश भी दिया गया। पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी जी हरिभूमि, आईएनएच और जनता टीवी के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पिताश्री थे। श्रद्धांजलि सभा में सभी दिग्गजों ने पंडित द्विवेदी जी की सत्य निष्ठा और तप निष्ठा को याद कर उनकी पुण्य स्मृतियों को संजोया।

पुष्पांजलि

हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने इस मौके पर डॉ. हिमांशु द्विवेदी के परिवारजनों से मिलकर उनको ढांढस बंधाया।

पूजा अर्चना

स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी के बड़े बेटे डॉ. हिमांशु ने त्रयोदशी के मौके पर पुण्य आत्मा की शांति के लिए पूजा अर्चना की।

इन हस्तियों ने जताई संवेदनाएं

हरिभूमि-आईएनएच और जनता टीवी के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के यहां मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री तुलसी सिलावट और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने शोक व्यक्त किया।

भजनों के माध्यम से पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई

छग के पूर्व विस अध्यक्ष भी पहुंचे

छत्तीसगढ़ के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक और भाजपा के वरिष्ठ नेता सौदान सिंह डॉ. हिमांशु और उनकी माता जी श्रीमती रमा द्विवेदी से मिलकर उनको सांत्वना देते हुए।

श्रद्धासुमन

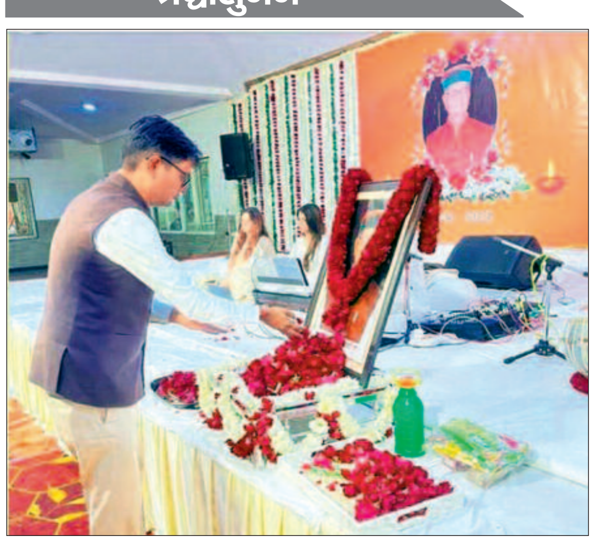

छत्तीसगढ़ सरकार के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ग्वालियर पहुंचे और वहां स्व.कीर्ति नारायण द्विवदी जी को श्रद्धासुमन अर्पित कर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने दुख जताया

मप्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल सहित अन्य लोगों ने डॉ. हिमांशु और उनके परिवार से मिलकर शोक संवेदना जताई।

पारिवारिक रीति रिवाज

इस दौरान पारिवारिक रीति रिवाजों का पालन किया गया। डॉ. हिमांशु के परिजन और रिश्तेदार मौजूद रहे।

ढांढस बंधाया

डॉ. हिमांशु द्विवेदी को ढांढस बंधाते हुए गणमान्य वरिष्ठजन।

दिनभर रहा आना-जाना

ग्वालियर के चैंबर्स ऑफ कॉमर्स भवन में आयोजित त्रयोदशी कार्यक्रम में शामिल होने वाले शुभचिंतक एवं रिश्तेदारों का दिन भर आना जाना लगा रहा।

हाल-चाल भी लिया

डॉ. हिमांशु और उनके परिजनों से आगंतुकों ने हालचाल भी जाना

शोक संवेदना

हरियाणा सरकार के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने डॉ. हिमांशु को सांत्वना दी।

परंपरा निर्वहन

परंपरा के अनुसार त्रयोदशी के मौके पर पूजा व गंगा प्रसादी का आयोजन किया गया। इसके बाद ब्राह्मण भोज हुआ। डॉ. हिमांशु ने विधि विधान से परंपराओं को पूर्ण कराया।

प्रार्थना सभा में भावपूर्ण श्रद्धांजलि

प्रार्थना सभा के दौरान चैंबर्स ऑफ कॉमर्स भवन में श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। इस दौरान बड़ी संख्या में डॉ. हिमांशु के परिजन, रिश्तेदार सहित दूर दराज से आए गणमान्य नागरिकों ने प्रार्थना सभा और गंगा प्रसादी के आयोजन में भाग लिया। विशिष्टजनों ने स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी के व्यक्तित्व और कृतित्व के बारे में अपने विचार रखे।

कठिन समस्याएं अब न होंगी
क्यूंकि सच्ची सहेली में हैं 67 खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।
24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in
67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स
Helps in: कठिन दर्द, चिड़चिड़ापन, थकान, कमज़ोरी, कमर कटना, इम्यूनिटी
सच्ची सहेली

'भारत रणनीतिक आजादी पर कायम, किससे रिश्ता रखना है ये हम तय करेंगे'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने साफ कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा का भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

उन्होंने कहा है कि भारत अपनी रणनीतिक आजादी पर कायम है और किसी भी देश को यह तय करने का हक नहीं है, भारत किससे कैसे संबंध रखने वाला है। साथ ही उन्होंने बोला की अमेरिका के साथ ट्रेड समझौते में भारत किसानों, मजदूरों और छोटे कारोबारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए कड़ा मोलभाव कर रहा है।

भारत-रूस नजदीकी से परेशान अमेरिका को जयशंकर की दो टूक

पुतिन की यात्रा का अमेरिका से ट्रेड डील पर नहीं पड़ेगा असर

डील में नहीं होगी मुश्किल

नई दिल्ली में एक चैनल के कार्यक्रम में जयशंकर से पूछा गया कि क्या रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिन की भारत यात्रा से इंडिया यूएस ट्रेड डील मुश्किल में आ सकती है? इस पर उन्होंने दो टूक कहा कि 'मैं इस बात से बिल्कुल असहमत हूं। भारत के सभी बड़े देशों से रिश्ते हैं और कोई भी इस बात की उम्मीद नहीं कर सकता कि वह हमें बताए कि किन देशों से कितने करीबी संबंध रखें।' उन्होंने साफ कहा कि भारत अपनी स्ट्रेटिजी ऑटोनॉमी पर कायम है और आगे भी रहने वाला है। जयशंकर ने आगे कहा कि भारत की विदेश नीति के कई अलग-अलग पहलू है और कोई भी देश यह उम्मीद नहीं कर सकता कि भारत उसके हिसाब से अन्य देशों से संबंध रखे. उन्होंने कहा 'हमारे पास विकल्प की स्वतंत्रता है। यह पहले भी थी और आगे भी रहेगी। किसी को यह सोचने की जरूरत नहीं कि भारत अपनी नीति बदलेगा।'

ट्रंप का सरकार चलाने का तरीका अलग

जयशंकर ने यह माना कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सरकार चलाने का तरीका काफी अलग है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें भरोसा है कि दोनों देशों के बीच एक ठीक-ठाक समझौता हो सकता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा विवादों ने रिश्तों में कुछ बाधाएं पैदा की हैं लेकिन बातचीत अभी भी जारी है।

नहीं होगा कोई समझौता

डील के संबंध में जयशंकर ने बताया कि भारत अपने किसानों, मजदूरों, छोटे कारोबारियों और मिडिल क्लास के हितों की रक्षा के लिए अमेरिका के साथ कठिन और मजबूत बातचीत कर रहा है और वही समझौता होगा जो भारतीय कामगारों, किसानों और छोटे व्यवसायों के हितों को सुरक्षित रखे।

इस साल हो सकता है डील का पहला चरण पूरा

हाल ही में सेक्रेटरी ऑफ कामर्स राजेश अग्रवाल ने बताया था कि इस साल के भीतर भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड एग्रीमेंट का पहला चरण साइन होने के कयास लगाए जा रहे हैं। यह समझौता दोनों देशों के बीच मौजूदा 191 बिलियन डॉलर के व्यापार को बढ़ाकर 2030 तक 500 बिलियन डॉलर तक हो सकता है। हालांकि ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय सामानों पर 50% तक टैरिफ बढ़ाने के बाद चुनौती और बढ़ गई है।

इंडिगो संकट से देशभर में यात्री हलाकान

किसी की मां अस्पताल में तो किसी की महीनों की मेहनत हुई बर्बाद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के परिचालन में शनिवार को लगातार पांचवें दिन भी कोई सुधार नहीं दिखा। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और चेन्नई एयरपोर्ट पर यात्री रात भर परेशान रहे। लगातार बिगड़ते हालात ने हजारों यात्रियों की यात्रा योजनाओं को प्रभावित किया है।

अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक यात्री रो पड़ी।एक यात्री महर्षि जानी ने अपना दुख बयां किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे गुवाहाटी जाना था और कोलकाता से कनेक्टिंग फ्लाइट थी। यह फ्लाइट करीब सुबह 6.15 की थी। हमें स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2025 के लिए चुना गया। इसमें करीब 74000 आइडिया सब्मिट हुए थे और लगभग 1400 आइडिया सेलेक्ट हुए थे। हमारा सेंटर नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी था। हमें वहां पर जाकर परफॉर्म करना था, लेकिन हमने आने और जाने दोनों की फ्लाइट इंडिगो से ली थी। फ्लाइट लेट होने के कारण हम वहां से नहीं जा पाएंगे।' हमारी 6-7 महीनों की मेहनत अब बर्बाद हो गई है।

एयरपोर्ट में फंसे यात्रियों ने सुनाई आपबीती

कंपनी ने एफडीटीएल नियमों को बताया परेशानी की वजह

वे मेरी फ्लाइट को बार-बार बदल रहे

मुंबई एयरपोर्ट पर फंसे एक यात्री टीके बंशपाल ने कहा, 'मेरी समस्या यह है कि मैं चार दिनों से एयरपोर्ट पर हूं। वे मेरी फ्लाइट को बार-बार बदल रहे हैं। जब मैं अपना सामान छोड़ने हवाई अड्डे आया, तो मुझे पता चला कि उड़ान रद्द हो गई है। कोई मैसेज या ईमेल नहीं आया। उन्होंने इसे अगले दिन के लिए रिशेड्यूल कर दिया। मैं अगले दिन आया और वह भी रद्द हो गया। फिर उन्होंने इसे आज सुबह के लिए रिशेड्यूल किया और वह भी रद्द हो गया। मैं एक न्यूरो पेसेंट हूं। मुझे यहां चक्कर आया और मैं गिर पड़ा।

अस्थि विसर्जन के लिए हरिद्वार

ऐसी ही एक मार्मिक कहानी बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से सामने आई है। इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों में लगातार हो रही देरी और कैंसिलेशन की वजह से यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। इन्हीं में से एक यात्री नमिता, अपने पिता के अस्थि विसर्जन के लिए हरिद्वार जा रही थीं, लेकिन फ्लाइट रद्द हो जाने के कारण वह एयरपोर्ट पर ही फंस गईं। अन्य मामलों में कोई पिता के अंतिम संस्कार के लिए नहीं पहुंच सका, तो कोई दो-दो दिन से एयरपोर्ट पर फंसा रहा। कई यात्री 20 घंटे तक प्लेन के अंदर ही बैठे रहे और उन्हें होटल या रिफंड भी नहीं मिला।

2 दिसंबर से शुरू हुआ संकट

इंडिगो संकट की शुरुआत 2 दिसंबर से हुई, जो 6 दिसंबर तक जारी है। एयरलाइन ने नए एफडीटीएल नियमों के कारण पायलट और क्रू की कमी को इसकी बड़ी वजह बताया है। 3 से 5 दिसंबर के बीच 1,200 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द हुईं, जिनमें अकेले 5 दिसंबर को 750 से अधिक कैंसलेशन दर्ज किए गए। दिल्ली एयरपोर्ट पर एक ही दिन में इंडिगो की सभी 235 घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे बड़े हब भी बुरी तरह प्रभावित रहे।

बार में गोलीबारी, 3 बच्चों समेत 11 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶| प्रिटोरिया

दक्षिण अफ्रीका से एक बार फिर डराने वाली खबर आई है। राजधानी प्रिटोरिया में तड़के एक हॉस्टल के अंदर मौजूद अवैध शराबखाने में हमला हुआ और 11 लोगों की जान चली गई।

इस वारदात ने देश की पहले से बढ़ी हुई चिंता को और गहरा कर दिया है। वहां अपराध का हाल वैसे ही खराब है, ऊपर से इस तरह की बड़े पैमाने की गोलीबारी लोगों में डर बढ़ा देती है। पुलिस के मुताबिक, शनिवार (6 दिसंबर 2025) सुबह करीब 4:30 बजे तीन हथियारबंद हमलावर हॉस्टल के अंदर चल रहे एक अवैध शराबखाने में घुसे और वहां बैठे लोगों पर अचानक गोलियां चलाना शुरू कर दीं. कुल 25 लोग गोली से घायल हुए, जिनमें से 10 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। एक घायल की मौत अस्पताल में हुई। मरने वालों में 3 साल का बच्चा, 12 साल का लड़का और 16 साल की लड़की भी शामिल हैं। पुलिस प्रवक्ता एथलेंडा मथे ने कहा कि पुलिस को इस घटना की जानकारी सुबह करीब 6 बजे मिली, यानी हमला होने के काफी देर बाद।

खौफनाक हमले से हिला दक्षिण अफ्रीका!

मोटिव अभी तक साफ नहीं

इस हमले को किसने और किस वजह से अंजाम दिया, यह अभी तक साफ नहीं है।अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है और पुलिस ने बताया कि हमलावरों की तलाश जारी है।मथे ने कहा कि हमारे सामने बड़ी चुनौती ये अवैध और अनलाइसेंस्ड शराब बेचने वाले ठिकाने हैं। अधिकतर मास शूटिंग ऐसे ही जगहों पर होती हैं। कई बार बेगुनाह लोग भी फंस जाते हैं।

विधायक हुमांयू ने रखी मस्जिद की आधारशिला

मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल) । पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में शनिवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित विधायक हुमांयू कबीर ने अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक नई मस्जिद की आधारशिला रखी। निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में इस मस्जिद की आधारशिला रखी। हुमांयू कबीर ने मस्जिद की आधारशिला कार्यक्रम के मंच पर मौलवियों के साथ समारोह का फीता काटा। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर 'नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर' के नारे लगाए गए।

पंजाब एण्ड सिंध बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) Punjab & Sind Bank (A Govt. of India Undertaking)
जहाँ सेवा ही जीवन - ध्येय है
अंचल : द्वितीय तल, सीआई स्क्वायर के पास, कोलार रोड, अकबरपुर, मेन कोलार रोड, भोपाल-462042 मोबाईल नं. : 7701029900, 7701029897
पंजाब एण्ड सिंध बैंक **सुपेला-भिलाई** में शाखा हेतु कमर्शियल परिसर जो भूतल पर स्थित हो तथा जिसका कारपेट क्षेत्रफल **1000 से 1200 वर्गफिट** हो, लीज आधार पर कम से कम 15 वर्ष हेतु आवेदन आमंत्रित करता है। आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि **20.12.2025** है। विस्तृत विवरण हेतु हमारी वेबसाइट https://punjabandsind.bank.in/module/tender-list देखें।
आंचलिक प्रबंधक, भोपाल

सड़क हादसे में रोज 485 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सड़क परिवहन मंत्रालय ने लोकसभा में बताया कि वर्ष 2024 में देश में सड़क हादसों में 1.77 लाख लोगों की मौत हुई। यह औसतन हर दिन 485 मौतें हैं। यह आंकड़ा 2023 की तुलना में 2.3 फीसद ज्यादा है, जब 1.73 लाख लोगों की जान गई थी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में बताया कि फरवरी 2020 में सड़क सुरक्षा पर तीसरे वैश्विक मंत्री स्तरीय सम्मेलन में अपनाए गए 'सड़क सुरक्षा पर स्टाकहोम घोषणापत्र' में 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों और चोटों को 50 फीसद तक कम करने का एक नया वैश्विक लक्ष्य रखा गया है। गडकरी ने कहा कि राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों से मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2024 के दौरान देश में सभी श्रेणी की सड़कों पर दुर्घटना में मरने वालों की कुल संख्या 1,77,177 थी।

सरकार ने जारी किया पिछले साल का आंकड़ा

देश के 1337 स्टेशनों को मिलेंगी हाईटेक सुविधाएं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय रेलवे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में 1337 स्टेशन का विकास करेगी। इसमें सर्वाधिक 157 स्टेशन उत्तर प्रदेश में हैं। 22 पर विकास कार्य पूर्ण भी हो चुका है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में बताया कि 1337 रेलवे स्टेशनों को इस योजना में शामिल किया गया है। योजना के तहत स्टेशन का विकास आधुनिक सुविधाओं को ध्यान में रखकर किया जाता है। मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 से 2025-26 के दौरान भारतीय रेल पर कुल 2,617 किलोमीटर लंबाई की 21 मीटर गेज से ब्राड गेज रूपांतरण परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं, जिनकी अनुमानित लागत लगभग 19,485 करोड़ है। उत्तर प्रदेश में चयनित स्टेशनों में अयोध्या धाम, गोमती नगर, गोंडा, बरेली सिटी, बलरामपुर, बिजनौर, इज्जतनगर, सहारनपुर, फतेहपुर, पंकी धाम समेत अनेक स्टेशन शामिल हैं।

सरकार की नई योजना

'लाइफ सपोर्ट पर है इंडिया महागठबंधन'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक इस समय 'लाइफ सपोर्ट' पर है और अंदरूनी कलह तथा बीजेपी की लगातार काम करने वाली इलेक्शन मशीनरी का मुकाबला न कर पाने की वजह से उसे कभी भी 'आईसीयू' में जाना पड़ सकता है।

दिल्ली में एक कार्यक्रम में बोलते हुए अब्दुल्ला ने विपक्षी गठबंधन की 'संगठनात्मक और रणनीतिक कमजोरियों' पर विस्तार से बात की और इसकी तुलना बीजेपी की 'बेजोड़' कार्यशैली से की। उन्होंने कहा, 'हम लोग अभी जैसे लाइफ सपोर्ट पर हैं। बीच-बीच में कोई आकर शॉक देता है, तो हम संभल जाते हैं। लेकिन फिर बिहार जैसे नतीजे आते हैं, तो हम फिर बैठ जाते हैं। और फिर किसी को हमें आईसीयू में ले जाना पड़ता है।'

कश्मीर सीएम अब्दुल्ला ने गिनाई विपक्ष की खामियां

'हम ऐसे चुनाव लड़ते हैं जैसे हमें कोई फर्क ही नहीं पड़ता'

चुनाव लड़ने में जमीन आसमान का अंतर

चुनाव लड़ने के तौर-तरीकों की तुलना करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि विपक्ष की संरचना और सोच बीजेपी की अनुशासित चुनावी शैली के सामने टिक नहीं पाती। उन्होंने कहा, वे हर चुनाव ऐसे लड़ते हैं मानो इससे उनका जीवन जुड़ा हो, हम कभी-कभी ऐसे लड़ते हैं, ज्यादातर चुनाव में हमारा रवैया ऐसा रहता है जैसे हमें कोई फर्क ही नहीं पड़ता।

'हमने ही नीतीश कुमार को एनडीए में धकेल दिया'

अब्दुल्ला ने एनडीए में नीतीश कुमार की वापसी की जिम्मेदारी भी इंडिया ब्लॉक पर डाली। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने ही नीतीश कुमार को फिर से एनडीए की ओर धकेल दिया।' उन्होंने बिहार में सीट बंटवारे के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) को जानबूझकर बाहर रखने के फैसले को भी बड़ी गलती बताया, जबकि पार्टी की राज्य में उपस्थिति है।

मुख्य जिम्मेदारी कांग्रेस को ही उठानी होगी

भविष्य की रणनीति पर उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष को बीजेपी को चुनौती देनी है, तो उसे अपने सबसे बड़े दल-कांग्रेस- के इर्द-गिर्द एकजुट होना होगा, क्योंकि बीजेपी के अलावा पूरे देश में मौजूदगी सिर्फ कांग्रेस की है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय पार्टियां अपनी भौगोलिक सीमाओं में बंधी होती हैं, इसलिए 'मुख्य जिम्मेदारी कांग्रेस को ही उठानी होगी।'

SWITCHSOL SYSTEMS & SERVICES (OPC) PVT. LTD.
SWITCHSOL
प्रधानमंत्री-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना
अपने वेंडर के रूप में SWITCHSOL को चुनें और देश के भरोसेमंद ICON SOLAR पैनल्स के साथ साझेदारी बनाएँ।

क्षमता	कुल मूल्य	सब्सिडी	मूल्य
2 KW	₹1,20,000	₹90,000	₹30,000
3 KW	₹1,65,000	₹1,08,000	₹57,000
4 KW	₹2,20,000	₹1,08,000	₹1,12,000
5 KW	₹2,75,000	₹1,08,000	₹1,67,000
6 KW	₹3,35,000	₹1,08,000	₹2,27,000
7 KW	₹3,75,000	₹1,08,000	₹2,67,000
8 KW	₹4,15,000	₹1,08,000	₹3,07,000
10 KW	₹4,60,000	₹1,08,000	₹3,52,900
10 KW	₹3,40,000	NDCR	₹3,40,000

90% बैंक लोन सुविधा के साथ आसान किस्त
सरकारी सब्सिडी पर 100% गारंटी
स्विचसोल को क्यों चुने ?
सोलर इंडस्ट्री में 35+ वर्षो का अनुभवी
IIT-Kharagpur के इंजीनियर द्वारा प्रमाणित डिज़ाइन
CREDA, CSPDCL, NABARD तथा केंद्रीय संगठनो के साथ कार्य का अनुभव
6000+ घरो में सोलर सिस्टम लगाने का अनुभव
Registered vendor of CREDA & CSPDCL
SWITCHSOL SYSTEMS AND SERVICES (OPC) PVT LTD
Om Vihar , Behind Sona Vatika , Airport Road, Fundahar Chowk , Pin :- 492006, Raipur , Chhattisgarh
CONTACT +91 7489766136, 9302502992 Info@switchsol.co.in
T&C apply.

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दो दिवसीय भारत दौरा नई दिल्ली और मॉस्को में दोस्ती की एक नई इबारत लिख गया है। दोनों देशों ने मजबूत आर्थिक साझेदारी के लिए पंचवर्षीय योजना बनाने और व्यापार घाटे पर भारत की चिंताओं को दूर करने पर सहमति जताई। वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो भारत के लिए अमेरिका के मुकाबले रूस ज्यादा भरोसेमंद है। शिखर बैठक ने इस भरोसे को और मजबूती दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत पश्चिम के दबाव में आकर अपनी विदेश नीति तय नहीं करेगा। हमारी विदेश नीति के केंद्र में उसके राष्ट्रीय हित, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास प्राथमिकता में हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से कहा कि यूक्रेन में युद्ध को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त किया जाना चाहिए। इन सबके बीच पुतिन की भारत यात्रा एक बड़े वैश्विक बदलाव की ओर इशारा करती है। भारत अगर अमेरिका की तनी हुई भौंहों की उपेक्षा करने में सफल रहा तो रूस भी पश्चिमी देशों को ठेंगे पर लेने और भारत में अपना बाजार बढ़ाने के प्रयासों में सफल रहा। पुतिन की इस यात्रा के बाद यह सुनिश्चित होता दिख रहा है कि दोनों देश परस्पर विश्वास, सहायता एवं समर्पण की परिधि को सुदृढ़तापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए सदैव कटिबद्ध रहेंगे। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

पुतिन के दौरे का सामरिक-आर्थिक महत्व

विश्लेषण
रवि शंकर
स्वतंत्र पत्रकार

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दो दिवसीय भारत दौरा और 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात, बदलते वैश्विक परिदृश्य में नई दिल्ली और मॉस्को के बीच ऐतिहासिक रूप से मजबूत संबंधों के महत्व को रेखांकित करती है। यह यात्रा न केवल दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा का मंच है, बल्कि यह दर्शाती है कि दबाव के बावजूद दोनों देशों के बीच की साझेदारी समय की कसौटी पर खरी उतरी है। यह भारत को वैश्विक मंच पर बहु-ध्रुवीय नीति पर चलने की ताकत देती है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दो दिवसीय भारत दौरा और 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात, बदलते वैश्विक परिदृश्य में नई दिल्ली और मॉस्को के बीच ऐतिहासिक रूप से मजबूत संबंधों के महत्व को रेखांकित करती है। यह यात्रा न केवल दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा का मंच है, बल्कि यह दर्शाती है कि दबाव के बावजूद दोनों देशों के बीच की साझेदारी समय की कसौटी पर खरी उतरी है। पुतिन का यह दौरा न केवल पारंपरिक ऊर्जा जैसे तेल, गैस और रक्षा सहयोग तक सीमित है, बल्कि आर्थिक, तकनीकी, स्वास्थ्य, कृषि जैसे कई मोर्चों पर दोनों देशों की साझेदारी को आगे बढ़ाने की एक बड़ी योजना है। इस दौरान दोनों देशों ने 2030 तक व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य भी रखा है। पुतिन के भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने मजबूत आर्थिक साझेदारी के लिए पंचवर्षीय योजना बनाने और व्यापार घाटे पर भारत की चिंताओं को दूर करने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने कुल 11 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से कहा कि यूक्रेन में युद्ध को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त किया जाना चाहिए।

आर्थिक साझेदारी महत्वपूर्ण

मोदी और पुतिन के बीच शिखर वार्ता का मुख्य बिंदु तेल और रक्षा के पारंपरिक क्षेत्रों में सहयोग से हटकर आर्थिक साझेदारी को महत्वपूर्ण रूप से व्यापक बनाना था, हालांकि पश्चिमी देशों द्वारा भारत पर रूस के साथ अपने संबंधों को कम करने के लिए दबाव बढ़ रहा था। बैठक के बाद दोनों नेताओं ने आठ दशक से अधिक पुरानी भारत-रूस मित्रता को नई गति देने के अपने दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह मित्रता ''ध्रुव तारे'' की तरह अडिग बनी हुई है। व्लादिमीर पुतिन का यह भारत दौरा केवल एक मुलाकात भर नहीं, बल्कि यह दोनों देशों के रिश्तों में एक नए अध्याय की शुरुआत है। यह विश्व के बदलते समीकरण को भी नए सिरे से परिभाषित करने का काम करेगा। दरअसल, भारत पश्चिमी मुल्कों को यह संदेश देना चाह रहा है कि यह किसी के दबाव में विदेश नीति का निर्माण नहीं करता और ना ही किसी ध्रुव का हिस्सा है। वहीं, दूसरी ओर पुतिन चीन को यह बतलाना चाह रहे हैं कि रूस केवल एक देश पर निर्भर नहीं रहेगा बल्कि वह विकल्पों की तलाश में है।

पश्चिम के देश असहज

अहम बात यह है कि बदलते वक्त के दौर में भी भारत और रूस एक-दूसरे के करीब नजर आए हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पुतिन की सबसे दुर्लभ विदेश यात्राओं में से एक है। पिछले तीन वर्षों से अमेरिका और यूरोप पुतिन को वैश्विक मंच से अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत जब पुतिन का 'रेड कार्पेट' वेलकम करता है, तो पश्चिमी देशों की यह मुहिम कमजोर साबित होती दिखती है। रूस से भारत के संबंधों को लेकर पश्चिम के देश असहज भी रहते हैं। पश्चिमी देशों की कोशिश है कि पुतिन को अलग-थलग कर दिया जाए। लेकिन भारत जैसा बड़ा देश पुतिन का गर्मजोशी से स्वागत करता है। तो ऐसे में यूरोप की इस रणनीति पर पानी फिरता दिख रहा है। जब भारत जैसा बड़ा लोकतांत्रिक देश रूस के साथ बड़े समझौता करता है तो इससे बाकी दुनिया में एक संदेश जाता है कि पुतिन विश्व के अहम नेताओं की लिस्ट में शुमार हैं। रूस की इकॉनमी को कमजोर करने के इरादे से यूरोप और अमेरिका ने रूस पर कई बैन लगाए थे। लेकिन भारत सस्ती कीमत पर रूस से कच्चा तेल काफी मात्रा में खरीद रहा है। यूरोप को लगता है कि रूस पर लगे बैन के बावजूद उसे अच्छा-खासा रेवेन्यू मिल रहा है, जिसे वह यूक्रेन युद्ध में खर्च कर रहा है।

यूरोप की रणनीति को धक्का

अमेरिका और यूरोप चाहता है कि रूस से कोई भी देश डिफेंस इक्विपमेंट या हथियारों का कोई कारोबार ना करे। लेकिन हथियारों के मामले में भारत हमेशा से रूस का सबसे बड़ा और भरोसेमंद खरीदार रहा है। इससे यूरोप की उस रणनीति को धक्का पहुंचता है, जिसमें वह चाहता है कि सैन्य रूप से भी रूस को अलग-थलग कर दिया जाए। पश्चिमी देश चाहते थे कि भारत यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस की खुलकर निंदा करें और वह यूरोप के खेमे में आ जाए। लेकिन भारत ने यहां अपनी विदेश नीति का पालन करते हुए इस पर निष्पक्ष रुख रखा। उसने रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में वोटिंग से दूरी बनाए रखी है और किसी भी पाले में शामिल नहीं हुआ। भारत के इस निष्पक्ष रुख से दोनों देशों के रिश्ते को और मजबूती मिलेगी। दरअसल, पश्चिमी देश रूस के खिलाफ पूरी दुनिया को लामबंद करना चाहते हैं, लेकिन पुतिन का भारत दौरा रूस-चीन-भारत के बीच मजबूत होते संबंध का मैसेज देता है। ऐसे में यूरोप के लिए पुतिन के इस दौरे को कूटनीतिक झटके के रूप में देखा जा सकता है। कुल मिलाकर दुनिया भर की नजर मोदी और पुतिन के बीच होने वाली बातचीत पर रही जिसमें दोनों नेताओं ने आठ दशक से अधिक पुरानी भारत-रूस मित्रता को नई गति प्रदान करने की अपनी दृढ़ इच्छा प्रदर्शित की। भारत, रूस और चीन का करीब आना अमेरिका के लिए कहीं न कहीं एक बड़ी चिंता है। अमेरिका ने उन देशों पर करीबी से निगरानी की जो रूस से तेल, गैस या अन्य संसाधन लेते हैं। इन सबके बाद भी भारत ने रूस से लगातार तेल खरीदना जारी रखा। यह सब अमेरिका और पश्चिमी देशों को बिल्कुल पसंद नहीं आ रहा था। ब्रिक्स में नई करेंसी की बात करना और अमेरिका के खिलाफ जाकर भारत का लगातार रूस से बड़े पैमाने पर तेल खरीदना इन्हीं सब चीजों को देखते हुए अमेरिका ने भारत के ऊपर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया। इन सब चुनौतियों के बाद भी भारत और रूस का करीब आना एक नए ग्लोबल शिफ्ट के रूप में देखा जा रहा है।

भारत के लिए राष्ट्रहित अहम

यह स्पष्ट करता है कि भारत पश्चिम के दबाव में आकर अपनी विदेश नीति तय नहीं करेगा। भारत की विदेश नीति के केंद्र में उसके राष्ट्रीय हित, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास प्राथमिकता में हैं। इन सबके बीच पुतिन की भारत यात्रा एक बड़े वैश्विक बदलाव की ओर इशारा करती है। अमेरिका को यह डर है कि भारत रूस संबंधों में मजबूती, रूस, चीन और भारत के बीच रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने का काम करेगी। इससे भविष्य में अमेरिका और पश्चिमी देशों का जो प्रभुत्व है, वह कमजोर हो सकता है। यह यात्रा केवल समझौतों पर हस्ताक्षर करने से कहीं अधिक है, यह एक रणनीतिक आश्वासन है। यह भारत को वैश्विक मंच पर बहु-ध्रुवीय नीति पर चलने की ताकत देती है।

अनुपम मित्रता का श्रेष्ठ उदाहरण हैं भारत-रूस

आयाम
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र पत्रकार

दो दिवसीय यात्रा पर भारत पधारे रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन का न केवल भारतीय शासन ने अत्यंत गरिमामयी ढंग से राजकीय सम्मान किया, अपितु देश के लोगों में भी उनके आगमन से अपार हर्ष है। पुतिन की इस यात्रा से दोनों देशों के ऐतिहासिक पारस्परिक संबंधों को एक नया विश्वसनीय आयाम प्राप्त हुआ है। हालांकि भारत-रूस के संबंध गत नौ-दस दशकों से विभिन्न क्षेत्रों में परस्पर विश्वास तथा सहायता पर आधारित ही रहे हैं, किंतु गत एक दशक में विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की एक नवायामी दिशा परिलक्षित होती हुई दिखाई दे रही है। इससे विश्व के देशों की नई शक्ति श्रेणी निर्धारित हो रही है। अमेरिका, चीन तथा यूरोपीय देशों की परहितकारी गुप्त नीतियों को भारत-रूस की मैत्री से कठिन चुनौतियां मिल रही हैं। संभवतः विश्व में भारत एवं रूस ही ऐसे दो देश हैं, जिनका संयोजन स्वार्थ की भेंट नहीं चढ़ा। इनके मध्य उपभोक्ता उत्पादों के व्यापार में अधिक भागीदारी न होने के बाद भी, दोनों ही राष्ट्रों ने इस कारण कभी पराभव अनुभव नहीं किया। इसके विपरीत भूराजनीतिक, आर्थिक, युद्धक एवं अन्य संकटों की समयावधि में दोनों ही देशों ने एक-दूसरे की बढ़चढ़ कर सहायता की है।

दोनों ही देशों के मध्य सोवियत संघ के समय से ही द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश समझौतों का दीर्घकालिक दृढ़ संबंध रहा है, किंतु कुछ वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार इनके आर्थिक समन्वयन के साथ नवशिखर तक पहुंचा है।

अभी पुतिन की इस यात्रा के बाद तो सुनिश्चित होता दिख रहा है कि दोनों देश परस्पर विश्वास, सहायता एवं समर्पण की परिधि को सुदृढ़तापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए सदैव कटिबद्ध रहेंगे। पुतिन ने इससे पहले सन् 2000, 2012, 2014, 2018, 2021 में पांच बार भारत की यात्रा की है। कोरोना काल के बाद उनकी यह पहली भारतीय यात्रा है। हालांकि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्तारूढ़ होने के बाद सात बार रूस की यात्रा की है, किंतु गत सितंबर में चीन के तियानजिन में एससीओ शिखर वार्ता में रूस के साथ द्विपक्षीय वार्ता के समय दोनों राष्ट्राध्यक्षों के मध्य पुतिन की कार में बैठकर परस्पर व गुप्त संवाद करने का जो चित्र-चलचित्र प्रसारित हुआ था, उससे भलीभांति अवगत हो गया था कि विश्व, विशेषकर दक्षिण एशिया में अमेरिकी कूटनीतिक प्रसारण पर प्रतिबंध हेतु अधि संभवतः रूस-भारत तथा कम संभावित रूप में रूस-भारत-चीन के बीच एक नई वैश्विक राजनीतिक समझ विकसित होने लगी है। पुतिन की भारत यात्रा की समयावधि में यह पहली बार है कि दोनों देशों की ओर से रक्षामंत्रियों, विदेशमंत्रियों एवं सुरक्षा सलाहकारों के स्तर पर टू प्लस टू वार्ता का आयोजन किया गया। पुतिन-मोदी की अध्यक्षता में संपन्न 23वें भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य तथा भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रेस भेंटवार्ता से स्पष्ट है कि दोनों देश अब आगे भविष्य में सामरिक संबंधों के साथ-साथ आर्थिक-व्यापारिक संबंधों को भी शक्तिसंपन्न करने हेतु संकल्पबद्ध हैं। दोनों नेताओं की भेंटवार्ताओं से भारत-रूस की कार्यनीतिक सहभागिता को नवदिशा प्राप्त हुई है। हालांकि दोनों ही देशों के मध्य सोवियत संघ के अस्तित्व के समय से ही द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश समझौतों का दीर्घकालिक दृढ़ संबंध रहा है, किंतु विगत कुछ वर्षों में दोनों का द्विपक्षीय व्यापार इनके आर्थिक समन्वयन के साथ नवशिखर तक पहुंचा है। सोवियत संघ के विघटन होने पर रूस की उत्पत्ति के बाद रूस-भारत का द्विपक्षीय व्यापार 1.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में वर्ष 2024-25 के वित्तीय वर्ष में 68.7 बिलियन डालर तक पहुंच चुका है। इस शिखर वार्ता में द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। जहां पुतिन ने भारत को निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति करते रहने का आश्वासन दिया है, वहां दोनों देशों ने निवेश अनुबंधों के अंतर्गत भारतीय कंपनियों को रूस के तेल एवं गैस, औषधि व सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, तो रूसी कंपनियों को भारत के ऊर्जा, अवसंरचना निर्माण तथा विनिर्माण क्षेत्रों में पहले से अधिक निवेश करने के लिये प्रेरित किया है। वार्ता में ऐसे ही विभिन्न कार्यक्षेत्रों सहित निर्बाध एवं सुगम पारस्परिक प्रवासन व गतिशीलता के 16 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग अधिक बढ़ेगा। पुतिन की यात्रावधि में महत्त्वपूर्ण इंडिया-रूस बिजनेस फोरम में मोदी ने विश्व में सबसे कम मूल्यों के साथ उपलब्ध श्रेष्ठ गुणवत्ता की भारतीय औषधियों के निर्माण में रूसी औषध उद्योग के सहयोग का आह्वान भी किया है। लगभग सभी क्षेत्रों में रूस ने भारत की हमेशा एक सच्चे मित्रराष्ट्र के रूप में सहायता की है। प्रत्युत्तर में भारत ने भी अपने मैत्रीपूर्ण कर्त्तव्यों का सदैव उत्तरोत्तर निर्वहन किया है।

हैदराबाद हाउस से उठती कूटनीति की गूंज

समीकरण
कांतिलाल मांडोत
स्वतंत्र पत्रकार

हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात सिर्फ दो राष्ट्राधिकारियों का औपचारिक संवाद नहीं था, बल्कि एक ऐसे वक्त में हुई ऐतिहासिक बैठक थी जब वैश्विक राजनीति कई मोर्चों पर तीव्र परिवर्तन से गुजर रही है। विश्व व्यवस्था के बदलते समीकरण, यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि, अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों का बढ़ता दबाव, एशिया की नई रणनीतिक प्राथमिकताएं आदि इन सभी के बीच पुतिन का भारत आना और भारत द्वारा अपनी कूटनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से दुनिया के सामने रखना बेहद महत्वपूर्ण है। इस उच्चस्तरीय मुलाकात में भारत ने यह दो टूक कहा कि वह न्यूट्रल नहीं है, बल्कि शांतिपक्ष में है। यह बयान अपने आप में भारत की परिपक्व, आत्मविश्वासी और स्वतंत्र विदेश नीति का परिचायक है। भारत ने दुनिया को संकेत दिया कि वह किसी खेमे की राजनीति में नहीं बँधने वाला, बल्कि उसकी प्राथमिकता वैश्विक शांति, स्थिरता और संवाद है। यही भारतीय विदेश नीति की वह धारा है जिसने दशकों से भारत को वैश्विक मंच पर विश्वसनीय, संतुलित और दूरदर्शी राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। यही कारण है कि पुतिन ने खुलकर कहा कि भारत खुशकिस्मत है कि उसके पास मोदी जैसे नेता हैं और उन्होंने यूक्रेन संकट में भारत की शांति कोशिशों की सराहना की। पुतिन का यह औपचारिक आभार न केवल हिंद-रूसी रिश्तों की मजबूती को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि भारत आज उस स्थिति में है जहाँ विश्व की प्रमुख शक्तियां उसकी मध्यस्थता, उसके संवाद और उसके रुख को गंभीरता से सुनती हैं। भारत के राष्ट्रपति भवन में पुतिन को 21 तोपों की सलामी दी गई। यह सम्मान उस गहरे द्विपक्षीय भरोसे और परंपरा का प्रतीक है जिसने दोनों देशों को दशकों से जोड़ा हुआ है। पुतिन ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। यह कदम न केवल भारत की महान सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि वैश्विक संघर्षों के बीच गांधी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांत आज भी समाधान का मार्ग हो सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन की इस यात्रा को ऐतिहासिक बताया। यह शब्द केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक कूटनीतिक संदेश है। ऐसे समय में जब पश्चिमी देशों में रूस के साथ संवाद सीमित हो गया है, भारत का यह रुख उसकी रणनीतिक स्वायत्तता का प्रमाण है। यह भारत की उस भूमिका को भी रेखांकित करता है जो वह वैश्विक शांति के लिए निभा सकता है। पुतिन का यह दौरा अमेरिकी और पश्चिमी दबावों के बीच हुआ। लेकिन भारत ने जिस सहजता, गरिमा और स्पष्टता के साथ अपनी स्थिति रखी, वह उसके आत्मविश्वास को दर्शाता है।

भारत ने दुनिया को संकेत दिया कि वह किसी खेमे की राजनीति में नहीं बंधने वाला, बल्कि उसकी प्राथमिकता वैश्विक शांति, स्थिरता और संवाद है।

भारत और रूस के बीच अहम डील

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अहम बैठक के बाद दोनों देशों के बीच कई समझौते हुए हैं।

- भारत सरकार और रूसी संघ की सरकार के बीच एक राज्य के नागरिकों की दूसरे राज्य के क्षेत्र में अस्थायी श्रम गतिविधि पर समझौता।
- भारत और रूस के बीच अनियमित प्रवासन से निपटने में सहयोग पर समझौता।
- भारत के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और रूसी संघ के स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता।
- भारत और परिवार कल्याण मंत्रालय के भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में उपभोक्ता अधिकार संरक्षण और मानव कल्याण पर निगरानी हेतु संघीय सेवा (रूसी संघ) के बीच समझौता।
- ध्रुवीय जल में परिचालन करने वाले जहाजों के लिए विशेषज्ञों के प्रशिक्षण पर भारत गणराज्य सरकार के बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय और रूसी संघ के परिवहन मंत्रालय के बीच समझौता।
- भारत के बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय और रूसी संघ के समुद्री बोर्ड के बीच समझौता।
- मेसर्स जेएससी यूरालकेम और मेसर्स राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड तथा नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड और इंडियन पोटाश लिमिटेड के बीच समझौता।
- भारत और रूसी संघ के बीच माल और वाहनों के आवागमन के संबंध में आगमन-पूर्व सूचना के आदान-प्रदान में सहयोग के लिए भारत गणराज्य सरकार के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड और संघीय सीमा शुल्क सेवा (रूसी संघ) के बीच प्रोटोकॉल।
- भारत के संचार मंत्रालय के डाक विभाग और जेएससी रूसी पोस्ट के बीच द्विपक्षीय समझौता।
- रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान, पुणे और संघीय राज्य स्वायत्त उच्च शिक्षा शैक्षणिक संस्थान ₹नेशनल टॉम्स्क स्टेट यूनिवर्सिटी, टॉम्स्क के बीच वैज्ञानिक और शैक्षणिक सहयोग पर समझौता।
- मुंबई विश्वविद्यालय, लोमोनोसोव मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी और रूसी प्रत्यक्ष निवेश कोष की संयुक्त स्टॉक कंपनी प्रबंधन कंपनी के बीच सहयोग के संबंध में समझौता।
- प्रसार भारती, भारत और संयुक्त स्टॉक कंपनी गज़प्रोम-मीडिया होल्डिंग, रूसी संघ के बीच प्रसारण पर सहयोग और सहभागिता के लिए समझौता।

कार्टूनिस्ट की नजर में ...

भारत ने दिया दोस्ती, सार्वभौमिकता और खुदमुख्तारी का सन्देश

कूटनीति
सुनील अमर
स्वतंत्र पत्रकार

रशियन फेडरेशन के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा पूरी कर जा चुके हैं। इस यात्रा के दौरान दोनों नेताओं यानी राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमन्त्री मोदी के बीच खूब गर्मजोशी दिखाई पड़ी और पुतिन की अगवानी करने के लिए तो प्रधानमन्त्री मोदी ने निर्धारित प्रोटोकॉल को भी तोड़ दिया, जैसा कि वे इसके पहले भी कई बार अन्य शासनाध्यक्षों की अगवानी के लिए कर चुके हैं। पुतिन की इस यात्रा से क्या निष्कर्ष निकलते हैं, इसका तो अभी आने वाले दिनों में गुणा-भाग किया जाएगा लेकिन फिलहाल यह यात्रा अपने प्राथमिक उद्देश्य में सफल कही जा सकती है। भारत अगर अमेरिका की तनी हुई भौंहों की उपेक्षा करने में सफल रहा तो रूस भी पश्चिमी देशों को ठेंगे पर लेने और भारत में अपना बाजार बढ़ाने के प्रयासों में सफल रहा। प्रधानमन्त्री मोदी ने बहुत स्पष्ट शब्दों में दुनिया को सन्देश दिया कि वैश्विक मंच पर भारत न्यूट्रल नहीं है। भारत हमेशा शान्ति का तरफदार रहा है। थोड़ा गहराई में जाएं तो पाएंगे कि इस तरह की यात्रायें, जितना राजनीतिक दिखायी पड़ती हैं, उससे कहीं ज्यादा कूटनीतिक और व्यापारिक होती हैं। इस यात्रा का भी लब्बोलुआब कूटनीति और व्यापार ही रहा है। यूक्रेन से हो रहे युद्ध में पश्चिमी देशों ने रूस पर तमाम तरह के व्यापारिक प्रतिबन्ध लगाकर उसे अलग-थलग और आर्थिक तौर पर कमजोर करने की कोशिश की है और अमेरिका तो रूस के लिए आग बबूला हुआ बैठा है।

ऐसे में रूस को अपना काम-धंधा चलाने और यूक्रेन से लड़ाई लड़ने की दो गम्भीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे कठिन समय में रूस के दो पुराने मित्र भारत और चीन ने निश्चित तौर पर उसे व्यापारिक सहारा दे रखा है। भारत आने से पहले मार्च 2024 में पुतिन ने चीन का भी राजकीय दौरा किया था। भारत और रूस के कई दशक पुराने द्विपक्षीय सम्बन्ध और समझौते रहे हैं। ध्यान रहे कि कोई भी रूसी राष्ट्रपति आज तक पाकिस्तान नहीं गया है। ऐसा लगता है कि वर्ष 1979 से 1989 के बीच अफगानिस्तान में रूसी दखल के समय पाकिस्तान ने अमेरिकी मदद खाकर रूस का जो विरोध किया था, उसको रूस अभी तक भूल नहीं पाया है। भारत और रूस की इस 23वीं शिखर बैठक में जो अहम समझौते किए गए हैं, उनमें एक-दूसरे से सहयोग के अलावा मेडिकल शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और उसके मानक, पर्यटन, पोलर शिप्स, मैरीटाइम कोऑपरेशन तथा रासायनिक उर्वरक आदि

देखना होगा कि वर्ष 2030 तक इस द्विपक्षीय व्यापार को लगभग 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने की जो योजना बनाई गई है, उसमें भारत का निर्यात कितना बढ़ता है।

बताये जा रहे हैं। असल में भारत रूसी सामानों और उत्पादों का बहुत बड़ा ग्राहक है। आप अनुमान लगा सकते हैं कि चालू वित्तीय वर्ष में भारत-रूस के बीच लगभग 68.7 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार हुआ है। इसमें चिन्ताजनक बात यह है कि रूस ने तो हमको 63.84 अरब डॉलर का सामान बेचा है लेकिन भारत से सिर्फ 05 अरब डॉलर का ही सामान खरीदा है! ऐसे में यह बहुत बड़ा व्यापार असंतुलन का विषय है। देखना होगा कि वर्ष 2030 तक इस द्विपक्षीय व्यापार को लगभग 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने की जो योजना बनाई गई है, उसमें भारत का निर्यात कितना बढ़ता है। भारत कृषि, दवा, उपभोक्ता सामान, कपड़ा तथा औद्योगिक सामाग्री का बड़े पैमाने पर रूस को निर्यात कर सकता है। अभी तो इस आपसी व्यापार में तसल्ली की बात यही कही जा सकती है कि रूस भारतीय मुद्रा में भी कुछ भुगतान स्वीकार करता है।

रूसी रक्षा उत्पादों का भारत बहुत पुराना और बड़ा ग्राहक है। इस बार भी रक्षा सम्बन्धी कुछ सौदे हुए हैं लेकिन यूक्रेन युद्ध के समय से ही रूस पर जो आर्थिक प्रतिबन्ध लगे हैं, उससे उसकी उत्पादन क्षमता और व्यवस्था प्रभावित हुई है और वह निश्चित समय पर अपने व्यापार करार पूरे नहीं कर पा रहा है। भारत को खासकर रूसी रक्षा सौदों के मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है कि आपूर्ति समय से हो सके। श्रमिकों के निर्बाध आवागमन की व्यवस्था बनाए जाने की बात कही गई है। इसमें अत्यन्त सावधान रहने की जररूरत है क्योंकि भारत से गए श्रमिकों को कथित तौर पर रूस में युद्ध के मैदान में लगा दिया गया था और अभी भी कुछ श्रमिक वहां फंसे बताये जा रहे हैं। भारत और रूस ने वर्ष 1971 में मित्रता और आपसी सहयोग को लेकर 20 वर्षों के लिए एक बड़ी शान्ति सन्धि की थी। यह रिश्ता आज तक चला आ रहा है। वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो भारत के लिए अमेरिका के मुकाबले रूस ज्यादा भरोसेमन्द है। अभी सम्पन्न 23वीं शिखर बैठक ने इस भरोसे को और आगे बढ़ाया है। हालांकि पुतिन के भारत आने से ऐन पहले ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस के भारत स्थित राजदूतों ने अंग्रेजी दैनिक में एक संयुक्त लेख लिखकर रूस-यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया था। इसके अलावा कई यूरोपियन देशों ने अपरोक्ष तौर पर भारत से आग्रह किया था कि वे रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए पुतिन पर दबाव बनाये। उधर अमेरिकी मीडिया और विश्लेषकों ने इस बैठक को इस भाव में लिया कि पुतिन यह दिखाना चाहते हैं कि पश्चिमी देशों द्वारा उनके देश पर लगाये गए आर्थिक प्रतिबन्धों और उसे अलग-थलग करने की कोशिशों का उन पर कोई असर नहीं पड़ा है। अभी यह देखना दिलचस्प होगा कि 'सैंक्शन्स किंग' ट्रम्प इसको किस निगाह से देख रहे हैं।

सेना की वर्दी पहने नजर आए सलमान खान

मुंबई। सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर चर्चाओं में हैं। लद्दाख में फिल्म की शूटिंग पूरी करने के बाद टीम ने मुंबई में भी अपना एक शेड्यूल पूरा कर लिया है। शूटिंग के दौरान सलमान की कुछ फोटोज भी सामने आई हैं। अब इन दिनों सलमान और चित्रांगदा की एक और तस्वीर शूटिंग से वायरल हो रही है। सोशल मीडिया पर सलमान खान और चित्रांगदा सिंह की एक तस्वीर वायरल है। यह तस्वीर 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग के सेट से ही है। इस तस्वीर में सलमान और चित्रांगदा दोनों ही भारतीय सेना की वर्दी में नजर आ रहे हैं।

लाइफ Style

सान्या

बनीं बेस्ट एक्ट्रेस, फेस्ट में मिला सम्मान

हाल ही में बॉलीवुड हंगामा ओटीटी इंडिया फेस्ट और इंडिया एंटरटेनमेंट अवॉर्ड्स का आयोजन हुआ था। इस इवेंट में ओटीटी और फिल्म जगत के कुछ बड़े नामों को सम्मानित किया गया। इस दौरान अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने फिल्म 'मिसेज' में बेस्ट एक्ट्रेस का खिताब जीता।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

खुशी जाहिर करते हुए अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनके साथ उन्होंने लिखा,"आपकी लड़की ने 'मिसेज' का खिताब जीत लिया। मैं आप सभी के प्यार की बहुत-बहुत आभारी हूं, जिसने हमारी फिल्मों पर प्यार बरसाया। फिल्म 'मिसेज' को इस तरह से अपनाने के लिए आप सभी का तहे दिल से धन्यवाद।" सान्या की इस पोस्ट पर फैंस और सेलेब्रिटीज की बधाइयों की बौछार हो रही है। अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने हार्ट इमोजी से प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री सान्या, जिन्होंने आमिर खान की फिल्म दंगल से अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2025 में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'मिसेज' ने दर्शकों में गहरी छाप छोड़ी थी। इसने मनोरंजन करने के साथ-साथ एक गहरा संदेश भी दिया था। फिल्म की कहानी शादी करके ससुराल पहुंची महिला के रोजमर्रा की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में दिखाया गया है कि ऋचा नाम की एक महिला अपने परिवार के साथ-साथ सपनों को भी पूरा करना चाहती है, लेकिन ससुराल में बने नियम-कानूनों के कारण वह सिर्फ घर के कामों में फंस जाती है। फिल्म के आखिर में वह इन बंधनों को तोड़कर अपने सपनों को पूरा करके जीवन की शुरुआत करती है।

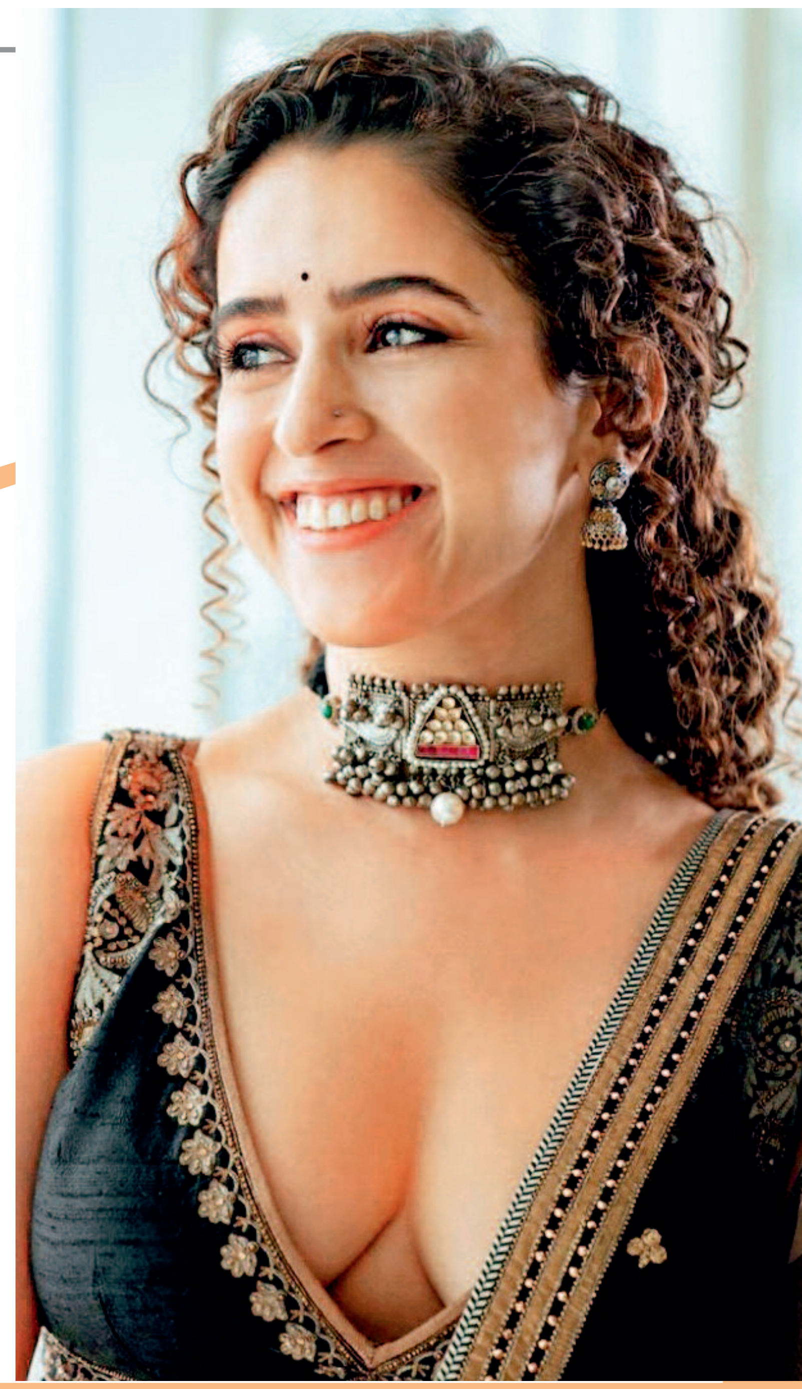

पुलकित ने किया चंकी के प्रति सम्मान जाहिर ...

मुंबई। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेता पुलकित सम्राट ने अपनी आगामी रिलीज फिल्म 'राहु केतु' के को-स्टार और अनुभवी अभिनेता चंकी पांडे के प्रति जिस तरह सम्मान जताते हुए सराहना के शब्द कहे, उससे पूरा माहौल भावनात्मक हो गया। अपने काम के प्रति चंकी पांडे के समर्पण और जुनून की बातें साझा करते हुए पुलकित ने कहा, "पहली नज़र में चंकी सर को सेट पर आकर सीन करते देखना केकवॉक जैसा लगता है, लेकिन सच तो यह है कि वो उस सीन को परफेक्ट बनाने के लिए इतनी मेहनत करते हैं कि हमें सामने खड़े होने में शर्म आने लगती है। यकीन मानिए उनकी मेहनत देखकर हम खुद पेन-पेपर लेकर बैठ जाते हैं कि और क्या किया जा सकता है।" सीनियर एक्टर चंकी पांडे के साथ अपनी पहली फिल्म का अनुभव साझा करते हुए पुलकित ने यह भी कहा कि उनके साथ हर दिन ऐसा लगता था जैसे वे किसी स्कूल या किसी यूनिवर्सिटी में आ गए हों और बस सीखते ही जा रहे हैं।

सारा-कृष ने हिंदू- मुस्लिम रीति-रिवाज से की शादी...

मुंबई। सारा खान और कृष पाठक ने इस साल अक्टूबर मे विशेष विवाह अधिनियम, 1954 के तहत कोर्ट मैरिज की थी। अब कपल ने रीति-रिवाज के साथ शादी रचाई है। सारा और कृष ने हिंदू और मुस्लिम दोनों रीति-रिवाज के साथ शादी की है। पहले कपल ने निकाह किया, फिर हिंदू रीति-रिवाज के साथ विवाह किया। शादी की खूबसूरत फोटोज कपल ने फैंस के साथ शेयर की हैं। सारा खान और कृष पाठक ने जीवन के नए अध्याय की शुरुआत की है। कोर्ट मैरिज के बाद कपल ने अब निकाह और विवाह करके एक-दूजे का हाथ थामा है। एक संयुक्त इंस्टाग्राम पोस्ट में शादी की तस्वीरें शेयर करते हुए कपल ने लिखा है, 'कुबूल है से सात फेरे तक..., हमारे प्यार ने अपनी खुद की एक स्क्रिप्ट लिखी है और हमारी दोनों दुनियाओं ने कहा-हां'। बता दें कि कृष पाठक अभिनेता सुनील लहरी के बेटे हैं। सुनील लहरी को 1980 के दशक के लोकप्रिय टेलीविजन धारावाहिक 'रामायण' में लक्ष्मण की भूमिका के लिए जाना जाता है। अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए, कृष पाठक ने अभिनय में कदम रखा। उन्होंने 'पीओडब्ल्यू- बंदी युद्ध के' और 'ये झुकी झुकी सी नजर' जैसे धारावाहिकों में अभिनय किया।

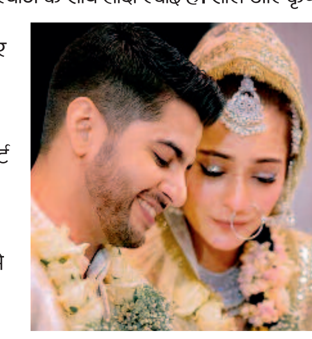

प्रियंका ने जाह्नवी के संदेश का किया समर्थन

मुंबई। प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में 'वी द विमेन' मंच से जाह्नवी कपूर का प्रभावशाली वीडियो शेयर कर उनके विचारों को खुलकर सराहा। इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस क्लिप को री-पोस्ट करते हुए प्रियंका ने लिखा, "बातचीत से शुरुआत होती है, तो मैं भी शामिल होती हूं। प्रियंका ने जाह्नवी के बेबाक और सच्चे विचारों की जमकर तारीफ की। यह वीडियो बरखा दत्त के प्रमुख प्लेटफ़ॉर्म 'वी द विमेन' का है, जो देशभर की महिलाओं की आवाज, उनकी पहचान, महत्वाकांक्षाओं और सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों पर खुलकर चर्चा करने के लिए जाना जाता है। क्लिप में जाह्नवी कपूर बेहद साफगोई से स्त्रीत्व, समाज की अपेक्षाओं और "समानता" के असली मायनों पर बात करती दिखाई देती हैं। वह बताती हैं कि महिलाओं के अनुभवों को समझना और स्वीकारना कितना जरूरी है, बजाय इसके कि समानता को सिर्फ एक सतही अवधारणा तक सीमित कर दिया जाए। पीले रंग के आकर्षक आउटफिट में नजर आ रहीं जाह्नवी के स्पष्ट और आत्मविश्वास से भरे विचार दर्शकों के साथ गहराई से जुड़े और इन्हीं विचारों ने प्रियंका चोपड़ा को उन्हें अपने प्लेटफ़ॉर्म पर साझा करने के लिए प्रेरित किया।

वार्नर ब्रदर्स... खरीदने की घोषणा

न्यूयॉर्क। हॉलीवुड के सबसे जाने-माने स्टूडियोज में से एक, वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी को नेटफ्लिक्स ने खरीदने की घोषणा कर दी है। नेटफ्लिक्स के इस कदम ने मनोरंजन जगत में खलबली मचा दी है, क्योंकि वार्नर ब्रदर्स अपने आप में बड़ा नाम है और अब नेटफ्लिक्स के साथ मिलकर काम करने से दर्शकों को और अच्छा कंटेंट देखने को मिल सकेगा। नेटफ्लिक्स ने लगभग 82.7 अरब डॉलर की डील के साथ वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी (डब्ल्यूबीडी) को खरीदा है। ये दोनों कंपनियां मिलकर वैश्विक स्तर पर मनोरंजन जगत की बड़ी कंपनी बनकर उभरेंगी। हालांकि इस विलय को अमेरिकी सरकार के एंटी-ट्रस्ट नियामकों की मंजूरी की जरूरत होगी। डब्ल्यूबीडी के सीईओ डेविड जस्लाव ने कहा, "नेटफ्लिक्स के साथ मिलकर हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आने वाली पीढ़ियों तक दुनिया भर के लोग दुनिया की सबसे प्रभावशाली कहानियों का मजा लें।

डकैत के किरदार में डूब गए अक्षय...

मुंबई। फिल्म धुरंधर में अक्षय खन्ना ने लयारी के माफिया रहमान डकैत का रोल अदा किया है। उन्होंने इस किरदार को इतनी खूबसूरत से निभाया है कि एक पल के लिए दर्शक भूल ही जाते हैं मानो ये अक्षय खन्ना हैं। साथ ही उनका लुक भी दमदार है। इस फिल्म में अक्षय खन्ना की अदाकारी का ही कमाल है कि फिलहाल सोशल मीडिया पर उनके नाम की चर्चा हो रही है और उन्हें खूब सर्च किया जा रहा है। इस साल फरवरी में रिलीज हुई विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' में अक्षय खन्ना ने औरंगजेब का रोल निभाकर तारीफें लूटी थीं। मगर, वह तो सिर्फ झांकी थी, असली रंग तो उन्होंने 'धुरंधर' में जमाया है। फिल्म में उन्हें स्क्रीन स्पेस भी काफी अच्छा मिला है, तो वे खूब लाइमलाइट लूट ले गए हैं। आलम ये हो गया है कि अक्षय दर्शकों की फेवरेट लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

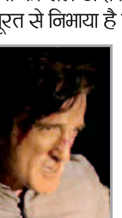

तू मेरी मैं तेरा का गाना हम दोनों रिलीज

मुंबई। फिल्म के हाई-एनर्जी पार्टी एंथम के बाद अब सारेगामा, धर्मा प्रोडक्शंस और नमाह पिक्चर्स के साथ मिलकर दर्शकों को एक दिल छू लेने वाला, चुलबुला और रोमांटिक ट्रैक 'हम दोनों' तोहफे में दे रहा है। पार्टी के शोर-शराबे से दूर, यह गाना रे और रूमी की मासूम, शरारती और सोलफुल केमिस्ट्री को खूबसूरती से दिखाता है। ये गाना दो दिलों के करीब आने की कहानी को इतने प्यारे तरीके से पेश करता है कि ये हर मॉडर्न लेकिन दिल से ओल्ड स्कूल आशिक की प्लेलिस्ट में शामिल होने वाला है। इस गाने को अपनी जादुई आवाज़ दी है शेखर, विशाल ददलानी और श्रुति पाठक ने, जबकि इसका संगीत तैयार किया है सुपरहिट जोड़ी विशाल और शेखर ने। प्यार में डूबी इन लाइनों को लिखा है अन्विता दत्त ने और स्क्रीन पर इस खूबसूरत केमिस्ट्री को सजाया है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- निविदा कार्य कंप्यूटर ऑपरेटर 3 15000 सुरक्षा गार्ड 56 वेतन 10000, 13000/- योग्यतानुसार (आवास फ्री) **संपर्क:-** ALERT SGS PRIVATE LIMITED, FF-6 **जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर,** 7747000019, 7747000016, 7746000016, 7746000019. (RO-348)

नर्सिंग स्टफ/वार्ड बाय

आवश्यकता है- हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित व अनुभवी नर्सिंग स्टाफ, व वार्ड बाय एवं सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है। **संपर्क करें- श्री कृष्ण हॉस्पिटल मेन रोड न्यू राजेंद्र नगर रायपुर छत्तीसगढ़** 9691631006, 9617952445, 9926115911.(RO-6589)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में कार्य हेतु लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार- **आशीष शुभम मेडिकोज, 41 छत्तीसगढ़ दवा बाजार, राजबंधा मैदान, रायपुर फोन** 8103981038.(RO-401)

ड्रायक्लीन कार्य

आवश्यकता है- लॉन्ड्री में ड्राइक्लीन/ धुलाई एवं प्रेस कार्य करने हेतु लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन 10,000 से शुरू एवं योग्यतानुसार (अनुभवी को प्राथमिकता) । **संपर्क -** 94060 -42310.(RO-0092)

हरिभूमि

होल शॉप वर्क

आवश्यकता है- आटो एसेसरीज होल शॉप में कार्य हेतु लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। **संपर्क - श्री राम आटो एम.जी. रोड रायपुर:-** 9300627327. (RO-6590)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य एवं टेलीकॉलिंग हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है उम्र 18-28, वेतन 10,000/- +कमीशन +बोनस, ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15-20 हजार प्रतिमाह, रहना फ्री **संपर्क:-** 7870192397, 7796880121.(RO-385)

आवश्यकता है- शहर से बाहर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 तक अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है , योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन -12000 रहना खाना फ्री , ट्रेनिंग के बाद कमाए 20 से 25 हजार महीना 8871422576, 9981576163 (Ro-515)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- रायपुर, शंकर नगर vip वी आई पी कॉलोनी में घरेलू काम, झाड़ू पोंछा, चौका, बर्तन तथा साफ सफाई के लिए महिला कर्मी की आवश्कता है, **संपर्क करें** 94252 05358, 9424205358.(RO-19)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- Sales मैन की सैलरी, 10000/- एवं सेल्स गर्ल की, 7500/- होलसेल बैग दुकान में हरिओम प्लास्टिक कपड़ा **मार्केट पंडरी गेट नं 8 के सामने रायपुर समय मिलने का 11 से 02 मो.** 7440784646.(RO-103)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

गोडाऊन कार्य

आवश्यकता है- मेंटल पार्क के पास पाईप गोडाउन म कार्य करने हेतु 3 परिवार वालों की आवश्यकता है। बिजली पानी एवमआवास सुविधा उप्लब्ध **संपर्क करें:-** 9340052647, 9229226552. (RO-1712)

ड्रायवर

आवश्यकता है- एक्सपर्ट कार ड्राइवर चाहिये शासकीय सेवानिवृत्त को प्राथमिकता, वेतन आपसी सहमति से - **सम्पर्क करें- सुबह शाम 8 से 9 मो** 7898132122. (RO-6588)

आवश्यकता है- मंदिर हसौद स्थित फैक्ट्री में रात में अशोक लिलैंड / आयशर (Ashok Leyland /Eicher) गाडी चलाने हेतु एक ड्राईवर की आवश्यकता है। वेतन 25000/- **संपर्क- क्लासिक स्पार्कलर्स, फाफाडीह चौक, रायपुर, मो.-** 9098092313.(RO-788)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- पंडरी स्थित मैंस वेयर क्लॉथ/एथनिक शोरूम में काम करने हेतु 3 सेल्समैन, 3 हेल्पर, 1 कंप्यूटर ऑपरेटर एवं ट्रायल लेने हेतु मास्टर की आवश्यकता है । सैलरी+इनसेंटिव, **संपर्क** 9039709007, 11:30 **से 9 बजे तक** (RO-7388)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- होटल कार्य (महिला/ पुरुष) पोस्ट - कुक/ शेफ, किचन स्टाफ, सुपरवाइजर, मैनेजर , रिसेप्शनिस्ट, सफाई कर्मचारी, वेटर,कप्तान .जानकार को प्राथमिकता। **संपर्क -होटल अपना केशरी ,होटल शिव- प्रभा , पावर हाऊस भिलाई, मो.-** 98932-15251,89669-81590.(आरो न.-694)

हरिभूमि क्लासीफाईड

चौकीदार

आवश्यकता है- बहानाकाडी मंदिर हसौद पोल फैक्ट्री में चौकीदार कि आवश्यकता हैं, जो फैक्ट्री में रहकर कार्य कर सके **संपर्क करें मों.-** 8827150000. (RO-6585)

कुक

आवश्यकता है- टिफिन सेंटर में रोटी बनाने/ काम करने के लिए महिला की आवश्यकता है अनुभवी ही **संपर्क करें अमलीडीह रायपुर** 7470308181, 9826162764.(RO-101)

टेक्नीशियन

आवश्यकता है- यूरेका फॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु टेलीकॉलर- 2, ऑफिस असिस्टेंट- 02, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव- 4, सर्विस टेक्नीशियन- 2, ऑफिस बॉय- 1 **संपर्क करे:- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर मोबाइल नंबर:-** 9826652461.(RO-406)

वेटर/हेल्पर

आवश्यकता है- रेस्टोरेन्ट में तन्दूर रोटी कारीगर, मार्केटिंग स्टोर हेतु युवक (स्वयं का वाहन अनिवार्य) वेटर, हेल्पर लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है खाना रहना फ्री सम्पर्क करें - **मुर्ग मसल्लम रेस्टोरेन्ट बिलासपुर** 7879121999. (RO-39318)

हेल्पर

आवश्यकता है- बिस्कुट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़कों की आवश्यकता है। रूम, बिजली की सुविधा फ्री। **पता बंजारी मन्दिर के पास रावाभाटा रायपुर** 7828735534.(RO-39331)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता

आवश्यकता है- शुअवसर 3000/- से 5000/- घर बैठे कमाएं। कच्चा माल हमसे लेकर तैयार माल दे। **संपर्क करें-** 9977376616 **पता- गोल्डन मार्बल के पीछे लक्ष्मी नगर, पचपेड़ी नाका के पास रिंग रोड़ नंबर-1, रायपुर**(RO-6587)

अन्य

आवश्यकता है- सुनहरा अवसर नौकरी परमानेंट बेसिस पर सीधी पक्की भर्ती, 6230 सीट ,पद - वनरक्षक, क्लर्क, वनपाल, चपरासी, वनरेंजर,सैलरी - (28500-38500/-) (10वी- 12वी पास) लड़के लड़कियां आवेदन के लिए- आधारकार्ड, पासपोर्ट फोटो, मार्कशीट, व्हाट्सएप / **कॉल करें** - 9685327774.(RO-1254)

आवश्यकता है- पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो **संपर्क करें** 8092366306, 9631470837.(RO-757)

Property प्रापर्टी

मकान

बेचना है- अमलीडीह सेंट जोसेफ स्कूल रोड पर ईस्ट फेसिंग 1060 वर्गफीट प्लॉट एरिया में सर्वसुविधायुक्त 3 BHK डुप्लेक्स मकान 2000 वर्गफीट कंस्ट्रक्शन (पानी बोर सहित) अतिशीघ्र बेचना है **संपर्क करें मोबाइल नंबर:-** 9301690016.(RO-401)

For Rent किराया

लीज पर मकान चाहिए- Play School हेतू 3-4 कमरे का स्वतंत्र मकान रिंगरोड-1 के आसपास 5-10 बर्षों के लिये लीज पर चाहिए। **संपर्क** - 8435740320, 8839031319.(RO-A)

Finance फायनेंस

फाइनेंस -विजया फाइनेंस कंपनी द्वारा सभी प्रकार के लोन आधारकार्ड लोन, बिजनेस, पर्सनल, होम, कृषि, महिला ग्रुप लोन, 40% छूट, आसानी से घर बैठे लोन, 2% ब्याज दर पर **संपर्क:-** 7750826959, 9424164185.(RO-409)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए

बंगाली कायस्थ 33 वर्ष, हाइट 5'-7" एक प्रतिष्ठित कम्पनी (कोका कोला) नागपुर में कार्यरत हेतु सुयोग्य सुन्दर शिक्षित बंगाली कायस्थ वधु चाहिए

-:सम्पर्क करें:-
9530167919
9826413593
9165762781
9755413048

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

RAIPUR Smart BUSINESS
GST रजिस्ट्रेशन नम्बर बनवाएं मात्र 3 दिन में
5 साल पुरानी ITR फाइल बनवाएं मात्र 5000/- में (व्हाट्सएप पर बनवाएं)
www.onlytds.com
GST-Return
प्रोजेक्ट रिपोर्ट
TDS रिफंड
CMA DATA
MSME रजिस्ट्रेशन
Food लाइसेंस
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

Healthcare
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

आज की हाईटेक दुनिया में मानवाधिकार, सिर्फ संविधान तक सीमित नहीं हैं। आपकी ऑनलाइन आदतों, व्यवहार और दूसरों के अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता में भी यह प्रकट होता है। यहां बताई जा रही आदतों को अपनाने वाला कोई भी व्यक्ति न सिर्फ डिजिटल वर्ल्ड में खुद को सुरक्षित रख सकता है बल्कि दूसरों के मानवाधिकारों की रक्षा करने में योगदान भी कर सकता है।

डिजिटल वर्ल्ड में भी जरूरी है मानवाधिकारों के प्रति सजगता

कवर स्टोरी

लोकमित्र गौतम

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हाई-स्पीड इंटरनेट और 24X7 स्क्रीन-लाइफ के इस दौर में मानवाधिकारों की परिभाषा वह नहीं रही, जो बीसवीं सदी के मध्य या उत्तरार्द्ध में हुआ करती थी। जीवन जीने की नई चुनौतियों के बीच, जीवन के अधिकारों की जमीन भी बदल रही है। साथ ही सार्वभौम मानवाधिकारों की परिभाषा भी बहुत तेजी से बदल रही है। आज मानवाधिकारों के दायरे में सिर्फ आपकी सदेह उपस्थिति ही नहीं रही, बल्कि डिजिटल उपस्थिति, ऑनलाइन व्यवहार और टेक्नोलॉजी के प्रयोग भी आ गए हैं। आज की युवा पीढ़ी इंटरनेट, डिजिटल जीवनशैली और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल के बीच बड़ी हुई पीढ़ी है। इसलिए उसके अधिकारों और जिम्मेदारियों का दायरा भी इन सभी आयामों से जुड़ता है। डिजिटल दुनिया की संवेदना का सम्मान किए बिना आज मानवाधिकारों की चर्चा पूरी नहीं हो सकती, क्योंकि आज इंसान के जीवन का एक बड़ा हिस्सा डिजिटलाइज हो चुका है। इसलिए इस जीवन की हिफाजत, उसका सम्मान और उसकी संवेदनशीलता का ख्याल रखना भी आज का मानवाधिकार है।

महत्वपूर्ण है डिजिटल प्राइवेसी: डिजिटल स्पेस में प्राइवेसी का अर्थ सिर्फ 'सीक्रेट' रखना नहीं है बल्कि अपनी पहचान, आदतों और भावनाओं को सुरक्षित रखना भी है। हर मोबाइल एप आज आपके व्यवहार पर गहरी नजर रखता है और आपकी एक डिजिटल कुंडली बनाता है। उसे आपकी लोकेशन से लेकर आपकी हार्टबीट तक पता होती है। ऐसे में एक जागरूक युवा वही है, जो हर अनुमति को ध्यान से पढ़ता है, अपनी डिजिटल दुनिया के दरवाजों का मजबूत पासवर्ड रखता है, टू-फैक्टर सुरक्षा अपनाता है और अपनी निजी जानकारियां केवल जरूरी और सुरक्षित मंचों पर ही साझा करता है। लब्बोलुआब यह कि जो युवा अपनी प्राइवेसी की कीमत समझता है, वही दूसरों की प्राइवेसी का अर्थ भी जानता है। इसलिए मानवाधिकारों के प्रति सजग बनना है तो डिजिटल प्राइवेसी का सम्मान करना और इसे खुद भी सीखना जरूरी है।

साइबर बुलिंग का विरोध: स्मार्टफोन के दो क्लिक किसी की मानसिक शांति छीन सकते हैं। बॉडी-शेमिंग, ट्रोलिंग, मीम के नाम पर अपमान- ये सब मनोरंजन नहीं है बल्कि डिजिटल हिंसा है। एक संवेदनशील और मानवाधिकारों के लिए सजग युवा वही है, जो ऐसी हरकतों पर चुप नहीं रहता। 'रिपोर्ट' करता है, 'ब्लॉक' करता है और पीड़ित को 'सपोर्ट' करता है। ये तीन शब्द आज की सामाजिक जिम्मेदारी हैं। किसी की मानसिक भलाई भी एक मानवाधिकार है और इस भलाई को करना हर युवा के डिजिटल नागरिक होने का कर्तव्य भी है। इसलिए मानवाधिकारों का चैंपियन बनने के लिए इन सब हरकतों को लेकर चुप नहीं रहना चाहिए।

ऑनलाइन वित्तीय सुरक्षा का अधिकार

यूपीआई, वॉलेट पेमेंट और ऑनलाइन शॉपिंग ने सुविधा बढ़ाई है, लेकिन जोखिम भी बढ़ाया है। डिजिटल धोखाधड़ी सिर्फ पैसों का नुकसान नहीं बल्कि मानसिक और सामाजिक क्षति भी है। इस मामले में आप अपने मानवाधिकारों को तभी तक सुरक्षित रख सकते हैं, जब तक अजनबियों को ओटीपी, पिन, पासवर्ड नहीं बताते, संदिग्ध लिंक नहीं खोलते, क्यूआर कोड बिना सोचे नहीं स्कैन करते। वित्तीय सुरक्षा, आधुनिक मानवाधिकारों में सीधे इस सोच से जुड़ी है कि आर्थिक स्वाभिमान भी एक अधिकार है।

कुछ भी शेयर करने से पहले: किसी की फोटो, चैट, स्क्रीनशॉट या किसी की वीडियो को फटाफट पब्लिक फ्रंट पर साझा करने से पहले न केवल कई बार सोचें बल्कि जिनसे सीधे उसका रिश्ता है, अनिवार्य रूप से उसकी सहमति भी लें। अगर सहमति मिलती है, तभी सार्वजनिक दुनिया में प्राइवेसी के इन खास पलों को साझा करें। अगर ऐसा नहीं करते तो इससे साबित होगा कि आप डिजिटल दुनिया में न तो सामान्य शिष्टाचार का पालन करते हैं और न ही लोगों के प्रति संवेदनशील हैं। क्योंकि जो खिलवाड़ आप हंसी खेल में कर देंगे, वो किसी के लिए अभिशाप भी बन सकता है। आज की युवा पीढ़ी के लिए 'कंसेंट कल्चर' सिर्फ भौतिक रिश्तों में ही नहीं बल्कि डिजिटल स्पेस में भी जरूरी है। दूसरों की अनुमति का सम्मान करना डिजिटल नैतिकता का आधार है।

फेक न्यूज-हेट स्पीच से दूरी: डिजिटल वर्ल्ड में मानवाधिकारों के प्रति अगर आप सजग हैं तो न सिर्फ फेक न्यूज और हेट स्पीच से दूर रहना जरूरी है बल्कि उन्हें हर संभव तरीके से रोकना भी जरूरी है। एक जागरूक डिजिटल यूजर को इसे भी अपनी 'नेट नागरिकता' की जिम्मेदारी और मानवाधिकार मानना चाहिए, क्योंकि भ्रामक खबरें अब खतरनाक हथियार बन चुकी हैं। एक एडिटेड वीडियो, एक गलत जानकारी पूरे समुदाय को तनाव में ला सकता है, अराजकता फैला सकता है। अतः जिम्मेदार और डिजिटल युग में मानवाधिकार के प्रति सजग वही है, जो किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता जांचे। याद रखिए हेट स्पीच 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' नहीं है बल्कि यह स्वतंत्रता के नाम पर दूसरे के अधिकारों पर आक्रमण है। इसे रोकना डिजिटल समाज को सुरक्षित बनाए रखने का सबसे महत्वपूर्ण कदम है।

डेटा उपयोग को जानने का अधिकार: आज आपके सोशल मीडिया फीड में क्या दिखेगा, यह आपकी पसंद से ज्यादा एल्गोरिद्म तय करता है। एआई आपकी आदतों का विश्लेषण करता है और आपके निर्णयों को प्रभावित करता है। हर डिजिटल सजग युवा को यह जानने का अधिकार है कि उसका डेटा कैसे उपयोग हो रहा है? इसके प्रति सजग और संवदनेशील बने रहना जरूरी है।

मानसिक स्वास्थ्य का मानवाधिकार: डूम-स्क्रॉलिंग, लाइक्स पर निर्भरता, दूसरों की तुलना में आत्म-मूल्य घटाना, ये नई डिजिटल बीमारियां हैं। मानसिक स्वास्थ्य भी मानवाधिकार है और उसकी रक्षा आपको स्वयं करनी होती है। स्क्रीन टाइम सीमित करना, डिजिटल डिटॉक्स, सकारात्मक सामग्री चुनना और जरूरत पड़ने पर सहायता मांगना, आपको मजबूत और संतुलित बनाता है। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही अपने अधिकारों के लिए सजग रह सकता है।

डिजिटल फुट प्रिंट की समझ: इस बात को याद रखिए कि इंटरनेट कुछ भूलता नहीं। सोशल मीडिया पर डाला गया हर शब्द, हमेशा के लिए दर्ज हो जाता है। अपने या अपने दोस्त के प्रति एक लापरवाही, करियर, रिश्तों या छवि पर भारी पड़ सकती है। इसलिए हर पोस्ट से पहले सोचना जरूरी है कि क्या ये भविष्य में मुझे या मेरे जैसे किसी और को चोट तो नहीं पहुंचाएगी? डिजिटल फुट प्रिंट का ध्यान रखना एक समझदार, संवेदनशील और भविष्य-दृष्टि वाला डिजिटल सिटिजन बनने का सबसे आसान तरीका है।

स्वतंत्र अभिव्यक्ति का अधिकार: सभ्य संवाद ही आधुनिक अधिकार संस्कृति है। ऑनलाइन बोलने का साहस अच्छा है, लेकिन उसमें संवेदनशीलता, तर्क और शिष्टता भी होनी चाहिए। मतभेद स्वाभाविक हैं पर अपमानजनक भाषा मानवाधिकार मूल्यों को तोड़ती है। एक परिपक्व व्यक्ति वही है, जो अपनी राय साफ रखता है, लेकिन किसी की गरिमा को चोट नहीं पहुंचाता। *

स्वास्थ्य मात्र सुविधा ही नहीं हम सभी का है अधिकार

कोई भी देश-समाज तब तक प्रगति नहीं कर सकता, खुश नहीं रह सकता, जब तक वहां के लोग स्वस्थ नहीं रहते। इसीलिए लोगों और सरकारों को इस दिशा में अवेयर करने के लिए ही 12 दिसंबर को यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे मनाया जाता है। इस बारे में सभी को पता होना चाहिए।

अवेयरनेस

डॉ. माजिद अलीम

हर साल 12 दिसंबर को दुनिया भर में मनाया जाने वाला यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे, हमें यह याद दिलाता है कि स्वस्थ जीवन का हक, किसी खास वर्ग या आर्थिक स्थिति से नहीं जुड़ा। अस्पताल, दवा, इलाज, टेस्ट, मानसिक स्वास्थ्य- ये सब उपलब्धता का मुद्दा नहीं बल्कि धरती के हर नागरिक का अधिकार हैं।

यह दिन मनाने का मकसद: इस दिन का वास्तव में असली मकसद यही है कि आम लोग अपने नागरिक अधिकार समझें, क्योंकि बीमार होना कभी किसी की गलती नहीं होती, पर इलाज न मिलना व्यवस्था की गलती होती है। यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे, दुनियाभर की सरकारों, नीति-निर्माताओं और नागरिकों को यह संदेश देता है कि स्वास्थ्य पर किया गया निवेश सिर्फ लोगों को मजबूत नहीं बनाता बल्कि पूरे समाज और अर्थव्यवस्था को सुरक्षित और समृद्ध करता है। जब हर व्यक्ति बिना आर्थिक मदद के डॉक्टर तक पहुंच सके, तभी सही अर्थों में, 'हेल्थ फॉर ऑल' जैसा नारा सच होगा।

ऐसे हुई इस दिन की शुरुआत: जहां तक यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे की शुरुआत और इसके मनाए जाने की वजह का सवाल है तो संयुक्त राष्ट्र से आधिकारिक मान्यता इस विशेष दिन के लिए 2017 में मिली। जब दिसंबर 2017 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पास करके 12 दिसंबर को आधिकारिक रूप से यूएचसी डे (यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे) घोषित किया। यह पहल वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों, नागरिक समाज और विभिन्न देशों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम थी। हालांकि ये 2017 में संभव हुआ, लेकिन इसकी जड़ें 2012 से जुड़ी हैं, जब इसी 12 दिसंबर को यूएन ने यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज पर पहली बार ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया था। इस दिन को ही बाद में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस के रूप में चुना गया।

कई तरह के होते हैं आयोजन: जहां तक देश और दुनिया में इस विशेष दिन को मनाए जाने के तरीके का सवाल है तो दुनिया के अलग-अलग देश और संस्थाएं इस दिन को कई तरीकों से सेलिब्रेट करती हैं। स्वास्थ्य मंत्रालयों और विभिन्न एनजीओं द्वारा सोशल मीडिया कैंपेन, 'हेल्थ फॉर ऑल', 'यूएचसी डे' जैसे हैश टैग के साथ मनाया जाता है। इस दिन अनेक डिजिटल पोस्टर, वीडियो और जनसंदेश स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ाने के उद्देश्य से जारी किए जाते हैं। कई जगहों पर स्वास्थ्य शिविर और मुफ्त जांच कार्यक्रम चलते हैं। रक्तदान शिविर, टीकाकरण जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग कैंपेन और निःशुल्क स्वास्थ्य जांच अभियान चलाए जाते हैं।

स्कूल कॉलेज में इस दिन छात्रों के लिए कई तरह की वर्कशॉप लगती हैं। हेल्थ अवेयरनेस रैली निकलती है। निबंध, पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिताएं होती हैं तथा मीडिया कवरेज भी इस अवसर को खास तव्वजो देती है। विभिन्न टीवी चैनल और पत्रिकाएं इस दिन के लिए विशेष कार्यक्रम बनाते हैं।

कोविड काल से बढ़ी महत्ता: साल 2019-20 में कोविड महामारी के दौरान इस खास दिन के लिए दुनिया भर में सजगता बढ़ी है, क्योंकि कोविड ने दिखा दिया कि असमान स्वास्थ्य ढांचा सिर्फ उस देश के लिए ही जोखिम भरा नहीं है, जहां ये होता है बल्कि पूरी दुनिया को खतरे में डाल सकता है। इसलिए इस दिन देशों को यह याद दिलाया जाता है कि स्वास्थ्य में निवेश करना, आर्थिक और सामाजिक स्थिरता की आधारशिला है। दुनिया में हर साल करीब 10 करोड़ लोग स्वास्थ्य खर्च के चलते गरीबी रेखा से घिर जाते हैं, जबकि सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस की यह धारणा ही है कि स्वास्थ्य लोगों की जेब पर भारी पड़ने वाली चीज नहीं है बल्कि सरकारों की अपनी जनता के लिए बुनियादी जिम्मेदारी है।

सामाजिक जिम्मेदारी है अच्छी हेल्थ: आधुनिक जीवनशैली, बढ़ता स्क्रीन टाइम, तनाव और फास्ट फूड की ललक के चलते दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवाओं का मानव विस्फोट हो गया है। ऐसे में स्वास्थ्य को लेकर हर तरफ खतरा और डर महसूस होता है, जिसके कारण अरबों, खरबों डॉलर के हर साल व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा लोगों द्वारा लिए जाते हैं। उस सबके बीच यूएचसी डे का कुछ अलग ही महत्व निकलकर आता है कि स्वास्थ्य, व्यक्तिगत समस्या नहीं है, यह सामाजिक जिम्मेदारी है। *

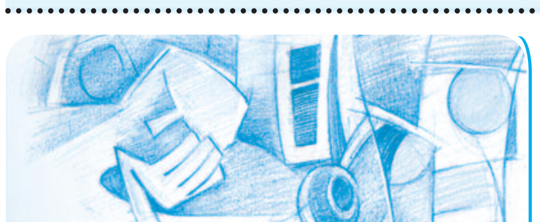

नवगीत

घमंडीलाल अग्रवाल

सुख हो गया लघुकथा जैसा

सुख हो गया लघुकथा जैसा
उपन्यास-सा दुख!
पसर गईं हैं मन में आकर
ऐसे इच्छाएं,
वर्षा के मौसम में नभ पर
जैसे घन छाएं।
पढ़े न कोई उर की पोथी
देखें सब आमुख।
भौतिकता की चकाचौंध ने
हमको भरमाया,
आमदनी आठ आने, खर्चा
है रुपया पाया।
उलझन ने खोले सुरसा-से
बड़े-बड़े अब मुख।
माया के चक्कर में काया
हुई सूख कांटा,
परेशानियां सांझ-सकारे
मार रहीं चांटा।
फिर भी खाई में गिरने का
अपनाया है रुख।
हवा भरे गुब्बारों जैसे
लोग नजर आते,
घड़ी दो घड़ी साथ निभाकर
पिचक बाद जाते।
बांह न कोई गहे उम्र भर
कब बैठे सम्मुख।

लघुकथाएं

दीवारें भी कुछ कहती हैं

बाबूजी ने अपने पुराने घर का रेनोवेशन करवाया था। पूरा घर चमकने लगा था। दरवाजों पर सुंदर कलर के पेंट, दीवारों पर नई डिजाइन की कलाकारी, नया पेंट, पुट्टी सब कुछ बहुत सुंदर दिख रहा था। यह सब देखकर ससुराल से आई बेटी रानू बहुत खुश हो रही थी। वो घर के अंदर गई तो देखकर दंग रह गई। मुख्य द्वार पर पीले, लाल हाथों के निशान ज्यों के त्यों थे। बैठक में दीवारों पर रंग-बिरंगी आड़ी-तिरछी रेखाएं मुंह चिढ़ा रही थीं। और तो और जीने की दीवारों पर तेल भरे हाथों के धब्बे दिखाई दे रहे थे। इन सभी जगहों को छोड़कर बाकी दीवारों पर लिपाई-पुताई कर दी गई थी। यह सब देखकर हैरान-सी रानू ने अपने पिता से पूछा, 'बाबूजी, यह सब क्या है? आपने इन दीवारों पर इन गंदे दाग-धब्बों पर पेंट क्यों नहीं करवाया? ऐसे इन्हें क्यों छोड़ दिया? देखो ये कितने बदरंग दिख रहे हैं।'

बाबूजी मुस्कुराते हुए बोले, 'बेटा, यह बदरंग धब्बे-दाग नहीं, यह रिश्तों के प्रेम के खुशरंग निशानी हैं। ये देखो, यह लाल, पीले हाथों के छाप। यह तेरी बुआ के हाथों के छाप हैं, जब वह ससुराल गई थी। ये लाल निशान तेरे हाथों के हैं, जब तू ससुराल गई थी। ये आड़ी-तिरछी रेखाएं तुम सब नन्हे-मुन्ने बच्चों की हैं, जब तुम शरारत करते थे। यह जीने पर तेल के दाग तुम्हारे पूज्य दादा जी के हैं, जब-तब वे जीने पर इन दीवारों के सहारा लेकर चढ़ते थे। आज वे नहीं रहे, पर ये निशानियां हैं, जो मुझे हमारे पुराने दिनों की याद दिलाते हैं। ये दीवारें भी कुछ कहती हैं हमसे, तुम भी सुनो।' बाबूजी की बात सुनकर रानू पुरानी यादों में खो गई। *

- शैल चंद्रा

सीमा

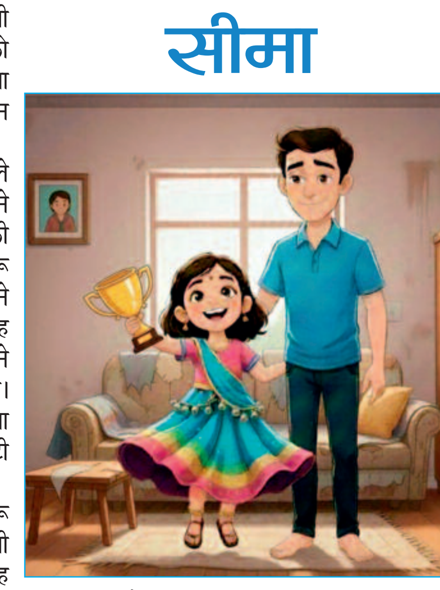

आज डमरू अपनी बिटिया विनी को बाजार में ड्रेस दिलाने लाया था। एक फ्रॉक की दुकान पर दोनों रुक गए।

'पापा..पापा.. ये फ्रॉक ले लो ना.. ये वाली..।' विनी ने मचलते हुए एक फ्रॉक की तरफ इशारा किया। डमरू का दिल धक-धक करने लगा। स्लेटी रंग की वह फ्रॉक सिल्क की थी। उसने सोचा काफी महंगी होगी। डमरू को समझ नहीं आ रहा था, छह साल की बेटी को कैसे बहलाए।

गर्दन घुमाते हुए डमरू को एक रंगीन लेकिन सस्ती सी फ्रॉक दिखाई दी। वह बोला, 'आहा! यह देखो विनी, इसमें झालर है, घुंघरू भी लगे हैं, इसे ले लो बेटा।'

रंग की चकाचौंध में विनी बहल गई। उसने वही फ्रॉक ले ली। सूती कपड़े की रंगीन फ्रॉक पहनकर अगले दिन विनी स्कूल गई। वहां स्कूल फंक्शन में विनी ने कविता प्रतियोगिता में प्यारी सी एक कविता सुनाई। उसे प्रथम पुरस्कार मिला। विनी की खुशी दोगुनी हो गई।

घर आकर चहकते हुए उसने बताया, 'पापा, इसी प्यारी फ्रॉक की वजह से मिल गया पहला ईनाम।' विनी खुशी से अपनी ट्रॉफी चूम रही थी। डमरू को पिछले साल का वह वाकया याद आया, जब एक मिठाई की दुकान पर काजू कतली को देखकर विनी मचल गई थी, उसे यह मिठाई खानी है। डमरू ने दूसरी तरफ उसे बहलाते हुए रंगीन पेठा दिखाया। मासूम विनी वही रंगीन रसीला पेठा खाकर खुश हो गई थी। कल भी डमरू ने वही किया। विनी तो छोटी बच्ची है, अबोध। लेकिन डमरू मजबूर है, उसे अपनी सीमा का आभास है, वह अपनी चादर से बाहर पैर नहीं फैला सकता। *

-पूनम पांडे

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

स्मृतियों की बस्ती

हाल में वरिष्ठ कथाकार अब्दुल बिस्मिल्लाह द्वारा लिखे गए संस्मरणों की किताब 'स्मृतियों की बस्ती' छपकर आई है। इसमें कुल सोलह संस्मरण संकलित हैं। इनमें त्रिलोचन और अमरकांत पर दो-दो संस्मरण हैं और एक संस्मरण इलाहाबाद में लेखक के द्वारा बिताए गए दिनों पर आधारित है।

'चिड़ियों के घर का वासी' संस्मरण हजारी प्रसाद द्विवेदी पर लिखा गया है। इसमें लेखक ऐसी छोटी-छोटी कई बातें बताते हैं, जिनसे द्विवेदी जी के व्यक्तित्व की सहजता और सरलता में निहित विराटता प्रकट होती है। 'बरगद जैसे छायादार थे अमृतलाल नागर' संस्मरण में लेखक ने नागर जी से मिली आत्मीयता का मार्मिकता से वर्णन किया है। अमरकांत पर इस पुस्तक में दो संस्मरण संकलित हैं- 'अशोक वृक्ष की छाया में' और 'अमरकांतः प्रफुल्लता की प्रतिमूर्ति।' त्रिलोचन पर भी पुस्तक में दो संस्मरण 'नाम सार्थक लगे त्रिलोचन' और 'एक विरोधाभास त्रिलोचन' संकलित हैं। काशीनाथ सिंह, हरिशंकर परसाई और बाबा नागार्जुन से जुड़े संस्मरणों में उनके कई अनछुए पहलू उजागर हुए हैं। पुस्तक के अंतिम संस्मरण 'इलाहाबाद के वे दिन' में अब्दुल बिस्मिल्लाह लिखते हैं, 'इलाहाबाद के साहित्यिक-सांस्कृतिक वातावरण, वहां की गतिविधियों, रचनाकारों के जमावड़ों, भांति-भांति के व्यक्तियों और समग्रता में उस शहर के जीवन प्रवाह ने न केवल मेरी जीवनी शक्ति को दृढ़ता प्रदान की, बल्कि मेरी रचनाशीलता को भी धार दी।' बिस्मिल्लाह जी ने जिन हस्तियों पर संस्मरण लिखे हैं, उनके साथ उनके शहर का जीवन स्पंदन और जीवनशैली का सोंधापन भी महसूस कराते चलते हैं। *

पुस्तक: स्मृतियों की बस्ती, **लेखक:** अब्दुल बिस्मिल्लाह, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

तरकश

-संजय के. दीक्षित

रोलर युग में कड़ी और चांदा

आंध्रप्रदेश जैसे कई राज्यों में जमीनों के सीमांकन के लिए रोलर सिस्टम चालू हो गया है। मगर छत्तीसगढ़ में जमीनों के नापजोख के लिए सिस्टम अभी भी वही कड़ी और चांदा के भरोसे है। वैसे बार-बार जमीनों के सीमांकन की जरूरत पड़नी भी नहीं चाहिए। मगर दिक्कत यह है कि कोई सुधार के लफड़े में पड़ना नहीं चाहता। ब्यूरोक्रेसी लकीर की फकीर बनी रहना चाहती है। हालांकि, ब्यूरोक्रेसी के कई यंग अफसर मानते हैं कि बार-बार सीमांकन की कोई जरूरत नहीं। सीमांकन की कोई वैद्यता भी नहीं है। उपर से एक पार्टी सीमांकन कराता है, सामने वाला उसे मानने से इंकार कर देता है। उसके बाद सीमांकन पर सीमांकन चलता रहता है। राजस्व विभाग को कायदे से एक बार सीमाकंन कराकर छोड़ देना चाहिए। जिसे अपील करना हो, कोर्ट में करे। जाहिर है, सीमांकन के फेर में तहसीलों में जेब काटने का काम किया जाता है। आम आदमी को अनावश्यक तहसीलों का चक्कर लगाना पड़ता हैं।

एमपी जैसा सिस्टम क्यों नहीं?

जमीनों के नामंतरण में हालांकि, छत्तीसगढ़ अब अपने बड़े भाई मध्यप्रदेश से आगे निकल गया है। अपने यहां अब जमीनों की रजिस्ट्री होते ही आटोमेटिक नामंकन हो जा रहा। मगर बाकी राजस्व मामलों में अभी काफी पीछे है। जमीन या संपत्ति के मामलों को लेकर अभी भी सूबे के तहसीलों में लोग महीनों, सालों भटकते रहते हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने रेवेन्यू में बड़ा रिफार्म करते हुए तहसीलों में न्यायिक और प्रशासनिक व्यवस्था को अलग कर दिया है। वहां सिविल केसेज के लिए अलग तहसीलदार हैं और प्रशासनिक के लिए अलग। इससे प्रकरणों का निबटारा बेहद फास्ट हो गया है। इससे पहले तहसील ऑफिसों का चक्कर लगाते आम आदमी के चप्पल घिस जाते थे। तहसीलदार कभी दौरे में होते थे, तो कभी प्रशासनिक काम के सिलसिले में फील्ड या कलेक्ट्रेट में। एमपी गवर्नमेंट ने इस दिक्कत को समझते हुए दोनों व्यवस्थाओं को अलग कर दिया। छत्तीसगढ़ सरकार चाहे तो एमपी से एक कदम आगे बढ़ते हुए तहसीलदारों के साथ एसडीएम में भी न्यायिक और एडमिनिस्ट्रेशन को अलग किया जा सकता है। छत्तीसगढ़ में डिप्टी कलेक्टरों की वैसे भी कमी नहीं है। चीफ सिकरेट्री विकास शील को इस बड़े रिफार्म पर फोकस करना चाहिए। इससे लोगों को काफी राहत मिलेगी। वैसे भी मुख्य सचिव डिजिटलाइजेशन पर जोर दे रहे हैं। तहसीलों का करप्शन कम करने के लिए सुनवाई को भी ऑनलाइन किया जा सकता है। जब हाई कोर्ट में ऑनलाइन सुनवाई हो सकती तो फिर तहसीलों में क्यों नहीं। इससे आम आदमी को तहसीलों के झंझटों से छुटकारा मिलेगा ही, जेब कटने से भी बचेगा।

पति-पत्नी और दो घर

रायपुर एयरपोर्ट के पास नकटी में विधायकों को और सेरीखेड़ी में नौकरशाहों को भले ही कुछ समय के लिए सरकारी जमीन आबंटन का मामला स्थगित कर दिया गया है, मगर जैसे ही सूबे की न्यायिक स्थिति अनुकूल होगी, फिर से आबंटन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसमें विधायकों, सांसदों और नौकरशाहों के लिए गुड न्यूज यह है कि अब पति-पत्नी दोनों को सरकारी जमीन का सुख मिलेगा। पिछली सरकार ने पति-पत्नी के केस में एक को जमीन का नियम बदलकर दोनों को सरकारी जमीन के लिए पात्र कर दिया था। याने पति-पत्नी विधायक हैं या आईएएस-आईपीएस, आईएफएस तो उन्हें अलग-अलग प्लॉट मिलेगा। एक पूर्व मुख्यमंत्री की पत्नी को इसी नियम के तहत प्लॉट दिया गया। अब, इसे आप ये मत समझिएगा कि पिछली सरकार पति-पत्नी को अलग प्लॉट देकर उनके घर को बांटना चाहती थी। ऐसा भी हो सकता है कि जितने बड़े नेता या आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, उतने अधिक स्ट्रेस, तनाव और लफड़े होते हैं। उनसे सहानुभूति रखते हुए पिछली सरकार ने फैसला किया कि सभी को फ्रीडम चाहिए, सबको अपने अंदाज में लाइफ जीने के लिए छूट देना चाहिए। वैसे भी सेपेरेट घर के अभाव में कई अफसर और नेता वीकेंड में मुंबई, गोवा चले जाते हैं...अलग घर रहने पर वे अपने हिसाब से रह सकेंगे। सो, आइडिया अच्छा है।

पोस्टिंग ठंडे बस्ते में

बिजली नियामक आयोग के चेयरमैन को इस्तीफा दिए लगभग दो महीने हो गए मगर अभी नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। इस पोस्ट के लिए बकायदा विज्ञापन जारी करने का प्रावधान है। आवेदन जमा करने के महीने भर बाद भर्ती प्रॉसेज प्रारंभ होगा। मगर अभी इस बारे में उर्जा विभाग में कोई सुगबुगाहट नहीं है। नियामक आयोग के गठन के बाद दो बार इंजीनियरिंग साइट से चेयरमैन रहे हैं और तीन बार रिटायर आईएएस। इस बार प्रतीत होता है कि इंजीनियरिंग साइट से कोई चेयरमैन बनें। क्योंकि, रिटायर आईएएस में अभी अमिताभ जैन के अलावा कोई है नहीं। और अमिताभ को मुख्य सूचना आयुक्त बनेंगे।

गुड न्यूज

मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त के दावेदारों के लिए गुड न्यूज है। हाई कोर्ट से केस क्लियर होने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने सलेक्शन कमेटी की बैठक बुलाने के संदर्भ में लेटर भेज दिया है। मुख्यमंत्री सचिवालय जल्द ही चयन कमेटी की बैठक आहूत करेगा। कमेटी में मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल मेंबर हैं। मुख्यमंत्री की व्यस्तता की वजह से बैठक हो नहीं पा रही। मगर विधानसभा सत्र से पहले किसी भी दिन मुख्य सूचना आयुक्त और दो सूचना आयुक्तों की नियुक्ति का आदेश निकल सकता है।

मंत्रालय में मजमा

छत्तीसगढ़ के मंत्रालय महानदी भवन में एक दिसंबर को सुबह पौने दस बजे से दस बजे के बीच 15 मिनट ऐसा नजारा रहा, वैसा 25 साल में कभी नहीं हुआ। पोर्च से गेट तक करीब 300 मीटर का फासला है। आलम यह था कि अफसरों की गाड़ियों की कतार गेट से बाहर सड़क तक पहुंच गई। उससे पहले पोर्च में गाड़ियों की कभी लाइन नहीं लगी। दफ्तर के टाईम में पांच-सात मिनट के अंतराल में एकाध गाड़ी आ गई तो बड़ी बात। मगर एक दिसंबर को मजमा जैसी स्थिति थी। दरअसल, एक दिसंबर से मंत्रालय में सचिवों के लिए बायोमेट्रिक अटेंडेंस शुरू हुआ। हालांकि, मोबाइल में भी उसका एक्सेज दिया गया है। मगर पहले दिन कई सारे अधिकारियों ने ऐप्प डाउनलोड किया नहीं था। और, 10 बजे के पहले मंत्रालय पहुंचना भी था। इसलिए, एक साथ गाड़ियां का रेला मंत्रालय पहुंच गया। हालांकि, दिल्ली में भारत सरकार के ऑफिसों में ऐसा ही होता है। वहां 10 मिनट के अंतराल में सारे अधिकारी ऑफिस पहुंच जाते हैं, सो गाड़ियों की लाइन लग जाती है। बहरहाल, रायपुर मंत्रालय में सीएस खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उनके कंप्यूटर में 11 बजे पूरा अटेंडेंस डाउनलोड हो जाता है। 10 बजे तक मंत्रालय गुलजार हो जाने का यह भी एक बड़ा कारण है।

टूरिस्ट एंड ट्रेकिंग डेस्टिनेशन

दंतेवाड़ा के ढोलकल पहाड़ पर विराजित गणेशजी लोगों के आस्था के केंद्र तो हैं ही, ढोलकल पहाड़ अब टूरिज्म और ट्रेकिंग डेस्टिनेशन बनने जा रहा। दंतेवाड़ा जिला प्रशासन ने ट्रेकिंग के लिए रास्ता बना दिया है। वीकेंड में 500 से अधिक लोग ढोलकल पहुंच रहे हैं। पहाड़ी के नीचे आंध्र की एक कंपनी पीपीपी मोड में करीब साढ़े तीन एकड़ में रिसॉर्ट बना रही है। जाहिर है, चित्रकोट के बाद ढोलकल बस्तर का दूसरे नम्बर का टूरिस्ट सेंटर बन जाएगा। हालांकि, अध्यात्म के मामले में ढोलकल प्लस ही होगा।

मोदी और रमन की फ़ोटो

छत्तीसगढ़ में पीएम नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह की एक फोटो की बड़ी चर्चा है। डीजीपी कांफ्रेंस के दौरान रमन अपने परिवार संग मोदी से मिलने पहुंचे थे। उसकी फोटो जारी हुई, उसमें एक छोटे से सोफे में मोदी और रमन एक साथ बैठे हैं। फ़ोटो चर्चा का विषय इसलिए भी बन गई कि मोदी के 11 साल पीएम रहने के दौरान ऐसी फ़ोटो देश में किसी देखी नहीं। प्रधानमंत्री कार्यालय फ़ोटो को लेकर काफी संजीदा रहता है। इस समय बिना पीएमओ की इजाजत कोई फ़ोटो जारी नहीं होती। इससे इस बात पर मुहर लगी कि डॉ रमन को पीएम मोदी खास वेटेज देते हैं।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. किस मंत्री ने पैसों के हिसाब के लिए एक अकाउंटेंट रख लिया है?

2. गाइड लाइन रेट बढ़ने से आम आदमी को नुकसान होगा या भूमाफियाओं और जमीन दलालों का?

जैकेट के शेष

सरकार ने हवाई ....

कम पिछले पांच दिनों से काफी बाधा आ रही है, जिससे बड़ी संख्या में उड़ान रद्द और विलंबित हो रही हैं। शनिवार को देश की सबसे बड़ी एयरलाइन ने 400 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं, जबकि शुक्रवार को रद्द उड़ानों की संख्या 1,000 से अधिक थी।

48 घंटे में घर पहुंचेगा यात्रियों का सामान : इसके अलावा, एयरलाइन को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि जिन यात्रियों का ट्रैवल प्लान रद्द या प्रभावित हुआ है, उनसे कोई रिशेड्यूलिंग चार्जेस न लिए जाएं। मंत्रालय ने निर्देश दिया कि एयरलाइन यह सुनिश्चित करे कि उड़ान रद्द होने या देरी के कारण यात्रियों के छूटे हुए सामान का पता लगाया जाए और अगले 48 घंटों के भीतर उन तक पहुंचाया जाए। मंत्रालय ने साफ किया कि रिफंड प्रक्रिया में किसी भी तरह की देरी या नियमों का पालन न करने पर तुरंत नियामक कार्रवाई की जाएगी।

सरकार करेगी ....

होंगी, भले ही खरीदारी सीधे एयरलाइन की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से की गई हो या विभिन्न ऑनलाइन यात्रा एजेंट मंच से की गई हो।

सरकार द्वारा जारी नए ....

किराया सीमाएं तब तक लागू रहेंगी जब तक किराये स्थिर नहीं हो जाते या अगला आदेश जारी नहीं होता। ये किराया सीमाएं सभी प्रकार की बुकिंग पर लागू होंगी, चाहे टिकट एयरलाइन की आधिकारिक वेबसाइट से खरीदा गया हो या किसी ऑनलाइन ट्रैवल एजेंट के प्लेटफॉर्म से। एयरलाइंस सभी श्रेणियों में टिकट उपलब्धता बनाए रखेंगी और आवश्यकता होने पर उन सेक्टरों में क्षमता बढ़ाने पर विचार करेंगी जहां मांग अचानक बढ़ गई हो।

चाची-भतीजी से ....

सनावल थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि 7 सितंबर को एक 25 साल की विवाहित महिला अपनी 14 साल की भतीजी के साथ लकड़ी लेने के लिए जंगल गई हुई थी। इस दौरान जंगल में मौजूद झारखंड निवासी सैयद अली, फैयाज अंसारी और सोनू अंसारी ने जंगल में महिला और उसकी नाबालिग भतीजी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं आरोपियों ने महिला के बच्ची को धमकाया कि अगर उन्होंने घटना की जानकारी किसी को दी तो जान से मार देंगे। वारदात के बाद आरोपी जंगल से भाग निकले जबकि महिला और उसकी भतीजी किसी तरह घर पहुंचे।

परिजन का कहना है कि घटना के बाद महिला सदमे में थी और 7 सितंबर की रात को ही उसने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के बाद मामले में सनावल पुलिस ने मर्ग कायम कर लाश को पीएम उपरांत परिजन के सुपुर्द कर दिया था।

पिता ने लगाया हत्या का आरोप : महिला व नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं करने के बाद मृतका के परिजन न्याय के लिए भटक रहे थे। इस दौरान मृतका के पिता ने भी एसडीओपी रामानुजगंज को मामले की शिकायत की। पिता ने आरोप लगाया था कि झारखंड के तीन युवकों ने उसकी बेटी को फोन कर जंगल में बुलाया और गैंगरेप किया। इसके बाद उन्होंने ने उसकी हत्या कर दी।

जांच के बाद आईजी के निर्देश पर एफआईआर : न्याय के लिए भटक रहे परिजन ने मामले की शिकायत नवंबर महीने में आईजी दीपक कुमार झा से की थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए आईजी ने मामले की जांच कराई तो घटना की पुष्टि हुई जिसके बाद आईजी के निर्देश पर सनावल थाना में 3 दिसंबर को सामूहिक दुष्कर्म और आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मामला दर्ज किया गया है। इसके साथ ही इस मामले में झारखंड के कुसुमियादागर निवासी सैयद अली (21), फैयाज अंसारी (22) और सोनू अंसारी (30) के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया। जांच में लापरवाही पर आईजी के निर्देश पर एएसआई रोशन लकड़ा को निलंबित करने के साथ ही थाना प्रभारी सनावल गजपति मिर्रे को लाइन अटैच कर दिया गया है। वहीं, आईजी ने इस मामले की जांच का जिम्मा एएसपी बलरामपुर को दिया है जांच के बाद अन्य पर भी कार्रवाई की जाएगी।

कुलदीप, कृष्णा का ....

पर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस तरह उसने टेस्ट श्रृंखला में मिली 0-2 की हार की निराशा को कुछ हद तक कम किया।

500 करोड़ के ...

शिक्षा, पेयजल, पर्यावरण संरक्षण, आजीविका संवर्धन और खनन प्रभावित क्षेत्रों का विकास से हटकर करोड़ों की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। विशेषकर कोरबा जिले में ऐसे कार्य स्वीकृत किए गए, जो न तो प्राथमिकता सूची में आते थे और न ही स्थानीय आवश्यकता पर आधारित थे।

छत्तीसगढ़, मप्र और ....

रह गया। मैं खुद भी उनसे कई बार मिला हूं उनकी व्यवहार कुशलता को देखकर काफी प्रभावित हुआ। उनका व्यक्तित्व ही उनके कोमल ह्रदय और संवेदनशीलता की प्रति स्वतः इशारा कर देने वाला था। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि दिव्य आत्मा को मैं कोटि-कोटि नमन करता हूं और ईश्वर से कामना करता हूं कि वे उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें। श्री कौशिक ने कहा कि उनकी सरलता और सभी अपने परिवार जैसा स्नेह देना ही उनका स्वभाव था। वे आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके पुण्य कर्म और उनका बताया गया रास्ता हम सबके लिए हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

कूनो में चीता वीरा के शावक की मौत, अब बचे हैं 28 चीते

कूनो। मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में दक्षिण अफ्रीकी मादा चीता वीरा के 10 महीने के शावक का शव मिला है। इसे वीरा और दूसरे शावक के साथ एक दिन पहले गुरुवार को ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कूनो के पारोंद क्षेत्र में खुले जंगल में रिलीज किया था। गुरुवार देर रात ही ये शावक अपनी मां से अलग हो गया था।

शुक्रवार को इसकी खोज की गई। दोपहर बाद पारोंद के जंगल में शव मिला। चीता प्रोजेक्ट के फील्ड डायरेक्टर उत्तम कुमार शर्मा ने बताया कि शावक की मौत का वास्तविक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। प्रारंभिक जांच में किसी तरह की चोट या संघर्ष के निशान नहीं मिले हैं। उन्होंने बताया कि वीरा और उसका दूसरा शावक पूरी तरह सुरक्षित हैं। उनकी लगातार निगरानी की जा रही है। कूनो में चीतों की गतिविधियों और स्वास्थ्य पर चौबीसों घंटे नजर रखी जा रही है। अब कूनो में कुल 28 चीते बचे इस शावक की मौत के बाद कूनो नेशनल पार्क में चीतों की कुल संख्या अब 28 रह गई है। इनमें 8 वयस्क चीते (5 मादा और 3 नर) और भारत में जन्मे 20 शावक शामिल हैं। पार्क के अन्य सभी चीते स्वस्थ बताए गए हैं।

चीता प्रोजेक्ट के अधिकारी इस घटना की बारीकी से जांच कर रहे हैं। इसमें शावकों के प्राकृतिक व्यवहार, क्षेत्र में मौजूद खतरों और निगरानी प्रणाली की समीक्षा भी शामिल है।

पेज एक के शेष

रबी सीजन में चार फसलों का ...

प्राकृतिक आपदा पर होगी क्षति सर्वेः रबी सीजन में जो किसान प्रीमियम राशि जमा करेंगे, उन्हें फसल नुकसान होने की स्थिति में लाभ मिलेगा। बैंक, इंश्योरेंस कंपनी की ओर से प्रभावित किसानों को सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। बैंक, इंश्योरेंस कंपनी के पास उन किसानों की सूची उपलब्ध रहेगा, जिन्होंने प्रीमियम राशि देकर बीमा कराया है। व्यक्तिगत खेत आधार पर स्थानीय आपदाएं ओलावृष्टि,, बादल फटना और प्राकृतिक आकाशीय बिजली के कारण खड़ी फसल को नुकसान, फसल कटाई के बाद नुकसान जैसे ओला, चक्रवात, चक्रवाती, बेमौसम वर्षा के कारण खेत में कटी और सुखाने के लिए फैली हुई नुकसान का आंकलन होता है।

राइट टू डिस्कनेक्ट बिल ...

की पैरवी करता है। लोकसभा में एक प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया गया, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों को ऑफिस समय के बाहर काम से जुड़े फोन कॉल और ईमेल का जवाब देने से छूट देना है। लोकसभा और राज्यसभा- दोनों सदनों के सदस्य ऐसे मुद्दों पर प्राइवेट मेंबर बिल ला सकते हैं, जिन पर वे महसूस करते हैं कि सरकार को कानून बनाना चाहिए। हालांकि अधिकतर मामलों में सरकार की प्रतिक्रिया के बाद ये बिल वापस ले लिए जाते हैं। एनसीपी की सांसद सुप्रिया सुले ने 'राइट टू डिस्कनेक्ट बिल, 2025' पेश किया। यह बिल कर्मचारियों के लिए वेलफेयर अथॉरिटी बनाने और हर कर्मचारी को ऑफिस समय के बाद और छुट्टियों के दौरान काम से जुड़े कॉल और ईमेल से पूरी तरह दूर रहने का अधिकार देने का प्रस्ताव करता है। इसमें ऐसे कॉल या ईमेल का जवाब न देने का अधिकार भी शामिल है। सुप्रिया सुले ने एक्स पर लिखा, इस बिल का उद्देश्य लोगों को बेहतर क्वालिटी ऑफ लाइफ और स्वस्थ वर्क-लाइफ बैलेंस देना है, ताकि आज के डिजिटल कल्चर से पैदा होने वाले बर्नआउट को कम किया जा सके। सुले ने तर्क दिया कि डिजिटल और कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी जहां काम को फ्लेक्सिबल बनाती है, वहीं यह पर्सनल और प्रोफेश्नल जीवन की सीमाओं को धुंधला करने का बड़ा खतरा भी पैदा करती है। **पत्रकारों की सुरक्षा के लिए बिल पेशः** निर्दलीय सांसद विशालदादा प्रकाशबापू पाटिल ने 'जर्नलिस्ट (प्रिवेंशन ऑफ वायलेंस एंड प्रोटेक्शन) बिल, 2024' पेश किया। यह बिल पत्रकारों के खिलाफ हिंसा रोकने, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनकी संपत्ति की रक्षा के लिए आवश्यक प्रावधानों का प्रस्ताव करता है।

'परीक्षा पे चर्चा' के लिए 11 जनवरी ...

व जीवन का एक अभिन्न अंग मानने के लिए उनके साथ जुड़ेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों के चयन के लिए 'माइजीओवी' पोर्टल पर एक दिसंबर 2025 से 11 जनवरी 2026 तक बहुविकल्पीय प्रश्नों वाली ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि कक्षा छठी से 12वीं तक के छात्र, शिक्षक और अभिभावक इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। परीक्षा पे चर्चा का आठवां संस्करण 10 फरवरी 2025 को प्रसारित किया गया था। यह चर्चा नयी दिल्ली के सुंदर नर्सरी में एक नए और अभिनव प्रारूप में आयोजित की गई जिसमें प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के 36 छात्र शामिल हुए जिनमें सरकारी स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, सैनिक स्कूल, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, सीबीएसई से संबध स्कूल और नवोदय विद्यालय शामिल थे। इस संस्करण में खेल एवं अनुशासन और मानसिक स्वास्थ्य से लेकर पोषण, प्रौद्योगिकी एवं वित्त तथा रचनात्मकता एवं सकारात्मकता तक, सात अलग-अलग एपिसोड भी शामिल थे जिनमें प्रसिद्ध हस्तियों के प्रेरक विचार प्रस्तुत किए गए।

'पुतिन के डिनर में था गर्मजोशी भरा माहौल'

नई दिल्ली। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मान में शुक्रवार रात राष्ट्रपति भवन में भव्य डिनर का आयोजन किया गया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर को इस डिनर में आमंत्रित किया गया था और वे मौजूद भी रहे। लेकिन राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को आमंत्रित नहीं किया गया। डिनर में शामिल होने के बाद शशि थरूर ने बताया कि वहां पर कैसा माहौल था। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया, 'राष्ट्रपति भवन में कल रात राष्ट्रपति पुतिन के लिए आयोजित भोज में बहुत अच्छा लगा। माहौल बहुत गर्मजोशी भरा और आकर्षक था। मुझे कई उपस्थित लोगों, खासकर रूसी प्रतिनिधिमंडल के मेरे साथी मेहमानों के साथ बातचीत का आनंद आया।'

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

(निर्माण संगठन)

ई-निविदा सूचना

निविदा-क्रमांकः डीसीई-I-आर-25-26-04 (ओपन ई-टेंडर) (टू पैकेट सिस्टम)

कार्यः रेलवे लेवल क्रॉसिंग संख्या AR-12 (NH-130C) Ch:15710 नवापारा-राजिम पर रोड ओवर ब्रिज और रोड अंडर ब्रिज का निर्माण और केन्द्रीय धमतरी और अभनपुर-राजिम शाखा लाइन (67.20 कि.मी.) के बीच नॅरो गेज से ब्रॉड गेज में गेज परिवर्तन से संबंधित अन्य विविध सहायक कार्य।

निविदा मूल्य : रु. 56,86,77,059.35/- **अमानत राशि** : रु. 29,93,400.00/- **निविदा दस्तावेज़ की लागत** : शून्य **कार्य पूरा होने की अवधि** : स्वीकृति पत्र की तिथि से 24 (बारह) माह। **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक (1)** : 24/12/2025 को 15:00 बजे तक। **निविदा खोलने का समय एवं दिनांक (2)** : 24/12/2025 को 15:30 बजे।

निविदा दस्तावेज़ की पात्रता मानदंड और उपरोक्त कार्य के लिए पूर्ण विवरण से संबंधित और अधिक जानकारी के लिए कृपया उप मुख्य अभियंता (कॉन-I) / एस. ई.सी. रेलवे खरून रेल विहार कॉलोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़, पिन-492009 के कार्यालय से संपर्क करें या हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

उप निर्माण/मुख्य अभियंता-I

सीपीआर/10/AM/514 द.पू.म.रेलवे, रायपुर

South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विविध कार्य हेतु निविदा सूचना

क्र.सं. (1) ई-निविदा सं. डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-154-25-26, दि. 28-11-2025 कार्य : वरिष्ठ मंडल अभियंता/मध्य/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत एडवांस ट्रॉली का उपयोग करके सभी यार्डो का मापन। निविदा मूल्यः 2,02,05,028.00/-, अमानत राशिः ₹ 2,51,000.00/-, कार्य पूर्णता की अवधिः 12 माह।

क्र.सं. (2) ई-निविदा सं. डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-157-25-26, दि. 28-11-2025 कार्य : वरिष्ठ मंडल अभियंता/मध्य/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत प्वाइंट एण्ड क्रासिंग की डीप स्क्रीनिंग और टर्नआउट स्लीपरों के नवीकरण आदि जैसे ट्रैक कार्यों का निष्पादन। निविदा मूल्यः 2,26,84,497.20/-, अमानत राशिः ₹ 2,63,400.00/-, कार्य पूर्णता की अवधिः 12 माह।

निविदा जमा की आरंभ तिथि : दिनांक 15-12-2025 के 11.00 बजे से, निविदा जमा की अंतिम तिथिः 29-12-2025 के 11.00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)

सीपीआर/10/FL/510 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

वार्षिक रख-रखाव हेतु निविदा सूचना

क्र.सं. (1) निविदा संख्याः- एस.ई.सी.आर.-मुख्यालय - इंजी. बी.एल.-25-26-21. कार्य : दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे/बिलासपुर के विभिन्न गर्डर पुलों में ट्रॉली एवं मैन रिफ्यूज का मरम्मत एवं कोरोडेड/क्रेक्ड मेम्बर्स का बदलाव का कार्य। निविदा मूल्यः ₹ 2,81,83,911.79, प्रतिभूति राशिः ₹ 2,90,900/-, बोली प्रक्रिया की प्रारंभ तिथिः 16.12.2025। **निविदा की अंतिम तिथि** समयः 30.12.2025 को 16.30 बजे।

क्र.सं. (2) निविदा संख्याः- एस.ई.सी.आर.-मुख्यालय - इंजी. बी.एल.-25-26-22. कार्य : दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में (पुल संख्या 462 मिड, 348 डाउन, 196 अप, 182 अप, 162 के अप, 157 के अप, 154 डाउन, 145 डाउन, 116 डाउन, 86 अप, 63 डाउन, 46 अप, 46 मिड एवं 34 अप) 14 पुलों में उपकरण लगाने का कार्य। अनुमानित लागतः ₹ 8,39,30,000.00, प्रतिभूति राशिः ₹ 5,69,700/-, बोली प्रक्रिया की प्रारंभ तिथिः 16.12.2025। निविदा की अंतिम तिथि समयः 30.12.2025 को 16.30 बजे।

क्र.सं. (3) निविदा संख्याः- एस.ई.सी.आर.-मुख्यालय - इंजी. बी.एल.-25-26-23. कार्य : बिलासपुर मंडल में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/शहडोल के अधिकार क्षेत्र में खोडरी-सारबहरा स्टेशन के मध्य पुल संख्या 66 के अप (3X18.30 मी.पीजी) का मौजूदा प्लेट गर्डर को नये स्टील प्लेट गर्डर में बदलने का कार्य। अनुमानित लागतः ₹ 2,31,92,280.80/-, प्रतिभूति राशिः ₹ 2,66,000/-, बोली प्रक्रिया की प्रारंभ तिथिः 16.12.2025। निविदा की अंतिम तिथि समयः 30.12.2025 को 16.30 बजे।

उपरोक्त कार्य की आवश्यक एवं पूर्ण जानकारी उप मुख्य अभियंता पुल/मुख्यालय कार्यालय या www.ireps.gov.in वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है।

उप मुख्य अभियंता पुल (मुख्यालय)

सीपीआर/10/520 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं. 30257257, दिनांकः 01.12.2025

कार्य का नामः 1. RDSO DRG सं. T-3913 के अनुसार तथा विनिर्देश IRS T-16-2019 के अनुरूप गल्वनाइज्ड प्लेट स्क्रू का निर्माण एवं आपूर्ति। मात्राः 24804 संख्यक। 2. RDSO DRG सं. T-3913 के अनुसार तथा विनिर्देश IRS T-16-2019 के अनुरूप गल्वनाइज्ड प्लेट स्क्रू का निर्माण एवं आपूर्ति। मात्राः 78664 संख्यक। [वारंटी अवधिः डिलीवरी की तारीख के उपरांत 30 महीने] (दोनों क्रमांक के लिए); निम्नलिखित द्वारा निरीक्षणः TPI एजेंसी (दोनों क्रमांक के लिए)

द्रष्टव्यः सामग्रियों की आपूर्ति 30 दिनों के अंदर की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तारीख एवं समयः 31.12.2025 को 1500 बजे।

सम्पूर्ण जानकारी www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/वाल्टियर

PR-874/Q/25-26

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION, BILASPUR

2ND FLOOR, VIKAS BHAWAN, NEHRU CHOWK

Phone No. 07752-222642, Fax 07752-413888

Website : www.bilaspurnagarnigam.com, Email : commissionerbilaspur@gmail.com

E-PROCUREMENT TENDER NOTICE

NIT No. 07/BMC/HEALTH/2025-26 Bilaspur, Dated 05/12/2025

Online Tenders in Form 'C' are invited from interested MSME/ISO 9001:2008 Registered Firms registered on website https://eproc.cgstate.gov.in on behalf of the Bilaspur Municipal Corporation for following works under Supply Rate Tender.

System Tender No.	Name of Work	PAC (Rs. in Lakhs)	Bid Due Date
181134	Supply of 200 Nos. Wheel Barrow for Sanitation Work	14.00	29/12/2025

Other details related to the tender can be obtained from Health Department, Vikas Bhawan and Interested bidders may view and download details online directly by visiting website www.bilaspurnagarnigam.com & from the Govt. of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 08/12/2025 after 17:31 Hours IST.

Health Officer, Municipal Corporation, Bilaspur (C.G.)

Green City, Clean City, Dream City.

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा

पत्रांक :-....................चाईबासा/दिनांक..................

:: शुद्धि -पत्र ::

इस कार्यालय के पत्रांक 2010 दिनांक 17.11.2025 द्वारा प्रकाशित अति अल्पकालीन ई- निविदा सूचना सं० RDD/SD/CHAIBASA/12/2025-26 के समूह संख्या 06, 08 एवं 09 में निम्न प्रकार संशोधित किया जाता है। जिसका PR No. 366170 West Singhbhum(25-26)_D है।

1.ई-निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय - दिनांक 10.12.2025 से दिनांक 19.12.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक

2.ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय -20.12.2025 अपराह्न 05:00 बजे

ह०/-

कार्यपालक अभियंता

ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, प० सिंहभूम चाईबासा

PR 367914 West Singhbhum(25-26).D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, लातेहार

शुद्धि पत्र-सूचना

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित ई-प्रोक्योरमेंट सूचना जिसका ई-टेन्डर रिफरेंस संख्या- RCD/ LATEHAR /1044/2025-26, दिनांक - 01.12.2025, P.R. No.-367410 Road (25-26)#D एवं कार्य का नाम - मनिका से हेरहंज भाया मटलौंग पथ के चैनेज 27वें कि0मी0 में अवस्थित खपिया नाला पर सेतु निर्माण कार्य है। उक्त में अपरिहार्य कारणवश निम्नवत संशोधन किया जाता हैः-

क्र0	कार्य का विवरण	पूर्व में उल्लेखित तिथि	संशोधित तिथि
1	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	28.12.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक	29.12.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक

निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेंगी।

कार्यपालक अभियन्ता

प0नि0वि0 पथ प्रमण्डल लातेहार

PR 367835 (Road)25-26*D

झारखण्ड सरकार

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गुमला

दूरभाष-06524-223092,(मो0)9431706376,

E-mail Id- sp-gumla@jhpolice.gov.in)

(अज्ञात भाव की पहचान हेतु)

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि अज्ञात पुरूष शव जिसका उम्र 60 वर्ष, उँचाई-05 फीट 4 इंच, रंग-साँवला, आँख-काला, बाल-उजला एवं काला, भुरा रंग का जंघिया एवं लाल रंग का गंजी पहना हुआ था। जिसके आलोक में बसिया थाना यू0डी0 कांड सं0-23/25, दिनांक-30.11.2025, दर्ज किया गया है। उक्त शव की पहचान हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जन साधारण से अनुरोध है कि अज्ञात शव (पुरूष) के बारे में कोई पहचान/जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक का कार्यालय गुमला या निम्नांकित अंकित मो0 नं0 पर संपर्क कर इसकी सूचना दे सकते।

1. पुलिस अधीक्षक गुमला - 9431706376
2. पुलिस उपाधीक्षक (मु0) गुमला - 9471182113
3. अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी बसिया - 9471182118
4. थाना प्रभारी, बसिया - 9431706211

PR 367904 Police Wireless Headquarter(25-26).D

पुलिस अधीक्षक, गुमला

POLICE HELPLINE (EMERGENCY DIAL)-112 | CHILD HELPLINE-1098 | WOMEN HELPLINE-1091 | DOMESTIC ABUSE HELPLINE-181 | CYBER CRIME HELPLINE-1930 | AMBULANCE SERVICE-108

शब्द पहेली - 6070

बाएँ से दाए

1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे

1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्टीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली- 6069 का हल

ग	र	म	म	सा	ला	■	क	दा	चा	र
ती	खा	■	हा	■	था	क	र	■	र	वा
वि	■	अ	ज	ग	र	■	म	ल	■	य
धी	मा	प	न	■	■	म	■	की	म	त
ही	■	ल	■	श	ता	न	न	■	जा	■
न	म	क	दा	नी	■	मा	न	सि	क	ता
■	क	■	म	च	ल	ना	■	या	■	र
अ	र	ज	■	र	■	■	ऐ	रा	व	त
ह	■	स	द	■	न	रो	त	म	■	म्य
म	न	■	ख़	स	म	■	बा	■	टा	पू
क	र	त	ल	■	श	रा	र	त	पू	र्ण

सूडोकु नवताल- 6080

★★★★☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6079 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

हमारे देश में सोना हमेशा से ही धन और सुरक्षा का प्रतीक रहा है, लेकिन बदलते समय के साथ सोने में निवेश का तरीका भी बदल रहा है। अब सोने को घर में रखने, सुरक्षा की चिंता करने या मेकिंग चार्ज और जीएसटी भरने की जरूरत नहीं, क्योंकि गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड ऑफ फंड ने निवेशकों के लिए एक मॉडर्न, आसान और बिना झंझट वाला रास्ता खोल दिया है।

निवेश का नया ट्रेंड : स्मार्ट निवेशकों की पहली पसंद

गोल्ड ईटीएफ व फंड का धमाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- एक गोल्ड ईटीएफ यूनिट का मतलब एक ग्राम सोने का 10वां हिस्सा
- इन यूनिट्स को एनएसई और बीएसई जैसी स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीद या बेच सकेंगे
- सोना हमेशा से धन और सुरक्षा का प्रतीक रहा, अब निवेश का तरीका भी बदल गया
- अब सोने को घर में रखने, सुरक्षा की चिंता करने या मेकिंग चार्ज और जीएसटी भरना जरूरी नहीं
- गोल्ड ईटीएफ व फंड निवेशकों के लिए एक मॉडर्न, आसान और बिना झंझट वाला रास्ता खोला

हमारे देश में सोना हमेशा से ही धन और सुरक्षा का प्रतीक रहा है, लेकिन बदलते समय के साथ सोने में निवेश का तरीका भी बदल रहा है। अब सोने को घर में रखने, सुरक्षा की चिंता करने या मेकिंग चार्ज और जीएसटी भरने की जरूरत नहीं, क्योंकि गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड ऑफ फंड ने निवेशकों के लिए एक मॉडर्न, आसान और बिना झंझट वाला रास्ता खोल दिया है। कम खर्च, ऑनलाइन ट्रेडिंग की सुविधा और टैक्स के बड़े फायदे इन दोनों को आज के स्मार्ट निवेशकों के बीच सबसे लोकप्रिय विकल्प बना रहे हैं। जानकारों का कहना है कि भारत में सोना सिर्फ निवेश नहीं, बल्कि समृद्धि और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। पहले लोग ज्यादातर जेवर, सिक्के या सोने की ईंटें (बार) खरीदकर ही निवेश करते थे, क्योंकि यही आम तरीका था, लेकिन अब समय बदल गया है। आज ऐसे विकल्प मौजूद हैं, जिनमें न तो सोना घर पर रखने की जरूरत है और न ही सुरक्षा की चिंता रहती है। गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड ऑफ फंड दोनों विकल्प सोने में निवेश को आसान, सुरक्षित, और बिना झंझट वाला बना देते हैं। आप इन्हें शेयर की तरह ही मार्केट के खुले होने पर कभी भी खरीद-बेच सकते हैं।

गोल्ड ईटीएफ में निवेश आसान

गोल्ड ईटीएफ में निवेश करना बहुत आसान होता है। आप इन्हें मार्केट के समय के दौरान तुरंत खरीद या बेच सकते हैं। इन पर लगने वाला सालाना खर्च भी कम होता है, करीब लगभग 0.50%। यह उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प है, जो सोने की कीमत में होने वाले उतार-चढ़ाव का फायदा लेना चाहते हैं, बिना इस चिंता के कि सोना घर पर कैसे रखें या उसकी सुरक्षा कैसे करें।

क्यों बेहतर हैं गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड ऑफ फंड

ये सस्ते होते हैं, खरीदना-बेचना आसान है, चोरी या स्टोरेज की चिंता नहीं, फिजिकल गोल्ड के झंझट (मेकिंग चार्ज, जीएसटी, सेफ्टी) पूरी तरह खत्म रहता है। इसके अलावा, आपको सोने का वही पारंपरिक फायदा भी मिलता है, जैसे महंगाई से बचाव, समय के साथ सोने का मूल्य स्थिर रहता है, अगर आप सोने में एक मॉडर्न, सुरक्षित और बिना झंझट वाला तरीका चाहते हैं, तो गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड ऑफ फंड सबसे बेहतर विकल्प नजर आते हैं।

क्या इनकी सबसे बड़ी खासियत

- मेकिंग चार्ज नहीं लगता
- स्टोरेज की कोई दिक्कत नहीं
- चोरी या सुरक्षा की चिंता नहीं
- असली सोने की तुलना में कम खर्चे
- अगर आप सोने में निवेश को सिंपल और एफिशिएंट रखना चाहते हैं, तो ईटीएफ और फंड ऑफ फंड बेहतरीन विकल्प हैं।

एक गोल्ड ईटीएफ का क्या होता है मतलब

- एक गोल्ड ईटीएफ यूनिट का मतलब होता है एक ग्राम सोने का दसवां हिस्सा, जिसे बैंक के सुरक्षित वॉल्ट में रखा जाता है। आप इन यूनिट्स को एनएसईऔर बीएसई जैसी स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीद या बेच सकते हैं।

गोल्ड फंड ऑफ फंड

- अगर आपके पास डीमैट अकाउंट नहीं है, या आप चीजों को और भी आसान रखना चाहते हैं, तो गोल्ड फंड ऑफ फंड अच्छा विकल्प है। ये फंड ज्यादातर पैसा गोल्ड ईटीएफ में ही निवेश करते हैं। मतलब आपको सोने का फायदा मिलता है, पर कोई स्टोरेज या सिक्योरिटी की टेंशन नहीं रहती।

शेयर और प्रॉपर्टी से लेकर रिटायरमेंट तक

बेहद कारगर है 7 फीसदी का रूल

❒ इस नियम से शेयर में नुकसान कम करने में मदद मिलती है

निवेश से जुड़े फैसले करना जितना आसान लगता है, उतना है नहीं। गलत फैसले कभी-कभी पूरी प्लानिंग बिगाड़ देते हैं। इसलिए कई पॉपुलर इनवेस्टमेंट रूल यानी निवेश के नियम इस्तेमाल किए जाते हैं, ताकि फैसले करना आसान हो सके। ऐसा ही एक नियम है "7% रूल" यानी 7% का नियम. यह एक ऐसा रूल है, जिसे शेयर बाजार ट्रेडिंग से लेकर रिटायरमेंट प्लानिंग और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट तक, इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन ऐसे किसी भी नियम को सिर्फ एक इंडिकेटिव टूल की तरह लेना चाहिए, इन्हें आंख मूंदकर फॉलो करना ठीक नहीं होता।

शेयर बाजार में सात प्रतिशत का रूल

ट्रेडिंग करते समय भावनाओं में बहकर फैसला करना सही नहीं होता। कई बार हमारे स्टॉक्स या निवेश की कीमत गिरती रहती है, लेकिन हम स्टॉप लॉस पर अमल करने की जगह रिकवरी की उम्मीद में इंतजार करते रह जाते हैं। इस चक्कर में कई बार बड़ा नुकसान हो जाता है। स्टॉक मार्केट इनवेस्टमें में 7% रूल का मतलब यह है कि आपने कोई शेयर जिस प्राइस पर खरीदा है, उससे 7% नीचे गिरने पर उसे बेच दें, यानी 7% का स्टॉप लॉस लगाएं, इससे आप अपनी पूंजी को आगे चलकर होने वाले बड़े नुकसान से बचा पाएंगे। यहां 7% की लिमिट इसलिए रखी गई है, क्योंकि आंकड़ों पर आधारित कई रिसर्च में यह पाया गया है कि बाजार में माहौल सामान्य हो, तो कोई शेयर 7-8% से ज्यादा गिरने का मतलब उस कंपनी में कोई गंभीर दिक्कत हो सकता है। यानी यह लेवल एक अलार्म की तरह काम करता है। इस नियम से ट्रेडिंग में डिसिप्लिन आता है और भावनाओं को कंट्रोल करके सही फैसला किया जा सकता है।

स्टॉक मार्केट और शेयर की चाल देखकर करें फैसला

हालांकि हर शेयर एक जैसा नहीं होता। कुछ ज्यादा उतार-चढ़ाव वाले होते हैं। ऐसे में 7% की जगह कभी-कभी 8-10% की दूरी रखनी पड़ सकती है, जबकि स्टेबल ब्लू-चिप स्टॉक्स के लिए 7% काफी है। यानी रूल वही है, लेकिन उसका इस्तेमाल स्टॉक मार्केट और शेयर की चाल देखकर करना चाहिए।

रिटायरमेंट प्लानिंग में 7% विदड्रॉल रूल

रिटायरमेंट प्लानिंग करते समय एक बड़ा सवाल ये होता है कि रिटायरमेंट फंड में जमा पैसे कितने साल तक चल पाएंगे? इस सवाल का जवाब देने में भी 7% का रूल इस्तेमाल किया जाता है। यहां इस रूल का मतलब है कि आप अपनी कुल रिटायरमेंट सेविंग का 7% हिस्सा पहले साल में निकाल सकते हैं। यानी अगर आपके पास 1 करोड़ रुपये हैं, तो पहले साल 7 लाख रुपये निकाल सकते हैं। इसके बाद हर साल महंगाई के असर को देखते हुए थोड़ी बढ़ोतरी कर सकते हैं।

रिटायरमेंट प्लानिंग में 7% विदड्रॉल रूल कितना सही

हालांकि रिटायरमेंट प्लानिंग के मामले में 7% विदड्रॉल का रूल बहुत एग्रेसिव माना जा सकता है। अगर कॉर्पस की बची रकम पर रिटर्न थोड़ा कम मिले या बाजार में गिरावट आ जाए तो इतना ज्यादा पैसा निकालना आपके फंड को जल्दी खत्म कर सकता है। खासकर अगर रिटायरमेंट के बाद लंबे समय तक उस फंड पर निर्भर रहना हो। आमतौर पर 4% विदड्रॉल बेहतर और लॉन्ग टर्म के लिए ज्यादा सुरक्षित माना जाता है. यानी 7% रूल को आंख मूंदकर फॉलो करने की जगह निवेश पर मिल रहे रिटर्न और आगे की जरूरतों को ध्यान में रखकर फैसला करना चाहिए।

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

बिजनेस साइट

आनंदम लॉजिस्टिक्स एंड इंडस्ट्रियल पार्क की भव्य लॉन्चिंग आज

व्यवसाय को देगा नई उड़ान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास को नई गति देने वाला 'आनंदम लॉजिस्टिक्स एंड इंडस्ट्रियल पार्क' आज भव्य रूप से लॉन्च होने जा रहा है। गुमा, रायपुर स्थित इस अत्याधुनिक प्रोजेक्ट का शुभारंभ सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित विशेष समारोह में किया जाएगा। उद्योग जगत और व्यापार क्षेत्र के कई प्रतिनिधियों की उपस्थिति इस आयोजन को और भी महत्वपूर्ण बनाएगी।

बेहतरीन लोकेशन, बेहतरीन कनेक्टिविटी : एनएच-53 और एनएच-30 के जंक्शन के पास स्थित यह पार्क अपनी उत्कृष्ट लोकेशन और मजबूत कनेक्टिविटी के कारण निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुका है। 6-लेन बायपास रोड से सीधी कनेक्टिविटी इसे मध्य भारत का सबसे सुलभ और रणनीतिक बिज़नेस हब बनाने की दिशा में अग्रसर करती है। 44 एकड़ में विकसित यह प्रोजेक्ट लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग के लिए सुव्यवस्थित प्लॉट्स के साथ आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करता है।

उत्कृष्ट सुविधाओं से सुसज्जित पार्क
पार्क में व्यवसायों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक सुविधाओं का समावेश किया गया है। 30 मीटर, 18 मीटर और 9 मीटर चौड़ी कंक्रीट सड़कों का जाल, सड़क मार्ग पर एक्सटर्नल लाइटिंग, पब्लिक टॉयलेट, उन्नत ड्रेनेज सिस्टम, कॉमन पार्किंग स्पेस और भविष्य के ऑफिस स्पेस के लिए कमर्शियल प्लॉट जैसी व्यवस्थाएं इसे अत्यधिक उपयोगी बनाती हैं। इसके अलावा, विशेष रूप से विकसित अमेनिटी स्पेस और आधिकारिक रेरा रजिस्टर्ड इस प्रोजेक्ट को और विश्वसनीय बनाते हैं।

पतंजलि योगपीठ और रूस सरकार के बीच ऐतिहासिक एमओयू पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत और रूस के बीच स्वास्थ्य एवं सांस्कृतिक सहयोग को नए आयाम देने वाला एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) दिल्ली में हस्ताक्षरित हुआ। पतंजलि समूह की ओर से योगगुरु स्वामी रामदेव ने तथा रूस सरकार की ओर से भारत-रूस व्यापार परिषद के अध्यक्ष एवं रूस के वाणिज्य मंत्री सर्गेई चेरेमिन ने इस करार पर हस्ताक्षर किए। स्वामी रामदेव ने बताया कि यह एमओयू स्वास्थ्य व वेलनेस को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य पर्यटन को मजबूत करने, कुशल मानव संसाधन के आदान-प्रदान और अनुसंधान कार्यों पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि रूस में योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा को तेजी से स्वीकृति मिल रही है और पतंजलि इन सेवाओं का विस्तार रूस में बड़े स्तर पर करने जा रहा है। साथ ही दोनों देश उम्र को रिवर्स करने और लंबे समय पहले गंभीर बीमारियों का पता लगाने से जुड़े अनुसंधान पर भी संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। एमओयू के तहत रूस को भारत से स्किल्ड लेबर और प्रशिक्षित योग विशेषज्ञ उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा भारत और रूस के उच्च स्तरीय ब्रांड्स को एक-दूसरे के देशों में प्रमोट करने का भी लक्ष्य रखा गया है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल — डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA — शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक — दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ — मो. 7999450384, 7049974029

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल — चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ

अहलूवालिया हॉस्पिटल — 81031 28515, 0771-4050006 — तत्यापारा, स्टेशन रोड रायपुर

Vrinda — सभी प्रकार की एलर्जी — छाती रोग — 8962566321, 07714096125, 7223065604

निवेद चेस्ट & आई केयर — डॉ. देवी ज्योति दास — डॉ. नमित नंदे

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर — डॉ. सूरज कुमार चौधरी — डॉ. सुधा अग्रवाल चौधरी

सिंघानिया स्किन केयर — Makeover — मो. 94252-14479, 0771-4020411

डॉ. जाऊलकर — ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified) — फोन: 0771-4044551 — समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद — SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल — 9644099925

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर)

प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक — मो. 9977247553

अष्टविनायक हॉस्पिटल — बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। — डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन) — 7987225800, 9301744425

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 — 0771-3133096, +91 6264070071, 9893299953

डॉ. मनोज अग्रवाला — स्किन क्लिनिक — एमडी (पीजीआई चंडीगढ़) (गोल्ड मेडलिस्ट) — 0771-4003777, 77770-76292

पाइल्स क्षारसूत्र विशेषज्ञ — राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर — 25 वर्षों का अनुभव — 11000 से ऊपर सफल चिकित्सा — मो. 9039050422

डायबिटिक क्लीनिक — Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre — 7124035770, 9329004557, 9303724304

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:- 7987119756, 9303508130

विशाखापत्तनम वनडे : जायसवाल का शतक रो-को की फिफ्टी, द.अफ्रीका को 9 विकेट से रौंदा

टीम इंडिया ने दिखाया दम, 61 गेंदों के शेष रहते जीता आखिरी वनडे, सीरीज की अपने नाम

एजेंसी ▸▸विशाखापत्तनम

भारत ने तीसरे वनडे मैच में दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हरा दिया। यशस्वी जायसवाल ने अपने करियर का पहला शतक लगाया, वहीं रोहित शर्मा और विराट कोहली ने भी फिफ्टी लगाई। इस मैच को जीतकर भारतीय टीम ने सीरीज पर 2-1 से कब्जा जमा लिया है। विशाखापट्टनम में खेले गए मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम 270 रनों पर सिमट गई थी। जवाब में टीम इंडिया ने 61 गेंद रहते 9 विकेट से यह मैच जीत लिया।
271 रनों के लक्ष्य का पीछा करने आई टीम इंडिया को रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने शानदार शुरुआत दिलाई। सीरीज के पिछले 2 मैचों में जायसवाल सिर्फ 40 रन बना पाए थे। दबाव में रहकर उन्होंने 75 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किए। उन्होंने रोहित शर्मा के साथ 155 रन की सलामी साझेदारी की। जायसवाल इस मैच में 121 गेंद में 116 रन बनाकर नाबाद लौटे। इस पारी में उन्होंने 12 चौके और 2 छक्के लगाए। जायसवाल अब ऐसे छठे भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं, जिन्होंने तीनों फॉर्मेट में शतक लगाया है।

रोहित ने पूरे किए 20 हजार रन

इंटरनेशनल क्रिकेट में रोहित ने अब 20 हजार रन पूरे कर लिए हैं। रोहित अब भारत के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने ये मुकाम छुआ। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और राहुल द्रविड़ ही ये कर पाए थे। पूरी दुनिया में सिर्फ 14 खिलाड़ी ही अब तक 20 हजार अंतरराष्ट्रीय रन बना सके हैं। रोहित के ज्यादातर रन वनडे और टी20 में आए हैं। वनडे में 11 हजार से ज्यादा और टी20 इंटरनेशनल में 4 हजार से ऊपर रन हैं। टी20 में तो वो भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

खास भारतीय क्लब का हिस्सा बने जायसवाल

यशस्वी जायसवाल इस शतक के साथ अब टी20 इंटरनेशनल, टेस्ट क्रिकेट और वनडे इंटरनेशनल तीनों फॉर्मेट में कम से कम एक या उससे ज्यादा शतक लगा चुके हैं। वह ऐसा करने वाले छठे भारतीय बने। उनसे पहले सुरेश रैना, केएल राहुल, विराट कोहली, रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने ऐसा किया था। अपनी पहली वनडे सेंचुरी के साथ यशस्वी इस खास भारतीय क्लब का हिस्सा बने।

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका पारी	रन	गेंद	4	6
डिकॉक बो कृष्णा	106	89	8	6
रिकलटन का राहुल बो अर्शदीप	00	4	0	0
बावुमा का कोहली बो जडेजा	48	67	5	0
ब्रीट्जके पगबाधा कृष्णा	24	23	0	2
मारक्रम का कोहली बो कृष्णा	01	3	0	0
ब्रेविस का रोहित बो कुलदीप	29	29	2	1
यानसेन का जडेजा बो कुलदीप	17	15	2	0
बोश का एवं बो कुलदीप	09	12	0	0
महाराज नाबाद	20	29	2	0
एनगिडी पगबाधा कुलदीप	01	10	0	0
बार्टमैन बो कृष्णा	03	7	0	0

अतिरिक्त: 12, कुल योग: 47.5 ओवर में 270/10 रन
गेंदबाजी: अर्शदीप 8-1-36-1, हर्षित 8-2-44-0, कृष्णा 9.5-0-66-4, जडेजा 9-0-50-1, कुलदीप 10-1-41-4, तिलक 3-0-29-0

भारत	रन	गेंद	4	6
जायसवाल नाबाद	116	121	12	2
रोहित शर्मा का ब्रीट्जके बो महाराज	75	73	7	3
विराट कोहली नाबाद	65	45	6	3

अतिरिक्त: 15, कुल योग : 39.5 ओवर में 271/1 रन
गेंदबाजी: यानसन 8-1-39-0, एनगिडी 6.5-0-56-0, महाराज 10-0-44-1, बार्टमैन 7-0-60-0, बोश6-0-53-0, मारक्रम 2-0-17-0

भारत को गलतियों से सबक लेकर जर्मनी के खिलाफ उतरना होगा

■ जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप : सात बार की चैंपियन जर्मनी के खिलाफ आज मुकाबला

चेन्नई। बेल्जियम को शूटआउट में हराकर जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय टीम को मौजूदा और 7 बार की चैंपियन जर्मनी के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले में पिछली गलतियों से सबक लेकर उतरना होगा। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल में 45 मिनट तक एक गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने तीन मिनट में दो गोल करके बढ़त बना ली थी लेकिन 59वें मिनट में बेल्जियम ने गोल करके मैच को शूटआउट में खींच दिया, जिसमे गोल कीपर प्रिंस दीप सिंह के उम्दा प्रदर्शन से मेजबान टीम ने 4-3 से जीत दर्ज की ।

खिताब से दो जीत दूर भारत

श्रीजेश ने मैच के बाद कहा ,' नॉकआउट मैचों में इस तरह की गलतियां नहीं कर सकते । सबसे पहले तो गोल करने के मौके बर्बाद करने से बचना होगा और आखिरी क्षणों में गोल गंवाने की गलती से पार पाना होगा । हम खिताब से दो जीत दूर हैं और खिलाड़ियों को बखूबी पता है कि यह खिताब जीतना उनके लिए कितना जरूरी है ।" पिछली बार 2023 में कुआलालम्पुर में हुए जूनियर विश्व कप में जर्मनी के खिलाफ ही सेमीफाइनल में भारत को 1-4 से पराजय झेलनी पड़ी थी जब वह दर्जन भर पेनल्टी कॉर्नर में से एक पर भी गोल नहीं हो सका था । दूसरी ओर जर्मनी ने दोनों पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किये थे।

निशानेबाजी विश्व कप में पदक से चूके रुद्रांक्ष, बबूता

दोहा। भारत के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल और पेरिस ओलंपिक फाइनल तक पहुंचे अर्जुन बबूता सत्र के आखिरी आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में पदक जीतने से चूककर क्रमशः चौथे और छठे स्थान पर रहे। इलावेनिल वलारिवन भी महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में पिछड़ गईं। वह क्वालिफिकेशन दौर में नौवें स्थान पर रहीं और आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह नहीं बना पाईं। 2022 के विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष ने इस सत्र में ब्यूनस आयर्स में विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था।

दूसरी पारी में इंग्लैंड की बल्लेबाजी फ्लॉप ऑस्ट्रेलिया की मैच में पकड़ मजबूत

एजेंसी ▸▸ब्रिस्बेन

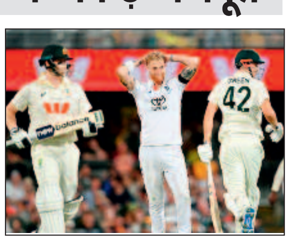

ऑस्ट्रेलिया ने गाबा में जारी एशेज सीरीज के दूसरे मुकाबले में अपनी पकड़ बना ली है। मुकाबले के तीसरे दिन की समाप्ति तक इंग्लैंड की टीम अपनी दूसरी पारी महज 134 रन तक 6 विकेट गंवा चुकी है। मुकाबले में अभी भी ऑस्ट्रेलिया के पास 43 रन की बढ़त शेष है। पिंक बॉल टेस्ट में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 334 रन पर सिमट गई। मेहमान टीम महज 5 रन तक अपने 2 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से जैक क्रॉली ने जो रूट के साथ तीसरे विकेट के लिए 117 रन जोड़ते हुए टीम को संभाला। इंग्लैंड की तरफ से इस पारी में जो रूट ने 206 गेंदों में 1 छक्के और 15 चौकों के साथ 138 रन की नाबाद पारी खेली।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
क्षेत्रीय कार्यालय, जीवन प्रकाश, एलआईसी बिल्डिंग, पंडरी, रायपुर (छ.ग.)
फोन 0771-4222611, 4222612, ई-मेल: recovery.raipur@bankofbaroda.com

सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत 60 दिनों की नोटिस का प्रकाशन
(Publication in the Newspapers in case of return/failure of service of 60 day's Notice U/s.13 (2) of SARFAESI Act,2002)

प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत निम्नलिखित ऋणकर्ताओं / गारंटरो को 60 दिनों के नोटिस, पंजीकृत डाक / पावती सहित डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा जारी की हैं. लेकिन यह नोटिस डाक अधिकारियों द्वारा सुपुर्दगी प्राप्त करने में मना करने / गलत पते / व्यक्ति द्वारा स्थान शहर छोड़े जाने आदि कारणों से लौटा दी गई हैं. इन ऋणकर्ताओं / गारंटरो ने, अपनी निम्नलिखित चल / अचल संपत्तियों को, बैंक द्वारा ऋणकर्ता(ओं) को दी जाने वाली विभिन्न ऋण सुविधाओं को प्राप्त करने के एवज में दृष्टि बंधक/बंधक रखा हैं. बैंक की देय राशि के भुगतान न करने तथा ऋण की नियम एवं शर्तों को पूरा न करने के कारण ऋणकर्ता(ओं) / गारंटर(रों) द्वारा बैंक के ऋण एवं ब्याज के भुगतान में चूक किये जाने के कारण, खाता, भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानुसार एनपीए हो गया हैं। उपर्युक्त को देखते हुए, निम्नलिखित ऋणकर्ता(ओं) / गारंटर(रों) को बैंक द्वारा निम्नलिखित देय के ब्याज सहित भुगतान हेतु 60 दिनों का नोटिस जारी किया गया है, जिससे चूकने पर बैंक बिना न्यायालय या ट्रिब्यूनल के हस्तक्षेप के, अधिनियम के चैप्टर ||| के अंतर्गत एक या अनेक साधनों द्वारा प्रतिभूति हित लागू करने हेतु बाध्य होगा. ऋणकर्ता(ओं) /गारंटर(रों) को इस नोटिस द्वारा यह भी सूचित किया जाता हैं कि वे, अधिनियम की धारा 13(13) की शर्तों के अनुरूप, बैंक की सहमति के बिना बैंक को प्रभारित प्रतिभूत आस्तियों में से किसी को भी बिक्री / पट्टे या किसी अन्य द्वारा (सामान्य व्यवसाय के अलावा) ट्रांसफर नहीं करेंगे. ऋणकर्ता(ओं)/गारंटर(रों) तथा प्रतिभूत आस्तियों के विवरण नीचे दिए गए हैं जिनके विरुद्ध बैंक 60 दिनों के बाद कार्रवाई प्रारंभ करेगा, यदि उनके द्वारा देय राशि का भुगतान नहीं किया जाता हैं.

क्र.	शाखा का नाम और फोन नं.	उधारकर्ता का नाम और पता	बकाया राशि डिमांड नोटिस के अनुसार	सुरक्षित संपत्ति का विवरण (एनपीए दिनांक:31.05.2025) (नोटिस दिनांक:04.06.2025)
01	माना शाखा रायपुर 9109993942	श्री मोहम्मद नेयाज़ खान मकान नं.- 252, वार्ड नं. 28, गाज़ी नगर, बीरगांव, रायपुर, छत्तीसगढ़.	रु. 22,30,223.00 + अप्रयुक्त ब्याज + अन्य प्रभार	साम्यिक बंधक मकान संपत्ति स्थित खसरा नं.- 285 एवं 286/2, प्लाट नं.-5/3, शीट नं.-1, क्षेत्रफल- 810 वर्गफीट, चंद्रशेखर आजाद वार्ड नं.- 31, नया वार्ड नं.-41, ग्राम- बीरगांव, प.ह.नं.- 88, आर आई सर्कल धरसीवां, जिला- रायपुर (छ.ग.) हैं जो श्री जयदेव साहा के नाम पर हैं. सीमाएं: पूर्व - रोड, पश्चिम - कबीर वकील की संपत्ति, दक्षिण- अशरफी गुप्ता का मकान, उत्तर - जावेद खान की संपत्ति.

दिनांक:07.12.2025, स्थान: रायपुर, छत्तीसगढ़ प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ़ बड़ौदा

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking
क्षेत्रीय कार्यालय- रायपुर, प्लॉट नं. 71, सेक्टर- 24 अटल नगर, नया रायपुर, रायपुर, छत्तीसगढ़-492018
परिशिष्ट-IV ए [नियम 6(8) के परंतुक को देखें]
अचल संपत्ति की विक्रय हेतु बिक्री सूचना

ई-नीलामी बिक्री सूचना: बैंक में बंधक रखे अचल संपत्तियों का, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति-हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत, प्रतिभूति-हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के सहपठित धारा 8 (6) के तहत विक्रय किया जाना है।

सर्वसाधारण, विशेष रुप से ऋणी एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जिनका **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया** के प्राधिकृत अधिकारी ने **सांकेतिक/भौतिक कब्जा** लिया है, **"जैसा है, जहां है और जैसा है, जो है"** के आधार पर दिनांक **09/01/2026** समय **(प्रातः 11.00 बजे से शाम 05.00 बजे तक)** पर नीलाम किया जावेगा, जिसका विवरण नीचे दिए अनुसार है । आरक्षित मूल्य एवं बयाना राशि संपत्ति के विरुद्ध नीचे दर्शाये गये तालिका में उल्लेख किया गया है ।

क्र.	उधारकर्ता एवं जमानतदार/शाखा का नाम	सपत्तियों का विवरण	बकाया राशि (रू.)	आरक्षित मूल्य अमानत राशि बोली वृद्धि राशि
01	ऋणी- बाबा महंत दास मिताली दास पति बाबा महंत दास शाखा: घड़ी चौक, सुपेला (छ.ग.)	प्लॉट नं. ईडब्ल्यूएस- 115ए, वार्ड नं. 7, फरीद नगर, छ.ग. हाऊसिंग बोर्ड कालोनी, कोहका, भिलाई (छ.ग.)	₹ 12,88,844.34 + 22.09.2024 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 15.00 लाख ₹ 1.50 लाख ₹ 0.15 लाख
02	ऋणी- काया भट्टाचार्य, स्व. सोमनाथ भट्टाचार्य एवं स्व. सोमनाथ भट्टाचार्य के अन्य कानूनी उत्तराधिकारी (बैंक को ज्ञात) शाखा: सिंधिया नगर, दुर्ग (छ.ग.)	**स्व. सोमनाथ भट्टाचार्य** के स्वामित्व में हर्षिल बिल्डर्स, नरसिंह विहार, काटुलबोड़, छठवी मंजिल, क्षेत्रफल 825 वर्गफीट में स्थित फ्लैट नं. 604-सी ।	₹ 17,48,727.34 + 30.04.2025 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 28,00 लाख ₹ 2.80 लाख ₹ 0.30 लाख

उपरोक्त संपत्तियों पर ऋणभार का विवरण, जैसा कि बैंक को ज्ञात है - ज्ञात नहीं है ।
ई-नीलामी की तिथि व समय: 09/01/2026, सुबह 11.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक ।

पंजीकरण, लॉगिन एवं बोली नियमों के लिए देखें **ऑनलाइन ई-नीलामी वेब पोर्टल/वेबसाइट https://baanknet.in** के माध्यम से आयोजित की जाएगी, किसी भी विस्तृत पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें: **क्र. 01 के लिए: श्री प्रदीप बारिक/मोबा. 7077103753 एवं क्र. 02 के लिए: श्री समीर होता/ मोबा. 8018337533.**

उधारकर्ताओं और गारंटरों को सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) और नियम 9(1) के तहत वैधानिक 15 दिनों की बिक्री नोटिस के रूप में भी माना जा सकता है।

दिनांक: 06.12.2025, प्राधिकृत अधिकारी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

करुणा श्री कैंसर हॉस्पिटल ने 5 साल में बदली हजारों जिंदगीयाँ

मरीजों की कहानी... मरीजों की जुबानी

6 साल के मासूम की जिंदगी बचाने वाला चमत्कार - करुणा श्री कैंसर अस्पताल के कारण मेरा बेटा आज मुस्कुरा रहा है

मैं नदीम खान का पिता हूँ। हम राजनंदगांव से है ,जिंदगी का सबसे बड़ा सदमा हमें तब लगा जब हमारे 6 साल के बेटे को मेडुलोब्लास्टोमा, जो की एक बेहद खतरनाक ब्रेन और स्पाइन ट्यूमर है का पता चला। ऑपरेशन के बाद उसके लिए डेढ़ महीने तक रोजाना रेडिएशन और कीमोथेरेपी जरूरी थी। इतनी छोटी उम्र में बच्चे का रोज़ एक ही स्थिति में स्थिर रहना लगभग नामुमकिन माना जाता है—इसलिए ज्यादातर बच्चों को बेहोश करके ही रेडिएशन दिया जाता है।लेकिन हमारे बच्चे की किस्मत में करुणाश्री अस्पताल और डॉ. प्रशांत जैसे डॉक्टर का आशीर्वाद लिखा था। डॉ. प्रशांत ने न सिर्फ हमें उम्मीद दी, बल्कि उस उम्मीद को हकीकत में बदला।उनकी विशेषज्ञता, धैर्य और बच्चों के प्रति उनकी संवेदनशीलता ने नदीम को इतना मजबूत बनाया कि उसने पूरा रेडिएशन बिना बेहोशी के सफलतापूर्वक पूरा किया।
हर दिन, डेढ़ महीने तक एक छोटा बच्चा, पूरी हिम्मत के साथ—और उसके साथ खड़ी करुणाश्री की समर्पित टीम।
आज इस उपचार को 2 साल हो चुके हैं।
नदीम बिल्कुल स्वस्थ है—स्कूल जाता है, खेलता है और अपने बचपन का हर पल जी रहा है।हमारे परिवार को नई जिंदगी मिल चुकी है

छोटा घाव, मेरी लापरवाही से बना बड़ा कैंसर - लेकिन मैंने कैंसर को हराया

मैं तरुण कुमार हूँ, जांजगीर-चांपा का रहने वाला। शुरुआत में मुंह में सिर्फ एक छोटा घाव था। सोचा—छोटा सा है , ठीक हो जाएगा।
लेकिन यह सोच मेरी जिंदगी के लिए खतरा बन गई।बायोप्सी में पता चला—कैंसर है, लेकिन मैंने फिर भी वैकल्पिक इलाज पर भरोसा किया।
जिससे मेरी तबीयत बहुत बिगड़ गई और वह घाव अब स्टेज-3 कैंसर बन चुका था।मेरी आर्थिक स्थिति कमजोर है किसी ने मुझे करुणाश्री कैंसर हॉस्पिटल के बारे में बताया जहाँ डॉ. प्रशांत और उनकी टीम ने मेरी पूरी सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडिएशन को सफलतापूर्वक पूरा किया।सभी इलाज आयुष्मान कार्ड के माध्यम से निशुल्क हुआ।
आज, एक साल बाद, मैं पूरी तरह स्वस्थ हूँ।काम कर रहा हूँ, परिवार के साथ समय बिता रहा हूँ, और हर दिन इस नई जिंदगी का आनंद ले रहा हूँ।
मैं कहना चाऊँगा की छोटी चूक बड़ी बीमारी में बदल सकती है,इसलिए लापरवाही ना करें । सही समय पर विशेषज्ञ उपचार और भरोसेमंद टीम हर मुश्किल को पार कर सकती है।

मौत के मुंह से वापस लौटा - ब्रेन ट्यूमर के चौथे स्टेज को हराकर मिली मुझे नई जिंदगी

मेरा नाम पुरूषोत्तम रजवाड़े है। वर्ष 2020–21 में मेरी जिंदगी अचानक बदल गई, जब मुझे फोर्थ स्टेज ब्रेन ट्यूमर होने का पता चला। डॉक्टरों ने साफ कहा था कि मेरे पास ज़्यादा समय नहीं है—मैंने हिम्मत खो दी थी पर डॉ प्रशांत ने मुझे हौसला दिया जिससे मेरी खोयी हिम्मत वापस आई और मैं ऑपरेशन के लिए तैयार हो गया ।
फिर मैंने कीमोथेरेपी सहित पूरा आगे का इलाज यहाँ करवाया। यह मेरे लिए बड़ी राहत थी कि मेरा संपूर्ण उपचार आयुष्मान कार्ड के माध्यम से सफलतापूर्वक पूरा हुआ, क्योंकि इतनी बड़ी बीमारी में आर्थिक चिंता भी भारी बोझ बन जाती है। आज, पूरे 5 साल बाद, मैं बिल्कुल स्वस्थ हूँ, नियमित जीवन जी रहा हूँ, काम कर रहा हूँ और आगे बढ़ रहा हूँ। मुझे देखकर कोई नहीं सोच सकता कि मैं कभी इतनी गंभीर अवस्था में था। मेरी यह यात्रा सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए आशा का संदेश है जो बड़ी बीमारी से लड़ रहे हैं।
सही इलाज, समय पर देखभाल और अटूट मनोबल—इनसे कोई भी असंभव लड़ाई जीती जा सकती है। मैं डॉ प्रशांत और पूरी करुणा श्री कैंसर हॉस्पिटल टीम का जीवन भर आभारी रहूँगा ।

डॉ. प्रशांत कसेर
कैंसर एवं कीमोथेरेपी विशेषज्ञ
मेडिकल डायरेक्टर

कैंसर उपचार में नई उम्मीद का केंद्र:

करूणा, तकनीक और भरोसे के 5 साल में करूणा श्री कैंसर हॉस्पिटल नें हजारों जिंदगीयाँ बदली हाल के महीनों में इस अस्पताल ने कई ऐसे मामलों को सफलतापूर्वक संभाला है, जिन्हें सामान्यतः बेहद जटिल, जोखिमपूर्ण और कठिन माना जाता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि इन सभी मरीजों का पूरा इलाज आयुष्मान भारत कार्ड के माध्यम से निशुल्क किया गया,

"पैसे की कमी के कारण कोई भी कैंसर मरीज इलाज से वंचित न रहे"— यह करुणाश्री कैंसर हॉस्पिटल का प्रमुख विज़न है।

- महिलाओं के लिए विशेष सुविधा
- महिला स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए डॉ. नीलम लदेर द्वारा
- विशेष महिला कैंसर ओपीडी
- महिलाओं के लिए कैंसर स्क्रीनिंग कैंप

डॉ. नीलम लदेर
कैंसर एवं कीमोथेरेपी विशेषज्ञ
डायरेक्टर

अवॉर्ड और सम्मान

करुणाश्री कैंसर हॉस्पिटल को अब तक कई महत्वपूर्ण सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है।

जिला प्रशासन रायपुर द्वारा करुणा श्री हॉस्पिटल को प्रशस्ति-पत्र

6 वर्ष – आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और 3 वर्ष – आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के सफलता पूर्वक पूर्ण होने पर आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तथाशहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजनाअंतर्गत वर्ष 2023–24 में प्रदत्त सेवाओं हेतुउल्लेखनीय उपलब्धि, उत्कृष्ट कार्य, सतत सेवा भावना एवंजन-स्वास्थ्य को समर्पित विशिष्ट योगदान के लिए यह प्रशस्ति-पत्र जिला प्रशासन रायपुर द्वारा प्रदान किया गया है।

विशेष बात-चीत में डॉ. प्रशांत कसेर ने बताया की कैसे 70 वर्षीय मरीज में लिंफोमा का सफल उपचार सिर्फ कीमोथेरेपी से किया गया

एक 70 वर्षीय बुजुर्ग मरीज को नॉन-हॉजकिन्स लिंफोमा डायग्नोस हुआ था, जिसमें शरीर के गले, कांख, गर्दन, पेट और जांघों में बड़े-बड़े लिंफ नोड्स विकसित हो गए थे।अस्पताल में दी गई कीमोथेरेपी से सभी गांठें पूरी तरह गायब हो गई।आज वह बुजुर्ग स्वस्थ जीवन जी रहे हैं और नियमित फॉलो-अप में हैं।

डॉ. नीलम लदेर का कहना है कि - बिना सर्जरी भी संभव है गर्भाशय एवं मुख कैंसर का इलाज

डॉक्टर नीलम लदेर ने बताया कि आम लोगों में यह गलतफहमी है कि बच्चेदानी या उसके मुख के कैंसर में सर्जरी ही एकमात्र समाधान है।वास्तविकता यह है कि:
स्टेज-2 और स्टेज-3 में इलाज मुख्य रूप से रेडिएशन और कीमोथेरेपी से ही किया जाता है, और ये दोनों ही तरीके बेहद प्रभावी साबित हुए हैं।

कैंसर के बाद भी जिंदगी जीने का हुनर सिखाते हैं :- डॉ. शैलेन्द्र देवांगन

ब्रेस्ट कैंसर सर्जरी और अन्य इलाज के बाद मरीजों को हाथों की सूजन, दर्द और कमजोरी से राहत दिलाते हैं। सही फिजियोथेरेपी, व्यायाम और मूवमेंट थेरेपी से मरीज फिर से सक्रिय और आत्मनिर्भर बनते हैं। उनकी देखभाल से मरीज न केवल स्वस्थ होते हैं, बल्कि अपनी जीवन की गुणवत्ता भी पूरी तरह वापस पाते हैं।

डॉ. शैलेन्द्र देवांगन
ऑन्को-फिजियोथेरेपिस्ट

पता : करूणा श्री कैंसर हॉस्पिटल, अरबिंदो नेत्रालय के पास, पचपेड़ी नाका, रायपुर
मो.: 6232143778, 07714280003

मरीजों की कहानी... मरीजों की जुबानी

रायपुर की बेटी ने सरकारी अस्पताल के जाल को छोड़ा, करुणाश्री में दूसरे ही दिन मिली नई जिंदगी

मैं प्रतिमा , रायपुर की रहने वाली हूँ। ब्रेस्ट कैंसर ने मेरी जिंदगी में अंधेरा फैला दिया था। शुरुआत में मैं सरकारी अस्पताल में एक से दो महीने तक भटकती रही, लेकिन वहां न सही मार्गदर्शन मिला, न समय पर इलाज। इस दौरान मेरी बीमारी लगातार बढ़ती रही, और हर दिन डर बढ़ता गया।
तब मुझे डॉ नीलम लदेर करुणाश्री हॉस्पिटल के बारे में पता चला। अस्पताल पहुँचने के दूसरे ही दिन मेरा ऑपरेशन कर दिया गया, जिससे बहुमूल्य समय बचा और मेरी जिंदगी की नई राह शुरू हुई।
मेरे पूरे इलाज—सर्जरी से लेकर कीमोथेरेपी तक—को आयुष्मान कार्ड के माध्यम से निशुल्क किया गया।आज मैं तेजी से स्वस्थ हो रही हूँ और हर दिन उम्मीद और खुशियों के साथ जी रही हूँ।
मैंने अब समझा की सही समय में सही इलाज और सहीं अस्पताल पहुँचना कितना जरूरी है ।

हड्डियों तक फैल चुके कैंसर को हराया - राहुल कुमार सिंह की ज़िंदगी फिर से मिली

बिलासपुर के राहुल कुमार सिंह जब सुने कि उनका प्रोस्टेट कैंसर हड्डियों तक फैल चुका है, तो डर और अनिश्चितता ने उन्हें घेर लिया। लेकिन करुणाश्री हॉस्पिटल की विशेषज्ञ टीम ने तुरंत इलाज शुरू किया और सर्जरी, हार्मोनल थेरेपी और रेडिएशन के साथ उन्हें नई जिंदगी दी।आज राहुल पूरी तरह स्वस्थ हैं। वे नियमित फॉलो-अप कर रहे हैं, हर तीन महीने में बिलासपुर से अस्पताल आकर टेस्ट, इमेजिंग स्कैन और रक्त परीक्षण करवा रहे हैं।
हर फॉलो-अप में उनकी रिपोर्ट्स लगातार सामान्य आ रही हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कैंसर पर उनकी जीत स्थायी है।
राहुल कहते हैं, फॉलो-अप सिर्फ रिपोर्ट देखने का नाम नहीं है, बल्कि यह मेरी नई जिंदगी की सुरक्षा का तरीका है। डॉक्टरों की सलाह मानकर और अपनी दवा और जीवनशैली को अनुशासित रखकर मैंने यह सुनिश्चित किया कि कैंसर दोबारा न लौटे। यही अनुशासन और समय पर देखभाल किसी भी मरीज के लिए जीवन रक्षक हो सकता है।

कैंसर को मात देकर अब दूसरों की जिंदगी बचा रहा हूँ - हीरिया टंडन

मैं हीरिया टंडन, कवर्धा जिले का रहने वाला, मुंह के कैंसर यानी ओरोफ़ैरिंजियल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहा था। शुरुआती लक्षण—मुंह में घाव, दांतों में दर्द और खाने में कठिनाई—मैंने हल्के में लिया।शुरुआत में ही मुझे करुणाश्री हॉस्पिटल के बारे में पता चला और मैं तुरंत अस्पताल पहुँचा। यहाँ डॉ. प्रशांत कसेर और उनकी टीम ने मेरा पूरी तरह मेडिकल मूल्यांकन किया—बायोप्सी, इमेजिंग और स्टेजिंग। उनके मार्गदर्शन में मेरी सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडिएशन शुरू हुई, और यह सब आयुष्मान कार्ड के माध्यम से निशुल्क हुआ।
यह प्रक्रिया लंबी और चुनौतीपूर्ण थी। सर्जरी में कैंसर टिशू को पूरी तरह हटाना था, कीमोथेरेपी में शरीर पर प्रभाव पड़ता है और रेडिएशन से आसपास के स्वस्थ टिशू को सुरक्षित रखना चुनौती थी। लेकिन अस्पताल की टीम और परिवार के सहयोग से यह पूरी तरह सफल रही। आज, 5 साल बाद, मैं पूरी तरह स्वस्थ हूँ।अब मैं अपने अनुभव को समाज की सेवा में लगा रहा हूँ—कैंसर मरीजों को जागरूक करना, उनका मनोबल बढ़ाना और सही उपचार की जानकारी देना। मुझे समझ में आया कि कैंसर सिर्फ शारीरिक लड़ाई नहीं, बल्कि मानसिक और समय पर उपचार की लड़ाई भी है। मेरा मानना है जीवन का दूसरा अवसर सिर्फ खुद के लिए नहीं है बल्कि दूसरों के लिए भी भी है और समाज के प्रति फ़र्ज़ को अब मुझे पूरा करना है।

भारत की ऐसी रहस्यमयी झील, जो दिन में कई बार बदलती है पानी का रंग

भारत में कई ऐसी जगह हैं, जो देश और विदेश के पर्यटकों को खूब पसंद आती है। भारत में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक प्राकृतिक सुंदरता दिखाई देती है। इनमें हिमाचल प्रदेश का दुर्गम जिला लाहौल-स्पीती भी शामिल है। यहां की प्राकृतिक सुदरता देखने के लिए हर साल हजारों पर्यटक आते हैं। पर्यटकों को खूबसूरत वादियां, ग्लेशियर और ऊंचे पहाड़ अपनी तरफ आकर्षित करते हैं। यहां की बेहद खूबसूरत झीलें सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र हैं।

14100 फीट की ऊंचाई पर स्थित है द मून लेक

माना जाता है कि यहां पर स्थित चंद्रताल झील बेस्ट कैम्पिंग साइट है। यहां आकर पर्यटक अपने आपको प्रकृति के बेहद करीब महसूस करते हैं। इस झील को द मून लेक के नाम से भी जाना जाता है। दुनिया की सबसे खूबसूरत झीलों में शुमार चंद्रताल लेक समुद्रतल से 14100 फीट की उंचाई पर स्थित है। सर्दी के मौसम की शुरुआत होते ही यहां पर बर्फबारी का सिलसिला शुरू हो जाता है जिसकी वजह से यह स्थान तीन से चार महीने तक के लिए बंद कर दिया जाता है।

मीठे पानी के नाम से भी जानी जाती है यह झील

इस झील के पानी के बारे में जानेंगे तो आप हैरान हो जाएंगे। इस झील की खासियत है कि इसका पानी दिन में तीन बार अपना रंग बदलता है। इस झील को 'मीठे पानी की झील' के नाम से भी जाना जाता है। यह झील लाहौल-स्पीति के स्थानीय लोगों के लिए धार्मिक महत्व भी रखती है।

अर्धचंद्र आकार की है यह चांदी की झील

यह झील स्पीति और कुल्लू घाटी से कुछ ही दूरी स्थित है। यह एक टापू पर है जिसकी वजह से अर्धचंद्र की तरह दिखाई देती है जिसकी वजह से लोग इसे द मून लेक यानी चांदी की झील भी कहते हैं। इस झील का पानी इतना साफ है कि शीशे की तरह चमकता है। कहा जाता है कि झील का यह क्षेत्र कभी स्पीति और कुल्लू जाने वाले तिब्बत और लद्दाख के व्यापारियों का महत्वपूर्ण स्थान था। अब यह झील पूरी दुनिया को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

सुरंग

जमीन के 8040 फीट नीचे दुनिया की सबसे लंबी रेल सुरंग

57 किमी तक अंधेरे में दौड़ती ट्रेन, 17 साल में बनी, 106346 करोड़ हुए खर्च

स्विट्जरलैंड। जमीन पर फर्राटे से दौड़ती ट्रेन तो देखा होगा, हवा में झूलते पुल से गुजरती ट्रेन भी देखी होंगी। समंदर पर दौड़ते रेल का सफर भी किया होगा और ट्रेन के सुरंग के अंधरे में गुम होने पर तालियां भी बजाई होंगी, लेकिन आज एक ऐसे सफर पर ले जा रहे हैं, जहां ट्रेन जब टनल में घुसती है तो 57 किमी की सफर तय करने के बाद ही निकल पाती है। हम बात कर रहे हैं दुनिया की सबसे लंबी और सबसे गहरी रेल सुरंग स्विट्जरलैंड की गॉटार्ड रेल टनल की।

ढाई हजार से ज्यादा मजदूरों ने किया 17 साल काम

स्विटजरलैंड का गॉटार्ड बेस टनल दुनिया का सबसे लंबा और सबसे गहरा रेल टनल है। ये सुरंग इतना लंबा और गहरा है कि इसे बनाने में 17 साल लग गए। 2400 से 2600 से अधिक मजदूरों ने दिन-रात काम कर इस रेल सुरंग को साल 2016 में तैयार कर दिया।

तीन करोड़ से ज्यादा निकालीं चट्टानें, जोड़ती है उत्तरी-दक्षिणी यूरोप को

यह रेल सुरंग स्विस आल्प्स के नीचे से होकर गुजरती है और उत्तरी और दक्षिणी यूरोप को जोड़ने का काम करती है। इस सुरंग की वजह से ज्यूरिख से मिलान का सफर महज 3 घंटे हो जाता है, जिसे पहले 5 से साढ़े 5 घंटे लगते थे। इस सुरंग को बनाना आसान नहीं था। इसे बनाने में 3.1 करोड़ चट्टानों को निकालना पड़ा।

दुनिया का सबसे गहरी रेल टनल बनाने में कितना खर्च

गॉटार्ड बेस टनल सिर्फ सबसे लंबा ही नहीं बल्कि सबसे गहरा रेल सुरंग है, जो 2450 मीटर (8,040 फीट) गहराई से होकर गुजरती है। इस टनल को बनाने में 1250 करोड़ डॉलर यानी 10,63,46,11,58,400 रुपये का खर्च किया गया। टनल के अंदर गाड़ियों की रफ्तार 200 से 220 किमी प्रति घंटे की होती है। हर दिन 15000 से अधिक रेल पैसेंजर इस सुरंग को ट्रेन के जरिए पार करते हैं।

रोजाना 260 ट्रेनें करती हैं आवागमन

इस टनल से 65 यात्री ट्रेनों के अलावा रोजाना करीब 260 मालगाड़ियां भी गुजरती हैं। इस टनल से गुजरने वाली ट्रेनों की रफ्तार 250 किलोमीटर प्रति घंटे रहती है। गोथर्ड बेस सुरंग खासतौर पर माल परिवहन के लिए है। टनल न केवल ट्रेनों का समय बचाता है, बल्कि परिवहन के खर्च को बचाता है। इस रेल लाइन के जरिए माल ढुलाई का खर्च को हो रहा है। प्रदूषण कम होने से पर्यावरण की सुरक्षा हो रही है।

हादसे के बाद हो गई थी बंद

साल 2023 में एक मालगाड़ी के हादसे की वजह से इस टनल को बंद कर दिया गया था। रेल हादसे के चलते टनल को बड़ा नुकसान हुआ था, जिसकी मरम्मत में एक साल का वक्त लग गया। साल 2024 में इसे वापस से खोल किया गया।

दुनिया के सबसे दुर्लभ नारंगी सांप जिसे देखकर आप भी कहेंगे- वाह...!

दुनिया में कुछ ऐसे दुर्लभ नारंगी रंग के सांप पाए जाते हैं, जो दिखने में बेहद खूबसूरत और अनोखे हैं। इनमें कोरल रेड कुकरी, अफ्रीकन बुश वाइपर, ऑरेंज-बैंडेड कोरल, ऑरेंज-कॉलर कीलबैक और गोल्डन ट्री स्नेक शामिल हैं। इनके रंग सिर्फ सुंदर नहीं, बल्कि सुरक्षा और शिकार की रणनीति भी हैं।

कोरल रेड कुकरी : कोरल रेड कुकरी दक्षिण एशिया का एक बेहद दुर्लभ सांप है, जिसका शरीर चमकदार नारंगी-लाल रंग का होता है। कभी इसे विलुप्त माना गया था, लेकिन भारत के दुधवा नेशनल पार्क में इसे दोबारा देखा गया। यह गैर विषैला सांप अपनी रंगत से जंगल में आसानी से छिप जाता है। इसकी चमकदार त्वचा इसे पेड़ों और झाड़ियों में लगभग अदृश्य बना देती है।

अफ्रीकन बुश वाइपर

अफ्रीकन बुश वाइपर मध्य और पूर्वी अफ्रीका के घने जंगलों में पाया जाता है। यह विषैला सांप पेड़ों और झाड़ियों में रहता है और अपनी खुरदुरी नारंगी स्केल्स से खुद को छिपा लेता है। यह रात में शिकार करता है और पक्षियों व छोटे जानवरों को पकड़ता है। हालांकि यह जहरीला है, मगर इंसानों से दूर रहना ही इसकी फितरत है।

ऑरेंज-कॉलर कीलबैक

हिमालय की तराई में पाया जाने वाला यह सांप अपने सिर के पीछे नारंगी कॉलर जैसी पट्टी के लिए मशहूर है। यह हल्का जहरीला होता है लेकिन इंसानों के लिए खतरा नहीं है। लगभग 83 सेंटीमीटर लंबा यह सांप ठंडे इलाकों के जंगलों में रहता है और छोटे जीव-जंतुओं को शिकार बनाता है।

गोल्डन ट्री स्नेक

गोल्डन ट्री स्नेक को अक्सर 'उड़ने वाला सांप' कहा जाता है क्योंकि यह एक पेड़ से दूसरे पेड़ तक फिसलकर पहुंच सकता है। इसके शरीर पर हरे और काले रंग के बीच नारंगी या लाल धब्बे इसे बेहद सुंदर बनाते हैं।

दुर्लभ अंडे की हुई नीलामी, 273 करोड़ से ज्यादा रुपये में बिका

क्रिस्टीज, लंदन। आमतौर पर एक अंडा 6 से 10 रुपये का मिलता है, लेकिन बीती 2 दिसंबर को एक अंडा करोड़ों रुपये में बिका है। दरअसल, रूस के शाही परिवार का हीरा जड़ित क्रिस्टल फैबरगे अंडा लंदन की एक नीलामी में रिकॉर्ड 2.29 करोड़ पाउंड यानी करीब 273 करोड़ से ज्यादा रुपये में बिका। यह एक दुर्लभ अंडा है, जिसे जौहरी की सबसे खूबसूरत कृतियों में से एक माना जाता है।

रोमानोव परिवार के लिए बनाए गए थे ऐसे 50 अंडे

फैबर्जे परिवार ने रूस के शाही रोमानोव परिवार के लिए केवल 50 अंडे बनाए थे, लेकिन उनमें से महज 7 अंडे ही निजी हाथों में हैं।बाकि अंडे या तो गायब हैं या संस्थानों और संग्रहालयों के स्वामित्व में हैं। क्रिस्टीज नीलामीघर के मुताबिक, ये अंडे साल 1885 से लेकर साल 1917 में जार निकोलस द्वितीय को पद छोड़ने के लिए मजबूर किए जाने तक बनाए जाते रहे थे।

4,500 हीरों से सजा हुआ है यह अंडा

इस दुर्लभ अंडे की नीलामी लंदन स्थित क्रिस्टीज नीलामीघर द्वारा की गई है। हालांकि, अभी खरीदार का नाम सामने नहीं आया है।4,500 हीरों से सजे इस अंडे को रूस के अंतिम शासक सम्राट जार निकोलस द्वितीय ने साल 1913 में अपनी मां मारिया फियोदोरोव्ना को उपहार के रूप में बनवाया था। 8.2 सेमी (3.2 इंच) ऊंचा यह अंडा कार्ल फैबर्जे द्वारा बनाया गया था।

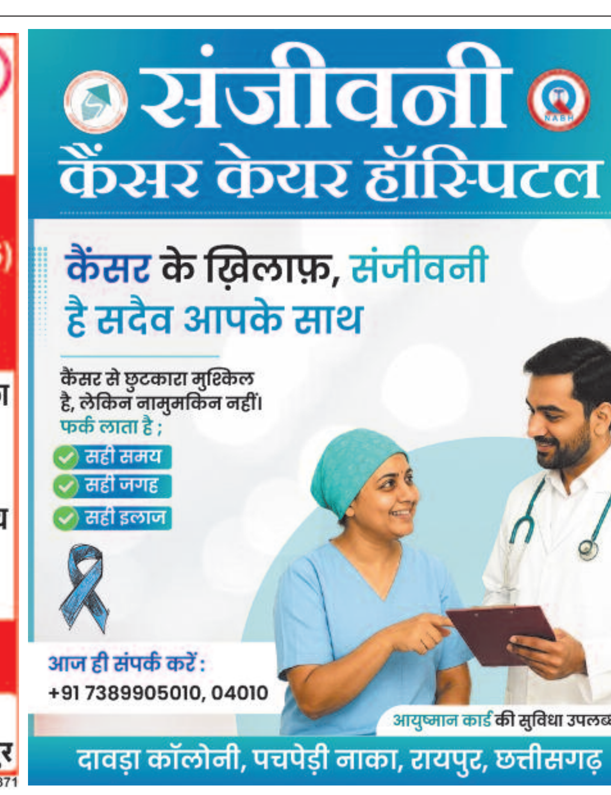

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com